राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

वर्ष : 12 , अंक : 137, पृष्ठ : 08, नई दिल्ली बुधवार 30 नवंबर 2022, मूल्य : 1.50/-

नई दिल्ली से प्रकाशित

RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

भारत की संस्कृति संकीर्णता की नहीं बल्कि विशालता की : स्वामी चिदानन्द सरस्वती
.... पेज 03

मदरसों की छात्रवृति बंद करने पर नारेबाजी और प्रदर्शन, शिक्षक, पेरेंट्स और मदरसा एसोसिएशन
.... पेज 05

इजरायल के हमले में 4 फिलिस्तीनियों की मौत, 2022 में मारे गए 200 लोग, 2006 के
.... पेज 07

एचएडीआर

केंद्रीय रक्षा मंत्री, राजनाथ सिंह आगरा, में बहु-एजेंसी मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) अभ्यास समन्वय 2022 में मौजूद ।

आरबीआई 1 दिसंबर को लॉन्च करेगा रिटेल ई-रुपी

कैश रखने की जरूरत नहीं, डिजिटल वॉलेट में रखकर कर सकेंगे इसका इस्तेमाल

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने 1 दिसंबर को रिटेल डिजिटल रुपी के पायलट प्रोजेक्ट को लॉन्च करने की घोषणा की है। शीर्ष बैंक ने 31 अक्टूबर को कहा कि पायलट एक महीने के समय में शुरू होगा। पायलट प्रोजेक्ट में डिजिटल रुपी क्रिएशन, डिस्ट्रीब्यूशन और रिटेल यूज की पूरी प्रोसेस को बारीकी से परखा जाएगा। इस टेस्ट से मिली लर्निंग पर रिटेल डिजिटल रुपी में बदलाव होंगे।

आरबीआई ने कहा कि पायलट में ग्राहकों और व्यापारियों का क्लोज्ड ग्रुप होगा जो चुनिंदा स्थानों को कवर करेगा। ई-रुपी का डिस्ट्रीब्यूशन बैंकों के माध्यम से किया जाएगा। यूजर इसे मोबाइल फोन और डिवाइसेज में डिजिटल वॉलेट में रख सकेंगे। डिजिटल वॉलेट से - पर्सन-टु-पर्सन या पर्सन-टु-मर्चेंट ट्रांजैक्शन कर सकेंगे। मर्चेंट को क्यूआर कोड से भी पेमेंट किया जा सकेगा।

पैसों के अन्य रूप में कनवर्ट हो सकेगा ई-रुपी

ई-रुपी को पैसों के अन्य रूप में कनवर्ट किया जा सकेगा। इस पायलट प्रोजेक्ट के लिए आठ बैंकों को चुना गया है, लेकिन पहले चरण की शुरुआत देश भर के चार शहरों में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, आईसीआईसीआई बैंक, यस बैंक और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक से होगी। इसके बाद बैंक ऑफ बड़ौदा, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, एचडीएफसी बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक सहित चार और बैंक इस पायलट में शामिल होंगे।

चार शहरों में शुरू होगा पायलट

पायलट शुरू में चार शहरों - मुंबई, नई दिल्ली, बेंगलुरु और भुवनेश्वर को कवर करेगा और धीरे-धीरे अहमदाबाद, गंगटोक, गुवाहाटी, हैदराबाद, इंदौर, कोच्चि, लखनऊ, पटना और शिमला तक विस्तारित होगा। अधिक बैंकों और अधिक शहरों को धीरे-धीरे शामिल किया जा सकता है।

एम्स का ई-हॉस्पिटल डेटा रिस्टोर

कामकाज अभी मैन्युअली ही किया जा रहा, सिस्टम सैनिटाइज करने में 4 दिन लगेंगे

नई दिल्ली। हैकर्स के कब्जे में सात दिन रहने के बाद दिल्ली एम्स में ई-अस्पताल का डेटा फिर सर्वर पर आ गया है। हालांकि अभी यहां कामकाज मैन्युअली ही किया जा रहा है। दिल्ली एम्स का सर्वर 23 नवंबर से बंद है। खबर है कि इसे हैक कर लिया गया था। सोमवार को खबर आई थी कि हैकर्स ने दिल्ली एम्स से 200 करोड़ रुपए की मांग की थी।

इसे चालू करने से पहले मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्रालय में हाई लेवल बैठक हुई। इसमें आईबी,एनआईए पुलिस, एनआईसी और एम्स के अधिकारी शामिल हुए। बैठक की डिटेल तो बाहर नहीं आई हैं। लेकिन,

एम्स ने विज्ञप्ति जारी करके बताया- सेवाओं को चालू करने से पहले नेटवर्क को सैनिटाइज किया जा रहा है। अस्पताल सेवाओं के लिए डेटा की मात्रा और बड़ी संख्या में सर्वर/कंप्यूटर के कारण इस प्रक्रिया में कुछ समय लग रहा है। साइबर सुरक्षा के लिए उपाय किए जा रहे हैं। सोमवार तक 50 में से 20 सिस्टम्स को सैनिटाइज कर लिया गया था। पूरी प्रोसेस में 4 दिन और लगेंगे।

हैकर्स ने क्रिप्टोकरेंसी में मांगे थे 200 करोड़

देश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल एम्स दिल्ली का सर्वर हैक करने वालों ने 200 करोड़ रुपए की डिमांड की है। हैकर्स ने पेमेंट क्रिप्टोकरेंसी में करने को कहा है। न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से यह दावा किया था। हालांकि दिल्ली पुलिस ने किसी तरह की फिरौती मांगे जाने की बात से इनकार किया।

23 नवंबर को रैनसमवेयर अटैक से हैक हुआ था सर्वर

एम्स का सर्वर 23 नवंबर को रैनसमवेयर अटैक करके हैक कर लिया गया था। इससे अस्पताल की सेवाएं बुरी तरह से प्रभावित हो रही हैं। अस्पताल की ओपीडी और आईपीडी में आने वाले मरीजों को इलाज कराने में दिक्कत हो रही है। सर्वर ठप होने के कारण ऑनलाइन अपॉइंटमेंट लेने और टेलीकंसल्टेशन जैसी डिजिटल सेवाएं भी प्रभावित रहीं। हालांकि इन सभी सेवाओं को मैनुअल तौर पर चलाया जा रहा है। नेटवर्क की पूरी तरह से सफाई करने में 5 दिन और लगने की संभावना है।

देश के किसान, मजदूर को कुछ नहीं देती सरकार : राहुल

उज्जैन। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा है कि वह किसान, मजदूर और छोटे कारोबारियों को नजरअंदाज करती है और उनकी कमाई अपने करीबी उद्योगपतियों पर लुटाती है।

गांधी ने मंगलवार को यहां जय-जय महाकाल के उदघोष के साथ विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बेरोजगार युवाओं, छोटे कारोबारियों, किसानों और मजदूरों पर ध्यान नहीं देती है बल्कि उल्टे उनके खून पसीने की मेहनत से की गई कमाई से चोरी कर अपने नजदीकी 2-4 उद्योगपतियों में बांट देती है।

देश के श्रमिक वर्ग को असली तपस्वी बताते हुए उन्होंने कहा , उज्जैन महा तपस्वी बाबा महाकाल की पवित्र नगरी है। हमारे देवी देवता सब तपस्वी है। शिवजी तपस्वी, कृष्ण भगवान तपस्वी, श्रीराम तपस्वी और किसी भी देवता को लीजिये,सारे के सारे तपस्वी हैं। इस तरह से हिंदुस्तान तपस्वियों का देश है और हिंदू धर्मावलम्बी तपस्वियों की पूजा करते है। कांग्रेस नेता ने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि कन्याकुमारी से शुरु हुई पदयात्रा बहुत बड़ी तपस्या है लेकिन सच्चाई यह है कि इसमें कोई तपस्या नहीं है। हिंदुस्तान में तपस्या वे मजदूर करते हैं जो कोविड के समय बंगलुरू, मुंबई, पंजाब और देश के विभिन्न कोनों से पैदल अपने घर गए, दूसरे देश को भोजन देने वाले वे करोड़ों किसान और उनके परिवार के सदस्य तपस्वी हैं जो हर सुबह चार बजे उठकर तपस्या शुरू करते हैं।

उन्होंने कहा , बढ़ई, नाई,माली, इलेक्ट्रिशियन,छोटे दुकानदार, मजदूर- ये सब तपस्वी हैं जो रोज और जिंदगी भर तप करते हैं और तपस्या करते-करते चले जाते हैं।

कश्मीर को अपना अभिन्न अंग बनाने में सफल रहा भारत

अल-कायदा का कबूलनामा; पाक आर्मी को बताया कायर

जम्मू। खूंखार आतंकी संगठन अल-कायदा ने भी कबूल कर लिया है कि कश्मीर अब भारत का अभिन्न अंग है। भारतीय उपमहाद्वीप में अल-कायदा ने अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद कश्मीर में भारत सरकार की सफलताओं को स्वीकार करते हुए पाकिस्तानी सेना पर अपनी भड़ास निकाली है।

अल-कायदा ने कश्मीर घाटी में आतंकवादियों की कमी के लिए पाकिस्तान पर अपनी भड़ास निकाली है। पाकिस्तानी सेना को कायर बताते हुए अल-कायदा ने कहा कि उसकी वजह से कश्मीर में दहशतगर्द कम हो रहे हैं। साथ ही उसने ये भी कहा कि भारत कश्मीर में अब सफल हो रहा है।

AQIS की आधिकारिक पत्रिका ने कहा कि भारत कश्मीर को अपना अभिन्न अंग बनाने में सफल रहा है। उसने इसके लिए पाकिस्तान की प्रतिक्रिया और कार्रवाई में कमी को जिम्मेदार ठहराया। अल-कायदा की भारतीय उपमहाद्वीप शाखा ने अपनी मैग्जीन में लिखा कि कश्मीर में दहशतगर्दी कम हो रही है और इसकी वजह डरपोक व कायर पाक आर्मी है जो आतंकियों को घाटी में नहीं भेज पा रही है। बता दें कि मोदी सरकार ने अगस्त 2019 में कश्मीर से धारा 370 को हटा दिया था।

इसके बाद से अल-कायदा ने कश्मीर पर अपना पूरा फोकस शिफ्ट किया था। वह अफगानिस्तान के जरिए कश्मीर में दहशतगर्दी को बढ़ाना चाहता है। हालांकि भारतीय सेना की मुस्तैदी ने आतंकी संगठन की हर चाल को नाकाम किया है।

पंजाब में बीएसएफ ने ढेर किए दो पाकिस्तानी ड्रोन

77 करोड़ की हेरोइन बरामद; अमृतसर व तरनतारन बॉर्डर पर जवानों ने किए 50 राउंड फायर

अमृतसर। भारत-पाक सरहद पर आए दो ड्रोन को बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स ने गिराने में सफलता हासिल की है।

खास बात है कि इस बार अमृतसर बॉर्डर पर ड्रोन को मार गिराने वाली 2 महिला बीएसएफ जवान हैं। वहीं, दूसरा ड्रोन तरनतारन के खेमकरण सेक्टर में गिराया गया है। इन दोनों मामलों में जवानों ने तकरीबन 14 किलोग्राम हेरोइन की खेप भी बरामद की है।

अमृतसर के रमदास सेक्टर के अंतर्गत आने वाले बीओपी दरिया मूसा गांव चाहढ़पुर में ड्रोन की मूवमेंट रात 11 बजे के करीब हुई। बीएसएफ की

महिला कांस्टेबल प्रीति और भाग्यश्री इस दौरान गश्त पर थीं। ड्रोन की आवाज सुनते ही वह दोनों अलर्ट हो गईं। दोनों ने तकरीबन 25 राउंड फायर किए। कुछ समय बाद ड्रोन की आवाज आनी बंद हो गई। इलाके में सर्च किया गया तो खेतों में एक हेक्साकॉप्टर चाइना मेड ड्रोन बरामद मिला, जिससे हेरोइन की खेप बंधी थी।

खेमकरण के खेतों में गिरा मिला ड्रोन

जिला तरनतारन के खेमकरण की भारत-पाकिस्तान सीमा पर बीओपी हरभजन पर गश्त कर रहे 101 बटालियन के जवानों ने दूसरा ड्रोन गिराया है।

सोमवार की देर रात्रि पाकिस्तान की तरफ से भारतीय क्षेत्र में ड्रोन घुस आया। कई राउंड फायरिंग के बाद आवाज बंद हो गई। लगभग सुबह के 12 बजे के करीब सरहद के पास एक किसान के खेत से ड्रोन बरामद हुआ। सर्च के दौरान साढ़े सात किलोग्राम हेरोइन भी जब्त की गई है।

हेरोइन के 3 पैकेट रिकवर

बीएसएफ के जवानों ने अमृतसर में गिराए गए ड्रोन के साथ हेरोइन के 3 पैकेट्स को कब्जे में ले लिया है। तीनों पैकेट्स में 3.110 किलोग्राम हेरोइन की खेप बरामद कर ली गई है। वहीं, तरनतारन में गिराए गए ड्रोन से तकरीबन 11 किलोग्राम हेरोइन की खेप बरामद हुई है। जिसकी इंटरनेशनल मार्केट में वैल्यू तकरीबन 21 करोड़ रुपए आंकी जा रही है।

सम्मानित की जाएंगी महिला जवान

बीएसएफ के उच्चाधिकारियों का कहना है कि दोनों ही महिला जवान प्रीति और भाग्यश्री को सम्मानित किया जाएगा। यह पहला मामला है, जब महिला जवानों ने ड्रोन को गिराने में सफलता हासिल की है।

राजधानी को स्वच्छ और सुंदर बनाएंगे : केजरीवाल

एजेंसी

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी(आप) के राष्ट्रीय संयोजक एवं मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को कहा कि राजधानी की जनता निगम में उनकी पार्टी को मौका देगी तो अगले पांच साल में दिल्ली को साफ-सुथरी बना देंगे।

केजरीवाल ने आज चिराग दिल्ली में डोर-टू-डोर कैंपेन के दौरान कहा कि दो करोड़ दिल्लीवासियों के साथ मिलकर दिल्ली को साफ़-स्वच्छ और सुंदर बनाएंगे। दिल्ली की जनता इस बार 'आप'को निगम में एक मौका देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, मैं जब दिल्ली में जगह-जगह कूड़ा देखता हूं तो बहुत तकलीफ होती है। मुख्यमंत्री होकर भी मैं कुछ नहीं कर पाता हूं, क्योंकि यह काम निगम का है। ''आप''की सरकार बनने पर घर-घर से कूड़ा उठाएंगे। सड़कों, गलियों और नालियों की सफाई कराएंगे।

मुख्यमंत्री ने चिराग दिल्ली में डोर-टू-डोर कैंपेन के दौरान पत्रकारों से कहा कि वर्ष 2013 में उन्होंने पहला चुनाव लड़ा था, तब चिराग दिल्ली आये थे। उस समय यहां पर लोगों को पानी की बहुत दिक्कत थी। सरकार बनने के बाद यहां के लोगों को पानी उपलब्ध करा दिया गया है और लोग बहुत खुश हैं।

यहां पर एक मोहल्ला क्लीनिक खुला है। लोगों को मोहल्ला क्लीनिक में अच्छा इलाज और फ्री दवाइयां मिल रही हैं। यहां पर एक सरकारी स्कूल है। सरकारी स्कूल से लोग बहुत खुश हैं। लोगों के बिजली के बिल जीरो आ रहे हैं।

उन्होंने कहा, दिल्ली की जनता में 'आप' को लेकर बहुत उत्साह है और वह बहुत खुश हैं। दिल्ली की जनता पिछली बार से भी ज्यादा जोर-शोर से इस बार 'आप' को वोट देगी। निगम में 'आप' सीटें 230 से ज्यादा आनी चाहिए और भाजपा की 20 से भी कम सीटें आएंगी।

भ्रष्ट और बेशर्म हैं केजरीवाल सरकार: अनुराग

नयी दिल्ली। केन्द्रीय सूचना और प्रसारण तथा खेल एवं युवा कार्यक्रम मंत्री अनुराग ठाकुर ने आज कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने दिल्ली को लंदन बनाने का वादा किया था लेकिन वह जेल में ही %सब कुछ% बना रहे हैं।

ठाकुर ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) चुनावों में आज भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में वार्ड संख्या 202 प्रीत विहार,208 अनारकली, 207 विश्वास नगर, 242 दयालपुर एवं 230 भजनपुरा में मेगा रोड शो, सभाओं और जनसंपर्कों के माध्यम से प्रचार कर दिल्ली के विकास कार्यों को सुचारू रूप से चलाने के लिए पुन: भाजपा को जिताने की अपील की और दिल्ली की अरविन्द केजरीवाल सरकार पर तीखे प्रहार किये।

ठाकुर ने कहा कि दिल्ली समेत पूरे देश ने अरविंद केजरीवाल के रूप में एक ऐसा मुख्यमंत्री देखा है जो भ्रष्ट के साथ साथ बेशर्म भी है। श्री अरविंद केजरीवाल कहते थे कि वो दिल्ली को लंदन बनाएंगे और अब ऐसा लग रहा है कि वो सब कुछ जेल में ही बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि श्री केजरीवाल ने अपने सात साल के कार्यकाल में झूठ की राजनीति पर एक अविस्मरणीय अध्याय लिखा है। जैसे ही आप ने पंजाब में सरकार बनाई, उनके स्वास्थ्य मंत्री को भ्रष्टाचार के आरोप में इस्तीफा देना पड़ा है। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री जेल में हैं, मालिश का आनंद ले रहे हैं और मौज-मस्ती कर रहे हैं। मिनरल वाटर से लेकर मालिश तक, सभी पांच सितारा सुविधाएं जेल में उपलब्ध हैं। यह केजरीवाल के मॉडल में ही हो सकता है।

रैपिडो ड्राइवर ने दोस्त संग मिलकर महिला से गैंगरेप किया

रात में बाइक टैक्सी बुक की थी, नशे में थी तो ड्राइवर अपने घर ले गया

बेंगलुरु। बेंगलुरु में रैपिडो बाइक टैक्सी ड्राइवर ने दोस्त के साथ मिलकर केरल की महिला से गैंगरेप किया। पुलिस ने बताया कि महिला शराब के नशे में थी।

इसका फायदा उठाकर ड्राइवर महिला को अपने घर ले गया। महिला की शिकायत के आधार पर पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, इसमें एक महिला भी शामिल है।

महिला ने बताया कि मैं 25 नवंबर की रात अपने दोस्त से मिलने गई थी। यहां से मैंने दूसरे दोस्त के घर जाने के लिए रैपिडो बाइक टैक्सी बुक की। मैं शराब के नशे में थी।

ड्राइवर मुझे ड्रॉप लोकेशन पर ले गया, लेकिन मैं बाइक से उतरने की हालत में नहीं थी। इसका फायदा उठाकर ड्राइवर मुझे अपने घर ले गया, वहां एक महिला पहले से मौजूद थी। ड्राइवर ने फोन कर एक दोस्त को बुलाया और दोनों ने मेरे साथ गैंगरेप किया।

सुबह आंख खुली तो भागकर अस्पताल पहुंची महिला

महिला ने दावा किया जब सुबह मेरी आंख खुली तो मेरे शरीर में भयानक दर्द हो रहा था। मैं आरोपी के घर से भागकर अस्पताल पहुंची। इसके बाद डॉक्टरों ने पुलिस को मामले की जानकारी दी। पीड़िता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों लड़के बेंगलुरु के रहने वाली है, वहीं आरोपी महिला पश्चिम बंगाल की है।

आतंकी साजिश

जयपुर से पकड़े गैंगस्टर ने हद्दु को बताया, 100 ठिकानों पर रेड

आतंकी साजिश के लिए विदेशों से राजस्थान आया पैसा

जयपुर। राजस्थान में एक बार फिर नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी की टीमों ने पांच से ज्यादा जिलों में रेड की है। टेरर फंडिंग मामले में देर रात से सर्च की जा रही है। राजस्थान के साथ पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और मध्यप्रदेश में 100 से ज्यादा ठिकानों पर टीमों ने दबिश दी है। सूत्रों के अनुसार जयपुर से पकड़े गए पंजाब के गैंगस्टर से मिली सूचना पर एनआईए एक्शन में है।

जानकारी के अनुसार एनआईए की टीमें राजस्थान में 20 से ज्यादा जगहों पर सर्च कर रही हैं। यह छापेमारी गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई,

नीरज बवाना, टिल्लू ताजपुरिया से जेलों में हुई पूछताछ के बाद की जा रही है।

एनआईए से जुड़े सूत्रों के अनुसार कई बदमाश इन गैंगस्टर के लिए काम कर रहे हैं। जिस पर बदमाशों के संभावित ठिकानों पर एनआईए की टीम सर्च कर रही हैं।

राजस्थान में एनआईए की टीम हनुमानगढ़, सीकर, नागौर, चूरू, अजमेर, बाड़मेर और जैसलमेर के इलाकों में सर्च कर रही हैं। एजेंसी को जानकारी मिली है कि सभी गैंगस्टर के तार विदेश से भी जुड़े हैं।

भारत में लॉरेंस बिश्नोई और बवाना गैंग के नाम पर टेरर फंडिंग को इस छापेमारी की बड़ी वजह बताया जा रहा है। इससे पहले भी एनआईए की टीम ने करीब एक महीने पहले देशभर में रेड करते हुए 102 जगहों पर सर्च किया था।

हुड्डा से मिला एक बड़ा इनपुट

पंजाब पुलिस ने कुछ दिन पहले शूटर राज हुड्डा को जयपुर में पकड़ा था। उससे भी पंजाब पुलिस को कई लीड मिली हैं। जानकारी के अनुसार हुड्डा का पहले भी राजस्थान में मूवमेंट रहा है। उसके पीछे मादक पदार्थों की सप्लाई सामने आ रही है।

ऐप से करता था बात

राज हुड्डा ऐप की मदद से गोल्डी बराड़ से कई बार बात कर चुका है। गोल्डी के कहने पर वह कई राज्यों में मूवमेंट करता। लोकल बदमाशों को अपने साथ लेने पर काम किया करता था।

राज हुड्डा इतना शातिर बदमाश है कि वह गोल्डी बराड़ से बात करने के बाद ऐप को डिलीट कर देता है। फिर अगर उसे दोबारा बात करनी होती तो वह ऐप को दोबारा से डाउनलोड कर लेता था। राज हुड्डा पंजाब के फरीदकोट में डेरा प्रेमी प्रदीप की गोलियां मार कर उसकी हत्या करने के मामले में फरार चल रहा था। जिसे पंजाब पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स जयपुर से गिरफ्तार किया था।

गुजरात में भाजपा को बाहर करने का सही मौका : खड़गे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को गुजरात की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर कुशासन का आरोप लगाया और कहा कि सत्ताधारी दल को बाहर करने का यह सही मौका है। खड़गे ने अपने ट्वीट में कहा, अब बदलाव का समय आ गया है। भाजपा के 27 साल के %कुशासन% को जड़ से खत्म करें। अब गुजरात के पुनर्निर्माण का वक्त आ गया है।

नई दिल्ली
बुधवार 30 नवंबर 2022
Www.gauravshalibharat.com

गुजरात में पहले फेज के चुनाव के लिए प्रचार थमा

मोरबी, कच्छ सहित 89 सीटों पर 1 दिसंबर को वोटिंग, 788 उम्मीदवार मैदान में

एजेंसी

अहमदाबाद। गुजरात विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 1 दिसंबर को मतदान होगा। इसके लिए चुनाव प्रचार मंगलवार शाम 5 बजे थम गया है। पहले चरण में 89 सीटों पर मतदान होगा, इसके लिए 788 उम्मीदवार मैदान में हैं। इस दौरान मोरबी, कच्छ, राजकोट, पोरबंदर और जूनागढ़ जैसी सीटों पर वोटिंग होगी। 19 जिलों में होने वाली वोटिंग में 2 करोड़ से ज्यादा वोटर्स अपने मत का प्रयोग करेंगे।

6 सीटों पर लड़ रही है ओवैसी की पार्टी

पहले चरण में बीजेपी और कांग्रेस सभी 89 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। आम आदमी पार्टी ने 88 सीटों पर अपने उम्मीदवारों को उतारा है। बहुजन समाजवादी पार्टी ने भी 57 प्रत्याशियों टिकट दिया है। वहीं, असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने सिर्फ 6 कैंडिडेट मैदान में हैं।

20 दिन में बीजेपी ने 160 जनसभाएं और रैलियां कीं

चुनाव प्रचार के आखिरी दिन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तीन जिलों में चार जनसभाओं को संबोधित किया। बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा भावनगर ने रोड शो किया। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने मांडवी और गांधीधाम में प्रचार किया। इन क्षेत्रों में बीजेपी ने बीते 20 दिन में 160 से ज्यादा जनसभाएं, रैली और रोड शो किए हैं।

दो फेज में होगी वोटिंग

गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए दो फेज में एक और पांच दिसंबर को वोट डाले जाएंगे। 182 सीटों के लिए हो रहे इस चुनाव में 1 दिसंबर को 89 सीटों पर और 5 दिसंबर को 93 सीटों पर वोटिंग होगी।

नतीजे 8 दिसंबर को यानी हिमाचल विधानसभा चुनाव के साथ ही आएंगे। राज्य में इस बार 4.6 लाख लोग पहली बार वोट करेंगे। गुजरात विधानसभा का कार्यकाल 18 फरवरी 2023 को खत्म हो रहा है।

तिरुवनंतपुरम से दिल्ली नयी उड़ान सेवा दो दिसंबर से

तिरुवनंतपुरम। विस्तारा एयरलाइंस केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम से नयी दिल्ली के लिए एक नयी उड़ान सेवा दो दिसंबर से शुरू करेगी। एक विज्ञप्ति में मंगवार को यह जानकारी दी गयी। विज्ञप्ति के अनुसार, फ्लाइट नयी दिल्ली से शाम छह बजकर 10 मिनट पर उड़ान भरेगी और रात नौ बजकर 20 मिनट पर तिरुवनंतपुरम पहुंच जाएगी। वापसी में विमान तिरुवनंतपुरम से रात नौ बजकर 55 मिनट पर उड़ान भरेगा और दिल्ली देर रात 12 बजकर 55 मिनट पर पहुंच जाएगा।

शार्ट न्यूज

पुलिस ने वाई एस शर्मिला को किया गिरफ्तार

हैदराबाद। तेलंगाना में हैदराबाद पुलिस ने मंगलवार को वाईएसआर तेलंगाना पार्टी (वाईएसआरटीपी) की अध्यक्ष वाई एस शर्मिला को मुख्यमंत्री निवास एवं कार्यालय प्रगति भवन का घेराव करने के आरोप में गिरफ्तार किया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि वाईएसआर तेलंगाना पार्टी अध्यक्ष शर्मिला को सत्तारूढ़ तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) के समर्थकों और कार्यकर्ताओं के बीच झड़प के बाद चेन्नारावपेट गांव में उनकी पदयात्रा के दौरान गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि वाईएसआरटीपी कार्यकर्ताओं और टीआरएस कार्यकर्ताओं के बीच बहस हुई। बाद में कथित तौर पर टीआरएस कार्यकर्ताओं ने सुश्री शर्मिला के वाहन के साथ-साथ कुछ अन्य वाहनों को भी नुकसान पहुंचाया। सूत्रों के अनुसार सुश्री शर्मिला ने आज हैदराबाद में प्रगति भवन का घेराव करने का आह्वान किया। जिसके आरोप में पुलिस ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी की बहन सुश्री शर्मिला को कार से प्रगति भवन की ओर जाने के दौरान सोमाजीगुडा रोक लिया। पुलिस के बार-बार कहने पर वह अपनी कार से बाहर नहीं आयी। जिसके बाद, पुलिस ने उनकी कार को सुश्री शर्मिला समेत क्रेन के माध्यम से थाने पहुंचाया, जहां पुलिस ने डुप्लीकेट चाबियों से कार का दरवाजा खोलकर, उन्हें संबंधित धाराओं के तहत गिरफ्तार कर लिया।

नवनिर्वाचित सरपंचों, पंचों के शैक्षणिक प्रमाण पत्रों की जांच के लिए कमेटी गठित

सोनीपत। हरियाणा में हाल ही में हुये पंचायत चुनावों में निर्वाचित सरपंचों और पंचों के शैक्षणिक प्रमाण पत्रों की जांच की जाएगी। सोनीपत जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त ललित सिवाच ने बताया कि हरियाणा राज्य चुनाव आयोग के निर्देशानुसार पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों में निर्वाचित पंचों और सरपंचों के शैक्षणिक प्रमाण पत्रों की जांच के लिए जिला स्तर पर एक कमेटी गठित की गई है। इस कमेटी में नगराधीश प्रभारी होंगे। उन्होंने कहा कि सम्बंधित सभी खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी प्राप्त सभी शिकायतों में वर्णित पंचों और सरपंचों के नामांकन पत्र और पूर्ण रिकार्ड कमेटी के समक्ष प्रस्तुत करेंगे, जिसके बाद कमेटी पंचों और सरपंचों के शैक्षणिक प्रमाणपत्रों की जांच कर उसकी पूर्ण रिपोर्ट उपायुक्त कार्यालय में प्रस्तुत करेंगी।

स्पैन तार पर कार्यरत दो मजदूरों की मौत

शिमला। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले के बंजार के टीलापुल में स्पैन तार डाल रहे चार मजदूरों के गहरी खाई में गिरने से इनमें से दो की मौत हो गई तथा दो अन्य घायल हो गये। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान स्थानीय निवासी छापे राम और जीतराम के रूप में की गई है। घटना उस समय हुई जब पर्वतीय क्षेत्र में ऊंचाई से सड़क तक सामान पहुंचाने के लिए यह स्पैन डाला जा रहा था। यह स्पैन झूले की तरह होता है जो तार के सहारे ऊपर से नीचे पहुंचता है। तार डालते हुये एक मजदूर का पांच फिसलने से तीन अन्य भी उसकी चपेट में आ गये। यह सभी गहरी खाई में जा गिरे। इनमें से दो की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक गम्भीर रूप से घायल हुआ है और एक अन्य को हल्की चोटें आई हैं। गम्भीर रूप से घायल लोत राम को बंजार अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है तथा इसके कारणों की जांच की जा रही है।

दुष्कर्म कें आरोपी को 20 साल की सजा

अजमेर। राजस्थान में अजमेर के पोक्सो मामलों के विशेष न्यायालय ने आज केकड़ी थाने से जुड़े दुष्कर्म के प्रकरण में आरोपी को बीस साल का कठोर कारावास की सजा सुनाई। लोक अभियोजक रुपेंद्र परिहार ने बताया कि न्यायाधीश पन्नालाल जाट ने अपने अहम फैसले में दुष्कर्म के आरोपी केकड़ी निवासी रमेशचंद को बीस साल का कठोर कारावास तथा 26 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। उन्होंने बताया कि पीड़िता के परिजनों ने 25 सितंबर 2021 को केकड़ी थाने में अपनी बच्ची के अपहरण का प्रकरण दर्ज कराया था जिसके बाद मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी रमेशचंद को पीड़िता नाबालिग के साथ होटल से गिरफ्तार किया जहां उसने उसके साथ दुराचार किया। दुष्कर्म की पुष्टि हो जाने के बाद आज न्यायाधीश ने अपने फैसले में आरोपी रमेशचंद को उक्त सजा सुनाई।

कार के पीछे से टक्कर मारने से दो लोगों की मौत, तीन घायल

कोटा। राजस्थान में कोटा ग्रामीण क्षेत्र के देवली माझी थाना इलाके में एक कार के पीछे से आ रहे लोडिंग वाहन के टक्कर मार दिए जाने से कार में सवार दो व्यक्तियों की मौत हो गई जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि कल रात कोटा के बोरखेड़ा निवासी राधेश्याम (47) और महावीर नगर निवासी पुनीत सक्सेना (52) अपने कुछ मित्रों-रिश्तेदारों के साथ दो कारों से सांगोद में किसी विवाह समारोह में शामिल होने के लिए गए थे। रात्रि करीब 12 बजे सांगोद से वापस लौटते समय उनकी कार को देवली माझी थाना क्षेत्र में पीछे से आ रहे किसी अज्ञात लोडिंग वाहन ने जबरदस्त टक्कर मार दी। हादसे में कार में सवार पुनीत सक्सेना और राधेश्याम की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि तीन अन्य घायल हो गए जिन्हें उनके साथियों ने कोटा लाकर एमबीएस अस्पताल में भर्ती करवाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बालक से दुष्कर्म के आरोपी को आजीवन कारावास

कोटा। राजस्थान में कोटा के पॉक्सो न्यायालय क्रम-4 ने आज जिले के मोडक थाना क्षेत्र में एक तीन वर्षीय बालक के साथ दुष्कर्म करने के आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। न्यायालय में प्रस्तुत आरोप पत्र के अनुसार मोडक थाना क्षेत्र में रहने वाले एक व्यक्ति ने थाने में शिकायत दर्ज करवाई थी कि गत दो फ़रवरी को रिश्ते में उसका भाई लगने वाला झालावाड़ जिले के गंगधार थाना क्षेत्र का निवासी जगदीश उर्फ़ भूरिया (30) उसके तीन वर्षीय बालक को बहला-फ़ुसलाकर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। इस मामले में पुलिस ने आरोपी जगदीश को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ जांच के बाद इस मामले की जांच के बाद उसके खिलाफ पोक्सो कोर्ट क्रम-4 में आरोप पत्र दाखिल किया था जिसकी सुनवाई के बाद न्यायाधीश मोहम्मद आरिफ़ ने आरोपी जगदीश को दोषी मानते हुए आज उसे आजीवन कारावास की सजा से दंडित किया।

शिवराज ने शहीद स्थल पहुंचकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की

सीहोर। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सीहोर नगर के गौरव दिवस के अवसर पर आज शाम सीहोर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने सर्वप्रथम सैकड़ाखेड़ी स्थित शहीद स्थल पहुंचकर स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। चौहान ने कहा कि 14 जनवरी 1858 को सीहोर में स्वतंत्रता के प्रथम संग्राम में 356 क्रांतिकारियों ने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया था। उन्होंने कहा कि इस स्थान पर भव्य स्मारक बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सीहोर का यह स्थल हम सबके लिए पवित्र स्थान है। यह स्थान हमें उन वीरों की वीर गाथा याद दिलाता है, जिन्होंने हमारे देश की आजादी के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने में जरा भी संकोच नही किया। हम सभी का सौभाग्य है कि हमने उस धरती में जन्म लिया, जहां असंख्य क्रांतिकारियों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने गुलामी की जंजीरों को तोड़ने के लिए अपने प्राणो की आहुति दी। अंग्रेजी शासन के खिलाफ मध्य भारत में चल रहे विद्रोह में सीहोर की बरबर्तापूर्ण घटना को जलियांवालाबाग हत्याकांड की तरह देखा जाता है। दस मई 1857 को मेरठ की क्रांति से पहले ही सीहोर में क्रांति की ज्वाला सुलग गई थी। मेवाड़, उत्तर भारत से होती हुई क्रांतिकारी चपातियां 13 जून 1857 को सीहोर और ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंच गयी थी। चौदह जनवरी 1858 को अंग्रेजों से बगावत करने वाले 356 क्रांतिकारियों को जनरल ह्यूरोज के आदेश पर सीवन नदी के किनारे सैकड़ाखेड़ी स्थित चांदमारी मैदान में गोलियों से भून दिया गया था। उन वीर क्रांतियों के स्मृति में सैकड़ाखेड़ी रोड के पास चांदमारी मैदान पर शहीद स्मारक बनाया गया है।

उत्तर बेंगलुरु में बनेगा नया 'सिटी सेंटर'

एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के उत्तरी इलाके में जून 2025 तक नया 'सिटी सेंटर' बनकर तैयार होगा। इसके लिए यशवंतपुर रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास शुरू हो गया है। उत्तर बेंगलुरु में यशवंतपुर रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास ट्रैक पर है और दक्षिण पश्चिम रेलवे (एसडब्ल्यूआर) ने घोषणा की है कि काम शुरू हो गया है। एसडब्ल्यूआर ने कहा कि पुनर्विकसित स्टेशन 'सिटी सेंटर' के रूप में कार्य करेगा और कई नई सुविधाओं का भी निर्माण होगा।

प्रधानमंत्री ने इसी साल 20 जून को यशवंतपुर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की आधारशिला रखी थी। तय प्रक्रिया के बाद टेंडर निकाला गया। इस परियोजना की लागत 380 करोड़ रुपए है।

साइट कार्यालय स्थापित किया गया है, और काम का पहला चरण शुरू हो गया है। अनुबंध ईपीसी मोड में किया गया है, यानी इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण अनुबंध, जिसे 'टर्नकी' अनुबंध के रूप में भी जाना जाता है, जिसमें एक एजेंसी को परियोजना को डिजाइन, खरीद, निर्माण और सौंपने की जिम्मेदारी होगी।

भीड़भाड़ से बचने के लिए यात्रियों के लिए अलग-अलग आगमन/प्रस्थान द्वारों के साथ 216 मीटर चौड़ा एयर कॉन्कोर्स होगा। प्लेटफॉर्म के ऊपर प्रस्तावित रूफ प्लाजा में रिटेल स्पेस, फूड कोर्ट और मनोरंजन केंद्र शामिल होंगे। यात्रियों के लिए रास्ता खोजने को आसान बनाने के लिए स्पष्ट रूप से परिभाषित एलईडी आधारित साइनेज प्रदान किए जाएंगे।

मेट्रो-स्टेशन साइड (वेस्ट साइड) की ओर एक नया चार मंजिला भवन बनेगा, जिसमें रेलवे स्टेशन भी शामिल होगा। प्लेटफार्म एक साइड पर मल्टी लेवल कार पार्किंग होगी।

धोखाधड़ी के मामले में पूर्व बैंक प्रबंधक सहित चार को सात साल की कठोर कारावास

हैदराबाद। हैदराबाद में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की विशेष अदालत ने बैंक ऑफ महाराष्ट्र को 60 लाख रुपये का नुकसान पहुंचाने के मामले में पूर्व बैंक प्रबंधक और तीन अन्य को सात साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है।

अतिरिक्त विशेष न्यायाधीश ने इस मामले में पूर्व बैंक प्रबंधक, तीन अन्य और बंगलुरु की एक कंपनी पर भी जुर्माना लगाया।

सीबीआई ने मंगलवार को यहां बयान जारी कर बताया कि बैंक ऑफ महाराष्ट्र, खैरताबाद शाखा, हैदराबाद के तत्कालीन शाखा प्रबंधक सी. नारायणस्वामी, डिवाइन गैलेक्सी, हैदराबाद के मैनेजिंग पार्टनर के. श्रीधर, डिवाइन गैलेक्सी हैदराबाद के मैनेजिंग पार्टनर आनंद राव और सूफी इंपेक्स इंक. चेन्नई के मालिक नंद गोपाल को दोषी ठहराया गया और सजा सुनाई गई। इसके साथ ही पूर्व शाखा प्रबंधक पर एक लाख रुपये और अन्य तीन पर 75,000- 75,000 रुपये का जुर्माना लगाया, जबकि बैंक को नुकसान पहुंचाने के लिए बेंगलुरु स्थित अमर डेटा सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड पर 1.50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया।

सीबीआई ने इस संबंध में 18 मार्च, 2002 को तत्कालीन शाखा प्रबंधक और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया था। आरोपी ने निजी व्यक्तियों के साथ साजिश रची और 60 लाख रुपये के ऋण स्वीकृत किए, लेकिन स्वीकृत राशि में 44,51,304 रुपये का वितरण किया गया था, जिसकी वसूली नहीं की गई, क्योंकि कंपनी दिए गए पते पर काम नहीं कर रही थी।

विस सत्र के पहले दिन पेश हुआ 5440.43 करोड़ का पहला अनुपूरक बजट

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा (विस) के देहरादून में मंगलवार को शुरू हुए शीतकालीन सत्र के पहले दिन भोजनावकाश के बाद वित्त मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने चालू वित्तीय वर्ष का 5440.43 करोड़ रुपए का प्रथम अनुपूरक बजट पेश किया।

अग्रवाल नेता सदन, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ बजट की प्रतियों के साथ सदन में पहुंचे। उन्होंने उत्तराखंड

राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबन्धन अधिनियम, 2005 की धारा-6 (5) के अधीन प्रावधानों का हवाला देते हुए इस प्रथम अनुपूरक बजट को प्रस्तुत करने के कारण बताए।

उन्होंने अपने बजट भाषण में कहा,जब कभी एक या अधिक अनुपूरक प्राक्कलन विधान सभा के समक्ष प्रस्तुत किए जाएंगे। राज्य सरकार चालू वर्ष के बजट लक्ष्यों और भावी वर्ष के लिए मध्यकालिक राजकोषीय पुन:संरचना नीति के उद्देश्यों और लक्ष्यों के सम्बन्ध में अनुपूरक प्राक्कलन के राजकोषीय प्रभाव को पूर्णत: समाप्त करने के लिए व्यय की तत्समय कमी और / या राजस्व के संवर्द्धन को सूचित करने वाला विवरण भी संलग्न करेगी।

अग्रवाल ने सदन को बताया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 के बजट अनुमानों में रु0 2460.96 करोड़ का राजस्व अधिशेष तथा रु0 8503.70 करोड़ का राजकोषीय घाटा था।

उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 के प्रथम अनुपूरक अनुदानों का आकार लगभग रू0 5440.43 करोड़ है, जिसमें लगभग रू0 2276.43 करोड़ के व्यय का अनुमान राजस्व पक्ष में तथा लगभग रु0 3164.00 करोड़ के अनुमान पूँजीगत पक्ष में है।

त्रिपुरा ग्रामीण बैंक ने 101 व्यावसायिक पत्राचार केंद्र को किया लॉन्च

अगरतला। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने ग्रामीण आबादी तक बैंकिंग सुविधाओं का विस्तार करने के लिए मंगलवार को त्रिपुरा ग्रामीण बैंक (टीजीबी) के 101 व्यावसायिक पत्राचार (बीसी) केंद्रों को लॉन्च किया।

डॉ. साहा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वित्तीय लेनदेन को डिजीटलीकरण करके, अर्थव्यवस्था में पारदर्शिता ला दी है। उन्होंने लोगों को बैंकिंग नेटवर्क के तहत आने को प्राथमिकता दी है।

डॉ. साहा ने कहा कि बैंकों ने गांवों में भी अपनी शाखाओं का विस्तार किया है और सरकार की वित्तीय समावेशन नीति के तहत शहरी क्षेत्रों और कस्बों में स्थानीय और राष्ट्रीयकृत बैंकों की शाखाओं की संख्या में भी वृद्धि हुई है।

फुलवारीशरीफ कांड : नूरुद्दीन जंगी 05 दिसंबर तक पुलिस रिमांड पर

पटना। धार्मिक वैमनस्यता एवं अशांति फैलाने का प्रयास तथा देशद्रोह के आरोपों में जेल में बंद अभियुक्त नूरुद्दीन जंगी को आज बिहार में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की पटना की एक विशेष अदालत ने 05 दिसंबर 2022 तक हिरासती पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड पर एनआईए को सौंपने का आदेश दिया।

विशेष न्यायाधीश गुरविंदर सिंह मल्होत्रा की अदालत में एनआईए ने एक आवेदन दाखिल कर अभियुक्त नूरुद्दीन जंगी से हिरासती पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड पर दिए जाने का अनुरोध किया था। सुनवाई के बाद अदालत ने एनआईए की प्रार्थना स्वीकार करते हुए अभियुक्त नूरुद्दीन जंगी को हिरासती पूछताछ के लिए 05 दिसंबर 2022 तक के लिए एनआईए को सौंपे जाने का आदेश पटना के आदर्श केंद्रीय कारागार बेउर के अधीक्षक को दिया है।

प्राथमिक शिक्षकों के धरने को लेकर विस में हंगामा

भुवनेश्वर। ओडिशा में प्राथमिक शिक्षकों के धरने को लेकर विपक्षी कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्यों ने लगातार तीसरे दिन सदन की कार्यवाही बाधित किया, जिसके कारण विधानसभा की कार्यवाही को आज चार बार स्थगित करनी पड़ी। सदन की कार्यवाही चार बजे तक स्थगित रही।

विस में प्रश्नकाल शुरू करने के लिए सुबह 10.30 बजे जब सदन की कार्यवाही शुरू हुयी, तो आक्रोशित विपक्ष सदस्य सदन बीचोंबीच आ गए

और शिक्षकों के आंदोलन के समर्थन में नारेबाजी करने लगे।

हंगामे के बीच विस अध्यक्ष बी. के. अरुख ने पहले सदन की कार्यवाही 10.33 बजे से 11.30 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। फिर पूर्वाह्न 11.30 बजे सदन फिर से शुरू हुआ, लेकिन विपक्षी सदस्यों के विरोध के कारण 11.33 बजे फिर से 11.45 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

इसके बाद विस अध्यक्ष ने मामले को सुलझाने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई और सदन की कार्यवाही 10 मिनट के लिए पूर्वाह्न 11.55 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

उल्लेखनीय है कि शिक्षकों के प्रदर्शन के मुद्दे पर सदन दो बार स्थगित होने के बाद सोमवार को विधानसभा अध्यक्ष ने इस मुद्दे पर एक सर्वदलीय बैठक भी बुलाई थी। इस दौरान अरुख ने सरकार को शिक्षकों की मांगों पर ध्यान देने का निर्देश दिया, जिसके बाद कल सदन की स्थिति सामान्य हो गई।

विधानसभा अध्यक्ष अरुख को सदन के कामकाज को सुचारू रूप से चलाने के लिए कोई और रास्ता न सूझने पर उन्होंने पहले सदन की कार्यवाही 11.30 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। बाद में दिन में कोई आधिकारिक कामकाज किए बिना सदन की कार्यवाही तीन बार चार बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

त्रिपुरा के सुपारी उत्पादकों ने जम्पुई पहाड़ी पर लगाया जाम

अगरतला। सुपारी उत्पादकों द्वारा त्रिपुरा-मिजोरम सीमा से सटे जम्पुई हिल क्षेत्र में अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करने के बाद सोमवार से पूर्वी पहाड़ी में बड़ी संख्या में पर्यटकों के फंसने से सामान्य जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ।

सुपारी उत्पादक असम सरकार की ओर से त्रिपुरा से सुपारी की खेप भेजने पर रोक लगाये जाने की खिलाफ यह आंदोलन कर रहे हैं।

असम सरकार द्वारा सुपारी के पारगमन पर लगाए गए प्रतिबंध के बाद से इस फसल का बाजार बंद कर दिया गया, जिससे उत्तरी त्रिपुरा में लगभग सात हजार परिवारों के सुपारी उत्पादकों की आजीविका छिन्न-भिन्न हो गई है। ऑल त्रिपुरा एरेका नट ग्रोअर्स यूनियन (एटीएजीयू) का आरोप है कि इसके बावजूद %मूल स्थान प्रमाण पत्र% प्रामाणिकता को मान्य करता है।

एटीएजीयू के सचिव रूबेन रंगलोंग ने मंगलवार को त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ माणिक साहा को एक पत्र लिखकर इस मामले को असम के अपने समकक्ष के साथ उठाने और इस मुद्दे के जटिल होने से पहले इसे हल करने के लिए हस्तक्षेप करने की मांग की। सुपारी उत्पादकों ने त्रिपुरा को असम के माध्यम से देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग को भी अवरुद्ध करने की धमकी दी है।

उन्होंने मुख्यमंत्री से असम के माध्यम से सुपारी की फसलों के पारगमन के लिए तत्काल और प्रभावी कदम उठाने की मांग की, क्योंकि पारगमन प्रतिबंध के कारण भारी मात्रा में काटी गई सुपारी को उत्तरी त्रिपुरा के विभिन्न स्थानों में डंप कर दिया गया है।

रूबेन ने आशंका जताई कि जब तक विवाद का समाधान नहीं होता है, तब तक बड़ी संख्या में सुपारी उत्पादक अपनी आजीविका खो देंगे।

आप की छात्र इकाई ने बॉन्ड पॉलिसी के विरोध में किया प्रदर्शन

रोहतक। आम आदमी पार्टी की छात्र इकाई छात्र युवा संघर्ष समिति ने एमबीबीएस विद्यार्थियों पर थोपी गयी बॉन्ड पॉलिसी के विरोध में आज विभिन्न कॉलेजों में प्रदर्शन किया। उन्होंने एमबीबीएस विद्यार्थियों को समर्थन दिया और भाजपा सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ नारेबाजी की। समिति के प्रदेशाध्यक्ष दीपक धनखड़ ने कहा कि सरकार विद्यार्थियों के सब्र का इम्तिहान न ले और 28 दिन से धरने पर बैठे एमबीबीएस विद्यार्थियों की सुनते हुए 40 लाख की बॉन्ड पॉलिसी वापस ले। उन्होंने आरोप लगाया कि गतिरोध को खत्म करने के बजाय सरकार लगातार इसे बढ़ाने में लगी है और विद्यार्थियों की जायज मांग मानने के बजाय उन्हें हॉस्टल से निकालने और उनके खिलाफ एफआईआर की धमकी दी जा रही है।

2023 तक झारखंड राज्य के 200 गांवों को सोलराइज करने का लक्ष्य तय

रांची। झारखण्ड राज्य सौर नीति 2022 के तहत 1000 गांवों को सोलराइज करने के लक्ष्य तय किया गया है। इसके लिए प्रथम चरण में 2023 तक झारखण्ड के 200 गांवों को सोलराइज करने को दिशा में सरकार ने कदम आगे बढ़ा दिया है। ताकि गांवों को सोलराइज़ करके ग्रामीण अर्थव्यवस्था के आर्थिक विकास को बढ़ावा, बिजली आपूर्ति की विश्वसनीयता और गुणवत्ता में सुधार, ग्रामीण आय को बढ़ाना, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती देने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सौर को एकीकृत करके रोजगार का अवसर प्रदान किया जा सके। इस कड़ी में गिरिडीह को सोलर सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां घरेलू उपभोक्ता के लिए कुल 17 मेगावाट एवं वाणिज्यिक सेक्टर के लिए 5 मेगावाट का रूफटॉप पॉवर प्लांट, एक मेगावाट सोलर स्ट्रीट लाइट एवं ग्राउंड माउंटेड सोलर पॉवर प्लांट 18 मेगावाट का लक्ष्य रखा गया है । प्रथम चरण में घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 5 मेगावाट रूफटॉप लगाने की कार्यवाही चल रही है। सौर नीति के तहत सरकार ग्रामीण क्षेत्रों और ग्रामीणों को सशक्त करना चाहती है। इसके लिए सभी अड़चनों को करने का कार्य किया जाएगा। जिससे स्वास्थ्य केंद्रों, स्कूलों, पुलिस स्टेशनों जैसी संस्थागत केंद्रों को सौर ऊर्जा से बिजली उपलब्ध कराई जा सके।

कानून बनने के चार वर्षों बाद भी अनुसूचित जाति आयोग का गठन लंबित

एजेंसी

चंडीगढ़। मनोहर लाल खट्टर के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने विधानसभा से सितंबर 2018 में हरियाणा राज्य अनुसूचित जाति आयोग विधेयक पारित करवाने के चार साल बीत जाने पर भी आयोग का गठन अब तक नहीं किया गया है।

सूचना अधिकार कार्यकर्ता एवं वकील हेमंत कुमार ने बताया कि विधेयक को तत्कालीन राज्यपाल सत्यदेव नारायण आर्य ने पांच नवंबर 2018 को स्वीकृति प्रदान की थी। उसके बाद ठीक चार वर्ष पूर्व 30 नवंबर को उक्त पारित विधेयक को औपचारिक अधिनियम (कानून) के तौर पर हरियाणा सरकार के गजट में प्रकाशित कर अधिसूचित कर दिया गया था। उन्होंने बताया कि उक्त हरियाणा अनुसूचित जाति आयोग अधिनियम, 2018 की धारा 1 (2) के अनुसार कानून उस तिथि से लागू होगा जो राज्य सरकार सरकारी गजट में नोटिफिकेशन जारी कर निर्धारित करेगी। इस सम्बन्ध में 15 फरवरी 2019 को हरियाणा सरकार के अनुसूचित जातियां एवं पिछड़े वर्ग कल्याण विभाग के तत्कालीन अतिरिक्त मुख्य सचिव, धनपत सिंह (वर्तमान में राज्य निर्वाचन आयुक्त) की तरफ से एक गजट नोटिफिकेशन जारी कर उसी तिथि से उक्त कानून लागू कर दिया गया, परन्तु आज तक आयोग का गठन नहीं किया गया है।

प्रदेश की सुख-शांति व समृद्धि इस सरकार ने छीन ली : बृजमोहन अग्रवाल

इस सरकार के षड्यंत्र में ना ही फसने और ना ही डरने की जरूरत : बृजमोहन अग्रवाल

भानुप्रतापपुर। छत्तीसगढ़ में भानुप्रतापपुर उपचुनाव को लेकर राजनीतिक घमासान तेज है। भाजपा और कांग्रेस उप चुनाव से पहले एक दूसरे पर लगातार हमलावर होती जा रही हैं। इसी बीच झारखंड पुलिस भारतीय जनता पार्टी के भानुप्रतापपुर उपचुनाव के प्रत्याशी ब्रह्मानंद के गिरफ्तार करने की खबर आई। झारखंड पुलिस ने बीजेपी प्रत्याशी को गिरफ्तार करने के लिए कांकेर पुलिस को संपर्क किया है। इसी के चलते राज्य की सियासी सरगर्मियां गर्म हो गई। जिसपर उपचुनाव प्रभारी बृजमोहन अग्रवाल ने बयान देते हुए कहा कि ये कांग्रेस सरकार का षड्यंत्र है। साथ ही यह भी कहा कि, इससे भारतीय जनता पार्टी डरने वाली नहीं

है। इससे न ही हमारा प्रचार-प्रसार रुकेगा और न ही हमारा जनसंपर्क। हम और हमारा प्रत्याशी लगातार अपनी जीत के हुंकार भरेगा और चुनाव लड़ेगा। झारखंड पुलिस और छत्तीसगढ़ सरकार में हिम्मत है, तो वें ब्रम्हानंद को गिरफ्तार करके दिखाए; हम जेल से भी चुनाव जीत कर दिखाएंगे। बृजमोहन अग्रवाल ने ये बात सिर्फ अपने बयानों तक सीमित नही रखी, वह शाम को कार्यकर्ताओं के साथ प्रचार-प्रसार करते हुए कई बैठकें ली। इस दौरान उन्होंने भानुप्रतापपुर विधानसभा कार्यालय में पिछड़ा समाज के लोगों की बैठक ली। इस बैठक के दौरान सभी कार्यकर्ताओं को इस भ्रष्ट सरकार की विफल नीतियों से अवगत कराया। साथ ही भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए समस्त चुनावी तैयारियों का जायजा लिया। इसके बाद पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल संबलपुर में जनता व कार्यकर्ताओं के साथ गणेश मंदिर का दर्शन करने पहुँचे। इसके बाद देर रात तक उन्होंने यहाँ भी कार्यकर्ताओं की बैठक ली। इस दौरान अग्रवाल जी ने कार्यकर्ताओं से चर्चा करते हुए कहा कि गरीबों की मूलभूत सुविधाएं छीनने वाली, कानून व्यवस्था को बदहाल कर देने वाली, प्रदेश की सुख-शांति समृद्धि छीन लेने वाली सरकार को लड़ने के लिए ऐसे षड्यंत्र तो रचने ही पड़ेंगे। इसीलिए इस सरकार के षड्यंत्र में फसने की जरूरत नहीं है और ना ही इनके बहकावे में आने की जरूरत है। बस अपनी तैयारियां पूरी जोर-शोर से करनी है। सभी का एक लक्ष्य - भाजपा को जिताना है।

'आप' की जीत के बाद निगम में जनता चलाएगी सरकार : केजरीवाल

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि उनकी पार्टी के चुनाव जीतने के बाद यहाँ की जनता निगम में सरकार चलाएगी। केजरीवाल ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आम आदमी पार्टी दिल्ली नगर निगम चुनाव में ऐतिहासिक जीत की ओर बढ़ रही है।

नई दिल्ली
बुधवार 30 नवंबर 2022
Www.gauravshalibharat.com

शार्ट न्यूज

एम्स में सातवें दिन भी मैन्युअली हुआ कामकाज

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े मेडिकल इंस्टीट्यूट एम्स में लगातार 7वें दिन डिजिटल सेवाएं ठप रहीं। मरीजों का ओपीडी कार्ड हाथ से बनाया जा रहा है। एडमिशन प्रोसेस भी हाथ से लिखकर किए जा रहे हैं। यहां तक कि सैंपल जांच भी मैन्युअली ही हो रही है। इलाज पर इसका बहुत ज्यादा असर तो नहीं हो रहा है, लेकिन काम में समय ज्यादा लग रहा है। एम्स के अंदर इंटरनल काम, एक विभाग से दूसरे विभागों में सूचना के आदान प्रदान डिजिटल तरीके से नहीं हो पा रहे हैं। एग्जाम पोर्टल आदि भी ठप है। सूचनाएं हार्ड कॉपी के जरिए ही एक से दूसरे तक पहंचाई जा रहीं हैं। एम्स सूत्रों का कहना है कि डिजिटल तरीके से काम शुरू होने में अभी और 2 से 3 दिन का समय लग सकता है। नोटिस के अनुसार, इस हफ्ते में एम्स नेटवर्क को फॉर्मेट किया जाएगा। ताकि आगे के लिए सिस्टम को और भी सुरक्षित किया जा सके। सूत्रों की माने तो अभी तक सिर्फ 50 में से 20 सर्वर ही क्लीन हुए हैं। अभी 30 सर्वर बाकी है। इसके अलावा एम्स में लगभग 5 हजार कंप्यूटर है, इसमें मात्र 1200 फॉर्मेट हुए हैं। ऐसे में ऑनलाइन प्रक्रिया को शुरू होने में थोड़ा और वक्त लग सकता है। सर्वर ठप होने से मरीजों को पर्ची बनवाने और रिपोर्ट लेने में काफी दिक्कत हो रही है। टेस्ट की रिपोर्ट के लिए मरीजों को काफी लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। पुरानी रिपोर्ट भी ऑनलाइन नहीं मिल पा रही है।

शिमला और धर्मशाला से भी ठंडी रही दिल्ली, 7.3 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़का पारा

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में अब अच्छी ठंड पड़ने लगी है। न्यूनतम तापमान जहां 8 के भी नीचे पहुंच गया है वहीं इसके आगे और कम होने की संभावना है। दिसंबर महीना शुरू होने में अब सिर्फ दो दिन बाकी हैं। कहा गया है कि अगले 10 दिन में पारा और गिरने वाला है। मौसम विभाग की मानें तो दिल्ली में गिरते तापमान और धुंध के चलते कोहरा भी बढ़ सकता है। आज दिल्ली में सीजन का सबसे ठंडा दिन रिकॉर्ड किया गया। पारा 7.3 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया। ताज्जुब की बात यह रही कि दिल्ली शिमला और धर्मशाला से भी ठंडी रही। वहीं सोमवार को राजधानी नें सीजन का सबसे ठंडा दिन एक बार फिर रिकॉर्ड किया गया था। इस दौरान न्यूनतम तापमान 7.8 डिग्री सेल्सियस था। राजधानी दिल्ली में सोमवार को सीजन का सबसे ठंडा दिन रिकॉर्ड किया गया। इस दौरान न्यूनतम तापमान 7.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग की मानें तो दिसंबर के दूसरे हफ्ते में तापमान और गिरना शुरू होगा जिसके चलते ठंड और बढ़ जाएगी। आज यानी 29 नवंबर को न्यूनतम तापमान 8 डिग्री के आस-पास तो वहीं अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। स्काईमेट के वाइस-चेयरमैन महेश पलावत ने बताया कि अगले 7 दिनों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में 0.5 से 1 डिग्री की गिरावट देखी जा सकती है। उन्होंने बताया कि इस समय जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड के ऊपरी इलाकों में बर्फ पड़ रही है। यह आम तौर पर नवंबर के पहले हफ्ते में होती थी। महेश पलावत ने यह भी बताया कि दिसंबर के दूसरे हफ्ते में वेस्टर्न डिस्टरबेंस के चलते पहाड़ी इलाकों में भारी बर्फबारी पड़ेगी। इसके चलते उत्तरी इलाकों में तापमान में कमी देखी जा सकती है।

भारत की संस्कृति संकीर्णता की नहीं बल्कि विशालता की : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

भारत विविधताओं से युक्त राष्ट्र है तथा विविधताओं में एकता ही भारत की संस्कृति की स्वर्णिम गरिमा का आधार है

संवाददाता/गौरवशाली भारत

ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी के पावन सान्निध्य में सभी विभिष्ट अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर सम्वेट ऑडिटोरियम, जनपथ, आईजीएनसीए, दिल्ली में आयोजित 'ग्लोबल माइनॉरिटी रिपोर्ट', का शुभारम्भ किया।

इस अवसर पर पूर्व उपराष्ट्रपति माननीय वैंकेया नायडू ने अनुच्छेद 29 अपनी विशेष भाषा, लिपि या संस्कृति को बनाए रखने के अधिकारों के साथ अनुच्छेद-29 के तहत प्रदान किये गए अधिकार अल्पसंख्यक तथा बहुसंख्यक दोनों को प्राप्त अधिकार तथा अनुच्छेद 30 धर्म या भाषा पर आधारित सभी अल्पसंख्यक वर्गों को अपनी रुचि की शिक्षा संस्थानों की स्थापना करने और उनके प्रशासन का अधिकार होगा आदि अनेक विषयों पर चर्चा की। स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने मानवाधिकारों पर चर्चा करते हुये कहा कि किसी भी व्यक्ति को जन्म के साथ मिलने वाले अधिकार। जैसे जीवन, स्वतंत्रता, समानता और प्रतिष्ठा का अधिकार शामिल है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में ग्लोबल वार्मिंग और क्लाइमेंट चेंज के कारण शुद्ध वायु और स्वच्छ जल का अधिकार हमारी पहुंच से दूर होता जा रहा है।

स्वामी जी ने कहा कि भारत विविधताओं से युक्त राष्ट्र है तथा विविधताओं में एकता ही भारत की संस्कृति की स्वर्णिम गरिमा का आधार है। भारत में सांस्कृतिक विविधता-सांस्कृतिक विषमता होने के बाद भी हमारे आयोजनों में विभिन्न संस्कृतियों का स्वर्णिम संयोजन स्पष्ट दिखायी देता है। विभिन्न संस्कृतियों और समुदायों के व्यक्तियों के मध्य सद्भाव दिखायी पड़ता है। भारत की संस्कृति संकीर्णता नहीं बल्कि विशालता है। जैसे हिमालय विशाल है उसी तरह हमारी संस्कृति भी विशालतम है।

स्वामी जी ने कहा कि धर्म और संप्रदाय के नाम पर व्यक्तिगत हितों के लिये नहीं बल्कि संपूर्ण समाज तथा राष्ट्र के व्यापक हितों के उत्थान और संरक्षण के लिये मिलकर कार्य करना होगा। हमें सद्भाव, समरसता, सहिष्णुता और सामाजिकता को बढ़ाने वाले संदेश प्रसारित करना होगें। उन्होंने कहा कि भारत में व्याप्त सांप्रदायिकता की जड़ों में धार्मिक और सांस्कृतिक विविधता नहीं बल्कि भगवान बुद्ध, पैगम्बर साहब और महात्मा गांधी जी की शान्ति और अहिंसा की अवधारणा समाहित है।

स्वामी जी ने कहा कि धर्म हमारे जीवन का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा है परन्तु हिंसा हमारी संस्कृति का अंग नहीं है। देश भर में प्रचलित विभिन्न संस्कृतियों और परंपराओं के प्रति सहिष्णु धार्मिक नीति का पालन किया जाना चाहिये क्योंकि नफरत से किसी को नफा नहीं होता,,,,,,,

स्वामी जी ने कहा कि भारत दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में से एक है और उसकी विशालता को बनाये रखना हम सभी का परम कर्तव्य है। अंधानुकरण और जोर जबरदस्ती से धर्मपरिवर्तन, बिना सोचे-समझे सांप्रदायिकता के नाम पर हिंसा भारत की गरिमा और गौरवमयी इतिहास पर एक दाग के समान है इसलिये हम सभी को शांति, अहिंसा, करुणा, धर्मनिरपेक्षता और मानवतावाद के मूल्यों के साथ जीवन जीना सिखाना होगा।

स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने सभी विशिष्ट अतिथियों रूद्राक्ष का पौधा भेंट किया।

संदीप भारद्वाज की सुसाइड को लेकर नेशनल अकाली दल ने सीबीआई जांच को लेकर उपराज्यपाल सौंपा ज्ञापन

संदीप भारद्वाज को न्याय दिलाने के लिए आवाज उठाते रहेंगे : परमजीत सिंह पम्मा

प्रफुल्ल राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के नेता संदीप भारद्वाज की सुसाइड को लेकर नेशनल अकाली दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा की अध्यक्षता में दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना जी को ज्ञापन देकर सीबीआई जांच कराने की मांग की है। इस अवसर पर दल के राष्ट्रीय महासचिव बिंदिया मल्होत्रा, नेशलन अकाली दल महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष भावना धवन, दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष कुलदीप सिंह मारवाह, तरलोचन सिंह व विशाल सहित अनेक लोग उपस्थित थे। इस अवसर पर परमजीत सिंह पम्मा ने कहा है कि बड़े दुख की बात है आम आदमी पार्टी के ट्रेड विंग के प्रदेश सचिव संदीप भारद्वाज ने 24 नवंबर 2022 को घर में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली थी पांच दिन होने के बावजूद भी पुलिस अभी किसी भी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है की उन्होंने खुदकुशी क्यों की जबकि वह नगर निगम चुनाव मानसरोवर गार्डन वार्ड नंबर 91 से आम आदमी पार्टी के टिकट के मजबूत दावेदार थे उनका पार्टी ने टिकट काट दिया मगर यह स्वीकार करना बहुत मुश्किल है कि संदीप भारद्वाज जैसे मेहनती, आशावादी और जिंदादिल व्यक्ति अपनी जान लेने का कदम उठा सकते हैं। इसलिए हम आपसे अनुरोध करते हैं कि कृपया इस मामले की सीबीआई जांच का आदेश दें ताकि यह जांच की जा सके कि कोई साजिश तो नहीं है और उनकी दुर्भाग्यपूर्ण मौत के पीछे की सच्चाई सामने आनी चाहिए। किसके लिए हम जल्द ही गृहमंत्री अमित शाह जी को भी ज्ञापन देकर संदीप भारद्वाज की सुसाइड की सीबीआई जांच कराने की मांग करेंगे।

इस अवसर पर बिंदिया मल्होत्रा ने कहा संदीप भारद्वाज जैसे इंसान की टिकट काट दी जो दिन रात आम आदमी पार्टी के साथ लोगों को जोड़ने का कार्य करता थे और जहां पर भी किसी प्रदेश में चुनाव हो दिन रात एक कर के पार्टी के हित में प्रचार किया करते थे। मगर एक ऐसे इंसान को टिकट दे दी गई जिसका पार्टी से दूर दूर तक कोई लेना देना नहीं है और उसके ऊपर कई अपराधिक मामले दर्ज है और इसकी भी जांच होनी चाहिए। इसको किस तरह से पार्टी में टिकट दी गई ? उन्होंने कहा जिस प्रकार पूरी दिल्ली में टिकट लेन-देन की बात आ रही है। क्या उसके पीछे यह कारण तो नहीं था ? वह टिकट ना मिलने के कारण काफी डिप्रेशन में चल रहे थे।

किसानों के वाहनों को टोल फ्री कराने की मांग

गौतम बुद्ध नगर। नेशनल हाईवे 91 के लुहारली टोल प्लाजा पर किसानों के वाहनों के टोल फ्री कराने को लेकर भारतीय किसान यूनियन अजगर के कार्यकर्ताओं ने धरना प्रदर्शन किया। भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं की मांग है कि टोल प्लाजा से 7 किलोमीटर दोनों तरफ दायरे में आने वाले गांव के किसानों की कमर्शियल व प्राइवेट गाड़ियों को टोल फ्री किया जाए, जबकि टोल प्लाजा प्रबंधन के द्वारा प्राइवेट गाड़ियों को टोल फ्री किया हुआ है। वहीं कमर्शियल गाड़ियों को टोल फ्री से इनकार कर रहा है। मंगलवार को भारतीय किसान यूनियन अजगर के सैकड़ों कार्यकर्ता तय कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय अध्यक्ष हरवीर नागर के नेतृत्व में नेशनल हाईवे 91 के लुहारली टोल प्लाजा पर इकट्ठे हुए। उन्होंने टोल की दो लाइनों को बंद कर वहीं पर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। उनकी मांग है कि टोल प्लाजा के 7 किलोमीटर के दायरे में आने वाले दोनों तरफ के सभी गांवों के किसानों की कमर्शियल व निजी वाहनों को भी टोल फ्री किया जाए। भारतीय किसान यूनियन अजगर के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरवीर नागर ने बताया कि नेशनल हाईवे 91 के लुहारली टोल पर गलत टोल वसूला जाता है। उन्होंने कहा कि गाजियाबाद के लाल कुआं से टोल रोड शुरू होता है, जिसका टोल टैक्स लुहारली टोल प्लाजा पर वसूला जाता है, जबकि बील अकबरपुर में ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे से सिकंदराबाद जाने वाले वाहन मात्र 2 किलोमीटर एनएच 91 पर चलते हैं, लेकिन उनसे भी लाल कुआं तक का टोल वसूला जाता है। वहीं इसी मार्ग पर अलीगढ़ से लेकर लुहारली तक का टोल इसी प्लाजा पर वसूला जाता है, जबकि सिकंदराबाद व उसके आसपास के गांव जो कुछ दूरी पर है उनसे भी अलीगढ़ तक का टोल यहां पर वसूला जाता है।

राष्ट्रीय कैडेट कोर देश के युवाओं को एकता और अनुशासन का पाठ पढ़ाती है : ऋषि कुमार शर्मा

नई दिल्ली। 'ब्रिगेड ऑफ़ एक्स -कैडेट्स' संस्था द्वारा परसंदी देवी विद्यालय, लालकुआं में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) दिवस मनाया गया इस अवसर पर हिन्दी अकादमी दिल्ली के उप-सचिव ऋषि कुमार शर्मा मुख्य अतिथि रहे और विशिष्ट अतिथि दिल्ली पुलिस के अधिकारी अरविन्द चौधरी, सुप्रसिद्ध कवि डॉ. सतीश वर्धन थे। विभिन्न राज्यों से आये 100 से ज़्यादा पूर्व कैडेट्स ने भाग लिया। कार्यक्रम में कैडेट्स ने गीत, संगीत, नृत्य, भाषण और नाटक के माध्यम से समारोह में समा बाँध दिया। मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए हिंदी अकादमी दिल्ली के उप-सचिव ऋषि कुमार शर्मा के कहा राष्ट्रीय कैडेट कोर

देश के युवाओं को एकता और अनुशासन का पाठ पढ़ाती है जिसमे भाग लेने वाला युवाओं आदर्श नागरिक बनते हैं और देश के विकास में कंधे से कन्धा मिला का सहयोग करते हैं श्री शर्मा ने एनसीसी के इतिहास और योगदान पर प्रकाश डालते हुए ब्रिगेड ऑफ़ एक्स -कैडेट्स संस्था के इस आयोजन को देश सेवा की एक अनूठी पहल बताया।

कार्यक्रम बोलते हुए सुप्रसिद्ध कवि डॉ. सतीश वर्धन कविताओं के माध्यम से युवाओं का उत्साह बढ़ाया और माँ शीर्षक से कविता जब जब देखो पड़ी जरूरत संकट विपदा धन की। तब तब देखो बलि चढ़ी है माँ के कुंडल कंगन की। ने सभी का मन मोह लिया।

दिल्ली पुलिस के अधिकारी अरविन्द चौधरी के कहा के एनसीसी के माध्यम से मुझे दिल्ली पुलिस में नियुक्ति मिली। आप अच्छा करते रहें सफलता ज़रूर मिलेगी। कार्यक्रम के संयोजक ब्रिगेड ऑफ़ एक्स -कैडेट्स संस्था के संस्थापक पंकज पण्डित ने संस्था के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला और विभिन्न राज्यों के पदाधिकारियों को प्रमाणपत्र और प्रशस्ति पत्र दिए। इस अवसर पर रितेश कुमार भारत शर्मा बादल चौधरी केशव शर्मा, गजेंद्र सिंह, हिमांशु कुमार, रोहन सिंह, अभिजीत चौधरी आदि उपस्थित रहे।

एनजीटी के अनुमति के बिना काटे गए पेड़

नई दिल्ली। दिल्ली एनसीआर में प्रदूषण को लेकर आम जनता परेशान हैं। सरकार की तमाम कोशिशों के बावजूद प्रदूषण खतरे के निशान से उपर है। उस राजधानी में राष्ट्रीय हरित अधिकरण की नाक के नीचे दिल्ली के सबसे संरक्षित क्षेत्र पृथ्वीराज रोड पर राजस्थान हाउस में दर्जन भर से ज्यादा पेड़ों को काट दिया गया। पृथ्वीराज रोड पर राजस्थान हाउस को तोड़कर नवनिर्माण का कार्य किया जा रहा है। राजस्थान सरकार लोकनिर्माण विभाग के अतिरिक्त चीफ इंजीनियर ने नए भवन के निर्माण के लिए कोलियर्स इंडिया मुंबई को निर्माण एजेंसी नियुक्त किया है। कंपनी अपने गुड़गांव दफ्तर से इस काम को पूरा कर रही है। जानकारी के मुताबिक निर्माणकर्ता कंपनी कोलियर्स इंडिया ने राजस्थान हाउस के प्रांगण में खड़े दर्जन भर पेड़ों को नियमों पर ताक पर रख कर गुपचुप तरीके से पहले पेड़ों को काट डाला। जबकि इन क्षेत्र में पेड़ों के काटने पर प्रतिबंध लगा हुआ है।

इस गंभीर विषय पर जब स्थानीय लोगों ने सवाल उठाना शुरू किया तो निर्माणकर्ता कंपनी के कर्मचारियों के द्वारा आनन फानन में गमलों में लगे छोटे-छोटे पेड़ों को लाकर लगाने का काम शुरू किया गया। जानकारी के मुताबिक पहले के पेड़ों को केमिकल डालकर सूखाने का काम किया गया, ताकि आसानी से पेड़ों को काटा जा सके और राजस्थान हाउस के नए भवन को नवनिर्माण शुरू किया जा सके। पेड़ों को काटने या नियमों को नजर अंदाज करने के बारे में जब संबंधित मजदूरों से जानकारी ली गई तो उन्होंने चुप्पी साध ली। उन्होंने कहा कि इस मामले में कोलियर्स इंडिया के प्रोजेक्ट मैनेजर अजहर रईस या एमडी ताहा अंसारी इस विषय में जानकारी दे सकते है। प्रदूषण से परेशान स्थानीय निवासियों का कहना है कि वे इस संवदेनशील मामले में वन विभाग, पर्यावरण मंत्रालय और एनजीटी को लिखित शिकायत करने वाले है ताकि दोषियों पर उचित कार्रवाई हो सके।

जरुरतमंद परिवारों को सर्द ऋतु में किए गर्म वस्त्र वितरित

यूथ सोशलग्राम फाउंडेशन सोनीपत इकाई द्वारा आयोजित कार्यक्रम

संवाददाता गौरवशाली भारत

सोनीपत। यूथ सोशल ग्राम फाउंडेशन के सौजन्य से मंगलवार को जरूरतमंद परिवारों को गर्म वस्त्र वितरित किए गए। इस कार्यक्रम में फांउडेशन राष्ट्रीय अध्यक्ष कोमल शर्मा सहित फाउंडेशन सोनीपत यूनिट के सहयोग से गरीब परिवारों के बच्चों को सर्द हवाओं से बचाने के लिए गर्म जैकेट, स्वेटर, जींस और कंबल वितरित किये गए।

फांउडेशन प्रमुख कोमल शर्मा ने कहा, सर्दी की रातें गरीब परिवारों के लिए गर्म वस्त्र नहीं होने से बहुत कठिन गुजरती है। उन्हें तलाश रहती है किसी

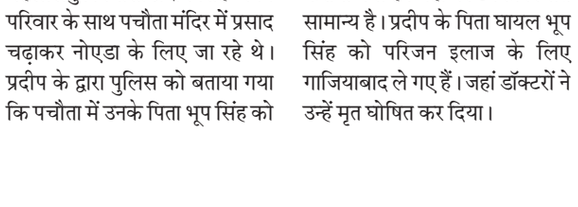

ऐसे मसीहा की जो ठंड से उन्हें बचा सके। गरीब परिवारों के बच्चे सर्दी की रातों में खुले आसमान के नीचे ठिठुरते रहते हैं। हमें उनकी पीड़ा को समझते हुए एवं गरीब परिवारों के हित के लिए विचार कर उनकी मदद करनी चाहिए।

उन्होंने बताया कि, फाउंडेशन द्वारा जरूरतमंद परिवारों के लिए निरंतर यह कार्यक्रम चलाया जा रहा है। कार्यक्रम शेड्यूल अनुसार विभिन्न राज्यों में निरंतर पांच माह तक कपड़े वितरित किये जाएंगे। इस कार्यक्रम की शुरुआत दिपावली पर्व से प्रारंभ हुई थी। रेवाड़ी से संस्था के संस्थापक योगेश चौधरी, चंडीगढ़ से अमित भारद्वाज, राजस्थान से प्रियंका भारद्वाज, सोनीपत से प्रिंस शर्मा, बिंदु शर्मा, मध्यप्रदेश से कीर्ति चौरसिया व अन्य कई जिलों में टीम लीडर सदस्यों के साथ मिलकर इस योजना को आगे बढ़ा रहे हैं।

इस कार्यक्रम के दौरान ज़िला उपाध्यक्ष बिंदु ने बच्चों के साथ मिलकर संगीत नृत्य के द्वारा उन्हें हँसाने का प्रयास किया साथ ही उनके साथ खेल में भाग लिया।

ज़िला प्रभारी प्रिंस शर्मा ने कहा, उन्हें जरुरतमंद परिवारों के मासूम बच्चों के साथ समय बिताना अच्छा लगता है और बहुत खुशी होती है हमसे जितना हो सके हमें अपने स्तर पर कार्य करना चाहिए व गरीबों की मदद के लिए सदैव आगे रहना चाहिए।

भारतीय संविधान एवं संसदीय लोकतंत्र के बुनियादी मूल्य; विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

नई दिल्ली। दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी द्वारा संविधान दिवस (26 नवम्बर 2022) के उपलक्ष्य में भारतीय संविधान एवं संसदीय लोकतंत्र के बुनियादी मूल्य विषय पर संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 28.11.2022 को सायं 4 बजे से केन्द्रीय पुस्तकालय के गीतांजलि सभागार में किया गया। इस संगोष्ठी की अध्यक्षता श्री सुभाष चंद्र कानखेड़िया, अध्यक्ष, दिल्ली लाइब्रेरी बोर्ड द्वारा की गई, मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. सत्यनारायण जटिया, पूर्व कैबिनेट मंत्री, भारत सरकार और वक्ता के रूप में श्री भारत एस. सत्यार्थी, निदेशक, ग्लोबल कॉलेज ऑफ़ लॉ उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत डॉ. आर. के. शर्मा, महानिदेशक, दि.प.ला. द्वारा किया गया। डॉ. आंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

डॉ. सत्यनारायण जटिया ने श्रोताओं को बताया कि संविधान के सम्बन्ध में बोलना अच्छा है, उसको पढ़ना और भी अच्छा है और उसकी बातों को अमल करना, सबसे महत्वपूर्ण है द्य विश्व में बहुत से देश आज़ाद हुए लेकिन आज़ादी के बाद भी सतत रूप से विधि का शासन स्थापित न कर सके, लेकिन भारत आज़ादी के साथ ही संविधान बनाकर आज भी सुचारू रूप से चल रहा है हमारा देश इतना विशाल ओर विविधता पूर्ण होने के बावजूद भी अपने सभी नागरिकों को जीवन जीने के लिए सामान अधिकार प्रदान करता, उनको न्याय दिलाने के लिए न्यायपालिका सजगता से कार्य करती है। मुख्य वक्ता द्वारा अम्बेडकर जी के जीवन के संक्षित्प परिचय देते हुए, उन्होंने उनके आरंभिक वंचित और शोषित जीवन के कई उद्धरण दिए, पारसी धर्मशाला से उनकों अछूत मानकर बाहर कर देने, मंदिर में उनके प्रवेश निषेध, महाड़ तालाब की घटना, आदि की उन्होंने चर्चा की और इन सभी व्यथाओं को एक उन्नत संविधान निर्माण की प्रक्रिया का अंग बताया। भारतीय संविधान की उद्देशिका की विस्तार से चर्चा करते हुए तथा उसकी सुन्दर प्रस्तुति को उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिये, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखण्डता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिये किये गए आह्वान को श्रोताओं के समक्ष रखकर सबका ज्ञानवर्धक किया। उन्होंने अपनी काव्यात्मक शैली से अपने विचार रखकर श्रोताओं को मन्त्र-मुग्ध किया और पत्थर कविता का सुन्दर काव्य बिम्ब श्रोताओं के समक्ष प्रस्तुत किया।

भारत एस. सत्यार्थी ने अपने वक्तव्य में बताया की लगभग 800 वर्षों तक भारत विदेशी ताकतों के आधीन रहा द्य इन विदेशी हुकूमत ने देश को आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं न्यायिक तौर पर टुकड़ों में विभजित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने बाबासाहेब को नमन करते हुए बताया कि बाबा साहेब ने विभिन्न देशों के संविधानो का गहन अध्ययन कर देश के सभी लोगों की आवश्कताओं के अनुरूप एक लोकतांत्रिक संविधान निर्मित किया द्य देश का संविधान प्रथम है, फिर संसद का स्थान आता है, इसमें संवैधानिक सर्वोच्चता को माना गया है। हमारा संविधान हमें जीवन का अधिकार, संपत्ति का अधिकार, जीवन की गरिमा का अधिकार, दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करें, दूसरों का सम्मान कैसे करें, हम अपनी गरिमा को कैसे महसूस करें आदि को देश के आखिरी कोने में स्थित व्यक्ति तक पहुंचाता है। यह संविधान प्रजातांत्रिक व्यवस्था प्रदान करता है जिसमें समानाधिकारवादी समाज की स्थापना हेतु विभिन्न अधिकारों, अनुच्छेदों, धाराओं, राज्य नीति के निदेशक सिद्धांत सहित एक ऐसा ढांचा तैयार किया गया जो देश के सभी लोगों को समानता, न्याय, बंधुत्व का भाव जगाने, एक लोक हितकारी राज्य बनाने में सक्षम है द्य भारत में न्यायपालिका संविधान में निर्धारित मूल्यों, नियमों, अधिनियमों, धाराओं आदि की संरक्षक है और समाज में न्याय व्यवस्था को बनाए रखने के लिए कार्य करती है।

बाबा साहेब ने संविधान के निर्माण करते समय समाज के न केवल वंचित वर्ग को अधिकार प्रदान किये बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति के हितों को इसमें समाविष्ट किया है; जैसे महिलाओं को मातृत्व अवकाश, महिलाओं के लिए समान कार्य समान वेतन, सभी नागरिकों को 18 वर्ष की आयु में मतदान का अधिकार आदि। संविधान की प्रस्तावना की विस्तृत चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि हमारा संविधान भारत के सभी नागरिकों को जम्मू कश्मीर से कन्याकुमारी एवं गुजरात से अरुणाचल प्रदेश तक सभी को बिना भेदभाव के समान अधिकार प्रदान करता है और यह हमारे देश को एक प्रभुसत्ता सम्पन्न, समाजवादी, धर्म-निरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य के रूप में स्थापित करता है। अंत में उन्होंने श्रोताओं से कहा कि हमारा संविधान विश्व का एक सुंदर, प्रिय एवं अद्भुत संविधान है, इसे सभी को अधिक से अधिक पढ़ना चाहिए सभी भारतियों को इसका अध्ययन करना चाहिए।

अध्यक्ष, दिल्ली लाइब्रेरी बोर्ड, श्री सुभाष चंद्र कानखेड़िया ने संगोष्ठी का आरंभ महात्मा ज्योतिबा फुले को उनकी पुण्यतिथि पर नमन कर किया तथा सभी श्रोताओं से भी उन्हें दो मिनट मौन रह कर श्रद्धासुमन अर्पित करने को कहा द्य उन्होंने भारतीय संविधान की प्रस्तावना तथा डॉ. भीमराव अंबेडकर जी द्वारा दिए गये संविधान के निर्मात्री समिति की अंतिम बैठक में समापन भाषण को श्रोताओं के समक्ष रखा। देश का संविधान उसकी राजनैतिक व्यवस्था का बुनियादी ढांचा निर्धारित करता है, जिसके अंतर्गत उसकी जनता शासित होती है।

नोएडा में एनएच 91 पर कार पलटी, एक की मौत , 3 घायल

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा में नेशनल हाईवे 91 पर गड्ढों की वजह से एक तेज रफ्तार ब्रेजा कार खाई में पलट गई। कार में एक ही परिवार के चार लोग सवार थे। कार पलटने से चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। जहां एक की इलाज के दौरान मौत हो गई। बाकी तीनों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

दादरी थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे 91 पर कोट गांव के पास तेज रफ्तार ब्रेजा पलट गई। ब्रेजा कार में नोएडा के बहलोलपुर गांव निवासी प्रदीप उनके पिता भूप सिंह सहित उनकी पत्नी व 9 वर्षीय बच्ची सवार थे।हाइवे से गाड़ी इतनी तेजी से पलटी की वहां अफरा तफरी मच गई।

जिसके बाद रोड से गुजर रहे लोगों ने घायलों को उनको गाड़ी से निकाला और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां इलाज के दौरान भूप सिंह (58) की मौत हो गई।

दादरी थाना प्रभारी उमेश बहादुर सिंह ने बताया कि नोएडा के बहलोलपुर निवासी प्रदीप सिंह अपने परिवार के साथ पचौता मंदिर में प्रसाद चढ़ाकर नोएडा के लिए जा रहे थे। प्रदीप के द्वारा पुलिस को बताया गया कि पचौता में उनके पिता भूप सिंह को अटैक आया था। जिसके इलाज के लिए जल्दी-जल्दी वह नोएडा जा रहे थे।

दादरी थाना क्षेत्र के पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के पास कोट गांव के नजदीक आकर उनकी गाड़ी अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। जिसमें उनके पिता उनकी पत्नी व बच्ची घायल हो गई। पुलिस के द्वारा मौके पर पहुंचकर प्रदीप की पत्नी व बच्ची को अशोक हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। जहां पर उनकी स्थिति सामान्य है। प्रदीप के पिता घायल भूप सिंह को परिजन इलाज के लिए गाजियाबाद ले गए हैं। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

दनकौर में पुलिस पर हमला करने वाले 4 बदमाश गिरफ्तार

जेवर। गौतमबुद्धनगर के दनकौर कोतवाली क्षेत्र में पुलिस ने डीजल-पेट्रोल चोरी करने वाले 4 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपी ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे पर घटनाओं को अंजाम देते थे। इनके कब्जे से एक तमंचा व बाइक भी बरामद हुई है। पुलिस ने बताया आरोपियों ने करीब 8 दिन पहले पुलिस टीम पर भी हमला किया था। इसके बाद से आरोपी फरार चल रहे थे। इनको पुलिस ने मंगलवार को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया है। दनकौर पुलिस ने बताया कि 22 नवंबर की रात पुलिस को ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे पर खड़े ट्रक से डीजल चोरी करने की सूचना मिली तो पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। जहां बदमाशों ने दरोगा विश्राम सिंह कॉन्स्टेबल पर अपनी गाड़ी से टक्कर मारकर हमला कर दिया था।

संपादकीय

ओलंपिक का निजाम

भारतीय ओलंपिक संघ की कमान पीटी उषा के हाथों में आने से स्वाभाविक ही खिलाड़ियों, खेल संघों और खेल प्रेमियों में एक नया उत्साह देखा जा रहा है

ओलंपिक संघ के पंचानबे साल के इतिहास में यह पहली बार है, जब कोई महिला इसकी अध्यक्ष बनी है। पीटी उषा निर्विरोध निर्वाचित हुई हैं। उनके खिलाफ किसी और ने पर्चा नहीं भरा। इस तरह तमाम खेल संघों ने उनके प्रति सम्मान दर्शाते हुए यह जिम्मेदारी सौंपी है। निस्संदेह पीटी उषा बहुत सारी महिला खिलाड़ियों और लड़कियों के लिए आदर्श रही हैं। इससे उन सबका मनोबल बढ़ा है। यह इस मायने में भी उत्साहजनक है कि इसमें किसी प्रकार की राजनीतिक दखलंदाजी नहीं रही। लंबे समय से आरोप लगते रहे हैं कि खेल संघों में राजनेताओं के काबिज रहने से खेलों में अपेक्षित प्रदर्शन देखने को नहीं मिलते। राजनेताओं के खेल संघों में होने से उनमें भ्रष्टाचार के आरोप भी लगते रहे हैं। खिलाड़ियों के चयन में पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने की शिकायतें भी मिलती रही हैं। इस तरह ओलंपिक संघ के साफ-सुथरे ढंग से काम करने का भरोसा बना है। पीटी उषा खुद ओलंपिक में भारत का नाम रौशन कर चुकी हैं, उड़न परी के नाम से उन्हें सम्मान प्राप्त है। खेल से संन्यास लेने के बाद वे इस संघ से जुड़ी रही हैं और प्रतिभा संघ के सदस्यों की अध्यक्ष भी रही हैं। वे ओलंपियाड परीक्षा आयोजित कराती हैं। इस तरह उनमें ओलंपिक खेलों के लिए अपने देश की खेल प्रतिभाओं को निखारने का जज्बा समझा जा सकता है। पिछले ओलंपिक खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने काफी सराहनीय प्रदर्शन किया। उससे उम्मीद बनी कि अगर खिलाड़ियों को उचित प्रशिक्षण और खेल का वातावरण मिले, तो वे दुनिया में भारत की अलग पहचान बना सकते हैं। पीटी उषा के ओलंपिक संघ का अध्यक्ष बनने के बाद उनसे स्वाभाविक ही ये अपेक्षाएं जुड़ गई हैं। हालांकि उनके सामने चुनौतियां कम नहीं हैं। खासकर खिलाड़ियों के चयन को लेकर अक्सर विवाद खड़े हो जाते हैं। पिछले ओलंपिक के वक्त भी एक खिलाड़ी ने अपने चयन में पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाए जाने को लेकर अदालत का दरवाजा खटखटाया था। इसी तरह उनके प्रशिक्षक, जरूरी साजो-सामान, खानपान, खेल वातावरण आदि को लेकर शिकायतें रहती हैं। इन सबके लिए राजनीतिक संघर्ष करना पड़ता है। हालांकि पीटी उषा भी सत्तापक्ष की तरफ से राज्यसभा की सांसद हैं, इसलिए उन पर राजनीतिक प्रभाव से इनकार नहीं किया जा सकता। मगर उनकी प्रतिबद्धता खेलों के प्रति है, इसलिए सक्रिय राजनीति से आए लोगों की तरह उनसे पक्षपातपूर्ण रवैए की उम्मीद नहीं की जा सकती। पिछले ओलंपिक खेलों में भारतीय खिलाड़ियों के उत्साहजनक प्रदर्शन के बाद केंद्र सरकार ने अगले ओलंपिक के लिए तैयारियों पर विशेष जोर दिया था। खुद प्रधानमंत्री ने पदक जीतने वाले खिलाड़ियों से बात कर उनका मनोबल बढ़ाया और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने का भरोसा दिया था। ऐसे में पीटी उषा से सरकार के इरादे के अनुरूप ओलंपिक संघ के संचालन की उम्मीद की जाती है। उन्हें धन और संसाधन आदि की भी शायद ही कोई कमी होने पाए। मगर देखना है कि यह संघ कैसे प्रतिभाओं की पहचान करता और उन्हें तैयार करता है। कहने को देश भर में खेल संघ हैं, जिला स्तर पर खिलाड़ियों की प्रतिभा पहचानने का तंत्र है, मगर उनमें से बहुत सारे उपेक्षा और कुंठा का शिकार होते हैं। ओलंपिक संघ को तमाम खेल संघों के साथ तालमेल बिठा कर काम करना और निष्पक्ष तरीके से खिलाड़ियों को तैयार करना असल चुनौती होगी।

आतंक के खिलाफ

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की मासिक अध्यक्षता के साथ ही भारत अब आतंकवाद के खिलाफ एक अहम मोर्चा लेने की तैयारी कर रहा है

यह जगजाहिर तथ्य है कि आतंकवाद ने भारत को कैसे दंश दिए हैं और इसके व्यापक जाल को तोड़ने में देश को कितनी ऊर्जा खर्च करनी पड़ी है। लेकिन यह अकेले भारत की समस्या नहीं है। अलग-अलग देशों में आतंकवाद ने कैसे कहर ढाए हैं और दुनिया में जानमाल की कितनी क्षति हुई है, यह सब तथ्य है। अपवादों को छोड़ दिया जाए तो लगभग सभी देश आतंकवाद के खिलाफ एक बड़ा मोर्चा खड़ा करने को लेकर सहमत दिखाई देते हैं।

इसलिए भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अध्यक्षता करने के मौके को अगर इस अहम समस्या का सामना करने के रूप में देखा है, तो यह केवल अपने पक्ष में एक बेहतरीन कूटनीतिक पहल नहीं, बल्कि इसमें दुनिया के तमाम देशों को इस समस्या से राहत या फिर इससे आगे छुटकारा दिलाने की सदिच्छा भी दिखती है।

गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में इस भूमिका में आने के बाद भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि वैश्विक आतंकवाद का मुकाबला करना और बहुपक्षवाद में सुधार करने पर ध्यान केंद्रित करना हमारी प्राथमिकता होगी। यह कोई छिपा तथ्य नहीं है कि पिछले कई दशकों से भारत जैसे विकासशील देश से लेकर अमेरिका जैसे सक्षम देश भी किसी न किसी रूप में आतंकवाद से प्रभावित रहे हैं।

वह अमेरिका में 'वर्ल्ड ट्रेड टावर' और अन्य संस्थानों पर हमला हो या फिर भारत में मुंबई से लेकर पुलवामा आदि में हुई आतंकी वारदात, सबमें घटनाओं की प्रकृति भर अलग रही, लेकिन उन सबके पीछे एक मकसद साफ दिखता रहा कि व्यापक हिंसा फैला कर और जानमाल का नुकसान पहुंचा कर दुनिया में आतंक के जरिए भयादोहन से अपने अमानवीय एजंडे को पूरा करना है। लेकिन भारत सहित अन्य देशों ने अपने-अपने स्तर पर आतंकवादी संगठनों और उन्हें संरक्षण देने वाली ताकतों को लगातार मुंहतोड़ जवाब दिया है और यही वजह है कि पिछले कुछ सालों से आतंकवाद का जोर कुछ कम हुआ है। आतंकवादी छिपने पर मजबूर हुए हैं।

हालांकि यहीं यह समझने की जरूरत है कि आइएसआइएस जैसे तमाम छोटे-बड़े संगठनों का आतंकवाद आज ऐसे स्वरूप में जटिल हो चुका है, जिसके निशाने पर कोई एक देश नहीं है और इसीलिए दुनिया के सभी देशों को इससे मोर्चा लेने के लिए एक ठोस पहल करने की जरूरत है। इससे निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनेक अभियान चलते रहे हैं, लेकिन जरूरत इस बात की है कि अब सभी देश एकजुट हों और एक बेहतर तालमेल के साथ ऐसा ढांचा खड़ा हो, जो हर मोर्चे पर आतंकवाद का सामना कर सके।

इस लिहाज से देखें तो भारत ने आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए काम करने का जो इरादा जताया है, वह वक्त का तकाजा है। कई बार बेहद अहम समस्याओं पर उठने वाली छिटपुट आवाजें दब कर रह जाती हैं, मगर उसी मसले पर संगठित प्रयास दूरगामी असर डालते हैं। भारत अपनी सीमाओं पर और आंतरिक क्षेत्रों में आतंकवादी संगठनों की व्यापक हिंसा का सामना करता रहा है। लेकिन सीमा पार स्थित ठिकानों से संचालित आतंकी गतिविधियों से निपटने में कई बाधा खड़ी हो जाती है। ऐसे में अब यह उम्मीद स्वाभाविक है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की मासिक अध्यक्षता करते हुए भारत आतंकवाद के खात्मे के लिए ज्यादा सक्षम और संगठित तरीके से ठोस प्रयास कर सकेगा।

अमीरी गरीबी में बढ़ती खाई राजनीति मुद्दा क्यों नहीं ?

- ललित गर्ग -

गुजरात के विधानसभा चुनाव का एक मुख्य मुद्दा अमीरी गरीबी के बढ़ते फासले एवं गरीबों की दुर्दशा का होना चाहिए था, लेकिन दुर्भाग्य से यह मुद्दा कभी भी चुनावी मुद्दा नहीं बनता। अमीर अधिक अमीर हो रहे हैं और गरीब अधिक गरीब। गौतम अडाणी एवं मुकेश अंबानी के दिन दोगुने रात चौगुने फैलते साम्राज्य पर उंगली उठाई जानी चाहिए, पर कोई भी राजनीतिक दल यह नहीं कर पा रहे हैं। विपक्ष के सामने इससे अच्छा क्या मुद्दा हो सकता है? इस मामले में राहुल गांधी ने पहली बार अपनी भारत जोड़ो यात्रा में यह मुद्दा उठाकर अपने राजनीतिक कद को तनिक ऊंचाई दी है। उनके कारण कम से कम अमीर और गरीब के बीच बढ़ती हुई खाई का सवाल देश के मानस पटल पर दर्ज हुआ है। राहुल गांधी ने लगातार गरीबों की दुर्दशा और अमीरों की बढ़ती दौलत का सवाल उठाया है। राजनीति से इतर अर्थशास्त्रियों और विश्व की नामचीन संस्थाओं की रपटों में यह सवाल लगातार रेखांकित हो रहा है।

गरीबी-अमीरी के असंतुलन को कम करने की दिशा में काम करने वाली वैश्विक संस्था ऑक्सफैम ने अपनी आर्थिक असमानता रिपोर्ट में समृद्धि के नाम पर पनप रहे नये नजरिया, विसंगतिपूर्ण आर्थिक संरचना एवं अमीरी गरीबी के बीच बढ़ते फासले की तथ्यपरक प्रभावी प्रस्तुति देते हुए इसे घातक बताया है। आज देश एवं दुनिया की समृद्धि कुछ लोगों तक केन्द्रित हो गयी है, भारत में भी ऐसी तस्वीर दुनिया की तुलना में अधिक तीव्रता से देखने को मिल रही है। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री थॉमस पिकेटी के निर्देशन में बनी वर्ल्ड इनिक्वालिटी रिपोर्ट 2022 भारत की आर्थिक विषमता की तस्वीर पेश करती है। इसके अनुसार 2021 में भारत के हर वयस्क व्यक्ति की औसत आय प्रतिमाह 17 हजार के करीब थी। लेकिन देश की निचली आधी आबादी की औसत मासिक आय 5 हजार भी नहीं थी, जबकि ऊपर के 10 प्रतिशत व्यक्तियों की औसत मासिक आय 1 लाख के करीब थी। शीर्ष पर बैठे 1 प्रतिशत की प्रति व्यक्ति मासिक आय लगभग चार लाख रुपए थी। देश में मानवीय मूल्यों और आर्थिक समानता को हाशिये पर डाल दिया गया है और येन-केन-प्रकारेण धन कमाना ही सबसे बड़ा लक्ष्य बनता जा रहा है। आखिर ऐसा क्यों हुआ? क्या इस प्रवृत्ति के बीज हमारी परंपराओं में रहे हैं या यह बाजार के दबाव का नतीजा है? कहीं शासन-व्यवस्थाएं गरीबी दूर करने का नारा देकर अमीरों को प्रोत्साहन तो नहीं दे रही है? इस तरह की मानसिकता राष्ट्र को कहां ले जाएगी? ये कुछ प्रश्न अमीरी गरीबी की बढ़ती खाई और उसके तथ्यों पर मंथन को जरूरी बनाते हैं।

क्या देश एवं दुनिया में गैर बराबरी घट रही है या बढ़ रही है? वर्ल्ड इनिक्वालिटी रिपोर्ट बताती है कि नब्बे के दशक से लेकर अब तक पूरी दुनिया में गैर बराबरी बढ़ी है। भारत में अमीर और गरीब के बीच खाई और भी तेजी से बढ़ी है। कोविड महामारी का दुनिया में गैर बराबरी पर क्या असर पड़ा, इसके आंकड़े हमें वर्ल्ड बैंक द्वारा 2022 में प्रकाशित रिपोर्ट से मिलते हैं। इस रिपोर्ट के मुताबिक महामारी से पूरी दुनिया में गरीब और अमीर के बीच खाई और ज्यादा चौड़ी हो गई। पूरी दुनिया में कोई 7 करोड़ लोग गरीबी रेखा से नीचे धकेल दिए गए। इनमें से सबसे बड़ी संख्या भारत से थी जहां इस महामारी के चलते 5 करोड़ से अधिक परिवार गरीबी रेखा से नीचे आ गए। इस आंकड़े को लेकर खूब घमासान हुआ।

अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका 'फोर्ब्स' दुनिया के धनाढ्य बिलियनेयर लोगों की लिस्ट छापती है। यानी कि वो लोग जिनकी कुल सम्पत्ति एक बिलियन यानी 100 करोड़ डॉलर यानी 8000 करोड़ रुपए से भी ज्यादा है। इस पत्रिका के अनुसार इस साल अप्रैल तक भारत में 166 ऐसे व्यक्ति हैं जिनकी घोषित संपत्ति एक बिलियन डॉलर से अधिक है। इसमें अघोषित यानी काले धन का हिसाब नहीं जोड़ा गया है। व्यक्तिगत तौर पर यह बात अब खास मायने नहीं रखती कि कौन किस नंबर पर है, क्योंकि दौलत का यह उठान एक सामूहिक टेंडेंड बन चुका है। पूंजी का बहाव भारत जैसे देशों की तरफ हो रहा है, जिनकी इकॉनमी कई लोकल और ग्लोबल वजहों से बूम कर रही है। इस लिहाज से इस दौलत का जितना रिश्ता निजी उद्यम, हौसले और अक्लमंदी का है, उतना ही उस बदलाव से भी है, जिसे हम 'नए भारत की कहानी' कहते हैं। फिलहाल हम इस बहस में नहीं पड़े कि इन उद्यमियों ने भारत को बनाया है या भारत में होना इन उद्यमियों की कामयाबी की असली वजह है। कुल मिलाकर इतना तय है कि हम इस टेंडेंड को भारत की कामयाबी के तौर पर देख सकते हैं। क्योंकि नागरिक अपने देश की नुमाइंदी ही करते हैं। जैसे बिल गेट्स की कामयाबी अमेरिका की प्रतिभा की कामयाबी है, वैसे ही रिलायंस, अडानी, इंफोसिस, विप्रो, या दूसरी कंपनियों की कामयाबी भारतीय उद्यमशीलता की कामयाबी है। लेकिन हर कामयाबी अपने साथ नाकामियों का हिसाब भी लेकर चलती है, असंतुलन को न्यौतती हैं।

जिस देश के उद्यमी दुनिया में सबसे अमीर हो, उस देश से यह अपेक्षा की जाती है कि उसमें संपदा का उछाल एक कॉमन बात होगी। बदकिस्मती से भारत में ऐसा नहीं है और यह बात दुनिया को काफी अटपटी लगेगी। मिसाल के लिए जिस शेयर मार्केट ने कुछ लोगों के लिए दौलत की ढेर लगा दिए हैं, उससे बस कुछ लोगों का ही वास्ता है।

हालांकि हाल के बरसों में मिडल क्लास का विस्तार हुआ है और एक बड़े वर्ग की लाइफस्टाइल सुधरी है, लेकिन उससे कई गुना ज्यादा लोग आज भी मुफलिसी के झुटपुटे में भटक रहे हैं। जरूरी है कि अमीरों को बसाने एवं तरक्की देने के लिये गरीबों को जमीन और रोजी-रोटी से बेदखल न किया जाए। भारत को जो शान हासिल हुई है, उसका तकाजा है कि अमीरी-गरीबी की असमानता मिटे। हम तो चाहेंगे कि ग्लोबल अमीरों की लिस्ट सिर्फ भारतीयों से भर जाए, लेकिन यह भी हो कि हर भारतीय उस चमक को देखे, सराहे और इन बिरादरों पर गर्व करे कि वो अमीरी की ओर बढ़ते हुए गरीबी भी दूर कर रहे हैं।

हम केवल गौतम अडाणी की संपत्ति का हिसाब लगाएं तो आज उनकी कुल दौलत कोई 14 लाख करोड़ रुपए के करीब है। यहां गौरतलब है कि जब देश में कोविड और लॉकडाऊन शुरू हुआ था उस वक्त उनकी कुल सम्पत्ति 66000 करोड़ थी। यानी पिछले अढ़ाई साल में उनकी संपत्ति में 20 गुना इजाफा हुआ है। भारत के भाल पर एक बड़ा सवाल है कि क्या भारत में गैर बराबरी घट रही है या बढ़ रही है? वर्ल्ड इनिक्वालिटी रिपोर्ट बताती है कि नब्बे के दशक से लेकर अब तक पूरी दुनिया में गैर बराबरी बढ़ी है। भारत में अमीर और गरीब के बीच खाई और भी तेजी से बढ़ी है। कोविड महामारी का दुनिया में गैर बराबरी पर क्या असर पड़ा, इसके आंकड़े हमें वर्ल्ड बैंक द्वारा 2022 में प्रकाशित रिपोर्ट से मिलते हैं। इस रिपोर्ट के मुताबिक महामारी से पूरी दुनिया में गरीब और अमीर के बीच खाई और ज्यादा चौड़ी हो गई। पूरी दुनिया में कोई 7 करोड़ लोग गरीबी रेखा से नीचे धकेल दिए गए। इनमें से सबसे बड़ी संख्या भारत से थी जहां इस महामारी के चलते 5 करोड़ से अधिक परिवार गरीबी रेखा से नीचे आ गए। इस आंकड़े को लेकर खूब घमासान हुआ। सरकारी और सरकारों से पोषित अर्थशास्त्रियों ने इसे झूठा साबित करने की असफल कोशिश की।

हमारे देश में जरूरत यह नहीं है कि चंद लोगों के हाथों में ही बहुत सारी पूंजी इकट्ठी हो जाये, पूंजी का वितरण ऐसा होना चाहिए कि विशाल देश के लाखों गांवों को आसानी से उपलब्ध हो सके। लेकिन क्या कारण है कि महात्मा गांधी को पूजने वाले सत्ताशीर्ष का नेतृत्व उनके ट्रस्टीशीप के सिद्धान्त को बड़ी चतुराई से किनारे कर रखा है। यही कारण है कि एक ओर अमीरों की ऊंची अट्टालिकाएं हैं तो दूसरी ओर फुटपाथों पर रेंगती गरीबी। एक ओर वैभव ने व्यक्ति को विलासिता दी और विलासिता ने व्यक्ति के भीतर क्रूरता जगाई, तो दूसरी ओर गरीबी तथा अभावों की त्रासदी ने उसके भीतर विद्रोह की आग जला दी। वह प्रतिशोध में तपने लगा, अनेक बुराइयां बिन बुलाए घर आ गईं। अर्थ की अंधी दौड़ ने व्यक्ति को संग्रह, सुविधा, सुख, विलास और स्वार्थ से जोड़ दिया। नई आर्थिक प्रक्रिया को आजादी के बाद दो अर्थों में और बल मिला। एक तो हमारे राष्ट्र का लक्ष्य समग्र मानवीय विकास के स्थान पर आर्थिक विकास रह गया।

दूसरा सारे देश में उपभोग का एक ऊंचा स्तर प्राप्त करने की दौड़ शुरू हो गई है। इस प्रक्रिया में सारा समाज ही अर्थ प्रधान हो गया है।

धर्मनिरपेक्षता लोकतंत्र का सशक्त, महत्वपूर्ण, संवेदनशील एवं शाश्वत सिद्धांत

धर्मनिरपेक्षता लोकतंत्र को सशक्त करने हेतु एक महत्वपूर्ण संवेदनशील एवं शाश्वत सिद्धांत हैद्य धर्मनिरपेक्षता भारतीय राजनीति का मूल आधार तत्व हैद्य जिसमें राजनीतिक दलों को भारतीय संविधान की महत्वपूर्ण भूमिका अंतर्निहित है।

धर्मनिरपेक्षता धार्मिक उग्रवाद का बड़ा विरोधी भाव हैद्य इसमें धर्म के प्रति विद्वेष का भाव नहीं होता है, बल्कि सभी धर्मों का समान आदर किया जाता हैद्य इस आधुनिक काल में धर्मनिरपेक्षता सामाजिक और राजनीतिक सिद्धांत में प्रस्तुत सर्वाधिक जटिल शब्दों में एक है। धर्मनिरपेक्षता का अर्थ पाश्चात्य तथा भारतीय संदर्भ में अलग-अलग हैद्य भारतीय धर्मनिरपेक्षता का तात्पर्य समाज में विभिन्न धार्मिक मतों का अस्तित्व मूल्यों को बनाए रखने सभी मतों का विकास और समृद्धि करने की स्वतंत्रता का तथा साथ ही साथ सभी धर्मों के प्रति एक समान आदर तथा सहिष्णुता विकसित करना हैद्य पश्चिमी संदर्भ में धर्मनिरपेक्षता का तात्पर्य ऐसी व्यवस्था से है जहां धर्म और राज्यों का एक दूसरे के मामले में हस्तक्षेप न करना तथा व्यक्तियों और उसके अधिकारों को केंद्रीय महत्व दिया जाना शामिल है।

यद्यपि भारतीय धर्मनिरपेक्षता मैं पश्चिमी भाव तो शामिल हैं साथ-साथ कुछ अन्य भाव भी शामिल किए गए हैंद्य धर्मनिरपेक्ष व्यक्ति समाज या राष्ट्र अभाव होता है, जो किसी विशेष धर्म या अन्य धर्मों की तुलना में पक्षपात नहीं करता है। भारतीय संदर्भ धर्मनिरपेक्षता की आजादी के बाद बड़ी स्वच्छ एवं स्वस्थ सार्वभौमिक परंपरा रही है।

इसमें किसी व्यक्ति से धर्म और संप्रदाय के नाम पर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाता हैद्य प्रत्येक नागरिक को इसके अंतर्गत स्वतंत्रता प्राप्त होती है कि वह अपनी इच्छा अनुसार किसी भी धर्म को अपनाएं एवं किसी भी व्यक्ति के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप न करें, भारत में धर्म और राजनीति को एक दूसरे से अलग तथा पृथक रखने की हमेशा कोशिश की गई हैद्य भारत में राज्य का अपना कोई धर्म नहीं है, यहां राज्य की नजर में सब एक समान हैद्य भारत में धर्मनिरपेक्षता में सभी धर्मों को समानता का दर्जा प्रदान किया गया है।

सभी धर्मों के नागरिकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वह सभी धर्मों के नागरिकों को समान आदर व इज्जत से व्यवहार करेंद्य भारतीय धर्मनिरपेक्षता राज्य के सभी धर्मों को विकास का समान अवसर देती है, इस प्रकार यह माना जा सकता है कि धर्मनिरपेक्षता सर्वधर्म समभाव पर विशेष महत्व देकर उस पर केंद्रित करती है।

।। मर गया।।

शादी में वो गैरों की नाच गाके मर गया ।
बस चाउमिन पनीर ही खा-खा के मर गया।।
मुस्का के पड़ोसन ने हाल पूछ लिया बस,
वह इश्क में बेचारा पगला के मर गया।।
सेल्फी जो रोज फेसबुक पे डाल रहा था,
एक रोज वही सांड़ से टकराके मर गया।
सौ रुपये हमने मांगे थे उससे जो उधार,
तबसे पता नहीं है कहाँ जाके मर गया।
दिन रात जिस हसीना से करता रहा चैटिंग,
जब सामने दिखी तो गश खाके मर गया।
बुढ़ऊ की नई दुलहन छोरे ने जबसे देखी,
अब क्या कहें 'अमरेश' वो ललचाके मर गया।

कवि--
अमरेश कुमार मिश्र
3/321,विकल्प खंड, गोमती नगर, लखनऊ।

'भारत में दिव्यांगता से संबद्ध कलंक को मिटाया जाना'

डॉ दीपक कोहली-

भारत का संविधान दिव्यांगजनों सहित सभी व्यक्तियों की समानता, स्वतंत्रता, न्याय और गरिमा सुनिश्चित करता है तथा सभी के लिये एक समावेशी समाज को अनिवार्य करता है। हालाँकि, दिव्यांगता को मापना एक जटिल परिघटना है क्योंकि अलग-अलग दृष्टिकोणों के कारण अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर दिव्यांगता की परिभाषाएँ व्यापक रूप से भिन्न-भिन्न हैं। भारत दिव्यांगजनों के अधिकारों पर अभिसमय का हस्ताक्षरकर्त्ता है। हालाँकि वर्ष 2020 में संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट ने संकेत दिया कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र के देशों द्वारा 44 प्रतिशत संकेतकों का पालन नहीं किया जाता है। इसे भारत के संदर्भ में देखें, तो न्याय तक पहुँच और समावेशी होने का अधिकार एक चुनौती है, क्योंकि भारत में 'दिव्यांग' के रूप में वर्गीकृत होने के लिये कठोर शर्तें आरोपित हैं, जिन्हें संबोधित किये जाने की आवश्यकता है।

संयुक्त राष्ट्र एवं दिव्यांगता

संयुक्त राष्ट्र द्वारा अंगीकृत दिव्यांगजनों के अधिकारों पर अभिसमय , 2006 की प्रस्तावना में दिव्यांगता को इस रूप में वर्णित किया गया है- ''दिव्यांगता दिव्यांगजनों और व्यवहारगत एवं पर्यावरणीय बाधाओं के बीच अंत:क्रिया उत्पन्न होती है जो अन्य व्यक्तियों के साथ समान आधार पर समाज में उनकी पूर्ण एवं प्रभावी भागीदारी को अवरुद्ध करती है।''संयुक्त राष्ट्र की यह अभिव्यक्ति दिव्यांगता के चिकित्सा मॉडल से सामाजिक मॉडल की ओर एक संक्रमण को दर्शाती है।

भारत में दिव्यांगता के संबंध में संवैधानिक प्रावधान

*समता और गरिमा का मूल अधिकार- भारत के संविधान के भाग III के तहत गारंटीकृत सभी मूल अधिकारों के पीछे व्यक्ति की समानता और गरिमा एक मौलिक धारणा है, जो दिव्यांगजनों के अधिकारों की भी रक्षा करती है।

राज्य नीति के निदेशक सिद्धांत- भारत के संविधान के अनुच्छेद 41 में घोषणा की गई है कि राज्य अपनी आर्थिक सामर्थ्य और विकास की सीमाओं के भीतर काम पाने के, शिक्षा पाने के और बेकारी, बुढ़ापा, बीमारी और नि:शक्तता तथा अन्य अनर्ह अभाव की दशाओं में लोक सहायता पाने के अधिकार को प्राप्त कराने का प्रभावी उपबंध करेगा। अनुच्छेद 46 राज्य के लिये यह दायित्व निर्धारित करता है कि वह कमज़ोर वर्गों के लोगों के शैक्षिक एवं आर्थिक हितों की विशेष देखभाल करेगा और सामाजिक अन्याय एवं सभी प्रकार के शोषण से उनकी संरक्षा करेगा।

विधायी शक्ति : भारतीय संविधान ने केंद्र और राज्यों के बीच विधायी शक्तियों का वितरण करते हुए दिव्यांगता के विषय को राज्य सूची में रखा है।

चुनतियां

चिह्नित नहीं करना, विकास से वंचित करना- भारत में दिव्यांगता को चिह्नित करने की जटिलता न केवल हमें मानव विकास के अंतर्राष्ट्रीय मानकों पर पीछे रखती है, बल्कि किसी व्यक्ति को स्वास्थ्य देखभाल एवं कल्याण तक उनकी पहुँच को सुनिश्चित करने के लिये न्यायपालिका और नौकरशाही तक पहुँच सकने से अवरुद्ध भी करती है।इसके साथ ही, प्रमाणीकरण की एक परत दिव्यांगजनों , विशेष रूप से मानसिक दिव्यांगजनों को कल्याण के गलियारों तक पहुँचने से वंचित कर देती है क्योंकि उन्हें प्रवेश द्वार पर ही रोक दिया जाता है।

अवसंरचनात्मक पहुँच का अभाव- दिव्यांगजनों द्वारा स्वच्छता, सीढ़ी, रैंप, कैंटीन एवं मनोरंजन कक्ष, अलग वॉश रूम, उद्यान क्षेत्र जैसे बुनियादी ढाँचों के अभाव का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा, ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले युवा प्रतिभाशाली दिव्यांगजनों को रोज़गार अवसरों से वंचित रहना पड़ता है क्योंकि रोज़गार के अवसर प्राय: शहरी क्षेत्रों में पाए जाते हैं। उन्हें कभी-कभी नौकरी छोड़नी भी पड़ती है क्योंकि परिवहन सुविधाएँ उपयुक्त नहीं होती हैं।राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की रिपोर्ट के अनुसार, शहरी क्षेत्रों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में दिव्यांगता अधिक मौजूद है।

समानुभूति के बजाय सहानुभूति का व्यवहार- सहपाठियों, सहकर्मियों और शिक्षकों की असंवेदनशीलता, समावेशी शिक्षा तक पहुँच, अधिकारों का संस्थानीकरण आदि कुछ प्रमुख चिंताएँ हैं जो प्राय: दिव्यांग उम्मीदवारों द्वारा व्यक्त की जाती हैं, जिन्हें किसी तरह स्वीकार तो किया जाता है लेकिन उन पर कार्रवाई नहीं की जाती है। नतीजतन,दिव्यांगजनों को जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में भेदभाव का सामना करना पड़ता है।

समयबद्ध सर्वेक्षण का अभाव और नीति विलंबन- विकलांग जन अधिकार अधिनियम, 2016 दिव्यांग बच्चों की पहचान करने, उनकी विशेष ज़रूरतों और उनकी पूर्ति की स्थिति का पता लगाने के लिये प्रत्येक पाँच वर्ष पर स्कूल जाने वाले बच्चों के सर्वेक्षण का प्रावधान करता है लेकिन चूँकि प्राथमिक सर्वेक्षण अभी तक नहीं किया गया है, इसलिये अधिनियम के कार्यान्वयन हेतु नीति निर्माण अभी भी पाइपलाइन में है।

समावेशी शिक्षा का अभाव: कोविड के कारण लगाए गए लॉकडाउन के दौरान कई दिव्यांग बच्चों को महामारी के प्रकोप का सामना करना पड़ा। जनभागीदारी शून्य होने के कारण, उन्हें अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिये स्काइब, सांकेतिक भाषा के दुभाषिए आदि खोजने में संघर्ष करना पड़ा।भले ही स्कूली पाठ्यक्रम को त्वरित रूप से ऑनलाइन मोड में स्थानांतरित कर दिया गया था, समावेशी शिक्षण को हानि उठानी पड़ी। इसने मौजूदा समस्याओं को और कष्टजनक बनाया।

रोज़गार सुरक्षा का अभाव- बेरोज़गारी प्रमुख कारकों में से एक है क्योंकि ऐसे प्रतिकूल समय में दिव्यांगजन नौकरी से निकाल दिए जाने के लिये सबसे पहले बलि का बकरा बनाए जाते हैं। कंपनियों द्वारा लागत में कटौती के तरीके अपनाए जाने पर सबसे पहले उन्हें ही उनकी सेवाओं से मुक्त कर दिया जाता है।

आगे की राह

बजट निर्माण और योजना में पारदर्शिता- दिव्यांगता प्रतिक्रिया योजना सभी मंत्रालयों के बजट का अंग हो। तदनुसार, शासन का नीतिगत प्रतिमान वंचित परिस्थितियों में रह रहे लोगों की आवश्यकताओं की पूर्ति करने और उन्हें विकास के हर क्षेत्र में समान अवसर प्रदान करने की दिशा में सक्रिय हो।

भारतीय सांकेतिक भाषा को चिह्नित करना

ऐसे सभी आधिकारिक संचार में साइन लैंग्वेज दुभाषिए को अनिवार्य किया जाना चाहिये जहाँ दिव्यांग संलग्न हों। इसके अलावा, भौतिक डिज़ाइन के साथ-साथ सूचना और संचार प्रौद्योगिकी में दिव्यांगों के लिये सुलभ कंपनियों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिये।

अधिगम के लिये सार्वभौमिक डिज़ाइन

स्कूलों में पाठ के योजना निर्माण और उसके वितरण में बच्चे के तंत्रिका-मनोवैज्ञानिक, संज्ञानात्मक एवं भावनात्मक प्रोफाइल आदि सभी स्थितियों को ध्यान में रखा जाना चाहिये। यूनेस्को ने दिव्यांग शिक्षार्थियों पर कोविड के प्रभाव को समझने के संबंध में अपनी रिपोर्ट में सुझाव दिया है कि अधिगम के लिये सार्वभौमिक डिज़ाइन' दृष्टिकोण का उपयोग इन स्थितियों को संबोधित करने, अधिगम सामग्री विकसित करने और दूरस्थ शिक्षा की समावेशिता को बढ़ाने का एक तरीका हो सकता है।

सामाजिक दिव्यांगता से निपटना

दिव्यांगता को समाज में एक सामाजिक कलंक के रूप में देखा जाता है, जिसमें सुधार की आवश्यकता है। नि:शक्तता और कुछ नहीं बल्कि अंगों से क्षीण होने के बजाय लोगों के मन की अक्षमता है।समस्या तब उत्पन्न होती है जब समाज दिव्यांगजनों को एक दायित्व या 'चैरिटी' के एक मामले के रूप में देखता है। 'स्पेशल किड्स' शब्द की पूरी अवधारणा ही त्रुटिपूर्ण है। कोई भी दिव्यांग व्यक्ति असाधारण रूप से व्यवहार किये जाने की इच्छा नहीं रखता है। हमें बस उनकी बुनियादी ज़रूरतों के प्रति संवेदनशीलता के निर्माण की आवश्यकता है। इस प्रकार, उनके अधिकार को एक अनिवार्य कदम के रूप में मान्यता दी जानी चाहिये न कि वह दूसरों की सद्भावना पर निर्भर हो।

एक पार-विषयक दृष्टिकोण अपनाना

हमें विभिन्न स्तरों पर जागरूकता और क्षमता निर्माण करने की आवश्यकता है। पारिवारिक स्तर पर जागरूकता, सामुदायिक स्तर पर संवेदनशीलता और सरकारी फ्रंटलाइन कार्यकर्त्ताओं एवं पेशेवरों के स्तर पर क्षमता की आवश्यकता है। भारत पोलियो और कुष्ठ से लड़ने में सक्षम हुआ क्योंकि हमने ट्रांसडिसिप्लिनरी दृष्टिकोण अपनाया। दिव्यांगता से संबद्ध कलंक को मिटाने के लिये भी इसी तरह के एक 'ट्रांसडिसिप्लिनरी मॉडल' की आवश्यकता है।

यहूदियों पर भी इतना जुल्म हिटलर ने नहीं किया था: आजम

रामपुर। समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री मोहम्मद आजम खान ने किसी पार्टी विशेष का नाम लिए कहा है कि जिस तरह से जुल्म ढहाए जा रहे हैं, उस तरह से तो हिटलर ने भी यहूदियों के साथ ऐसा जुल्म नहीं किया था। सपा नेता ने कहा कि वह नहीं जानते थे कि जनता पर अत्याचार करना सरकारों का काम है और अगर उन्हें यह पता होता तो वह अपने 50 साल के जीवन में कई और तारीख लिख सकते थे।

शार्ट न्यूज

तमंचे के बल पर दंपत्ति को लूटा

फिरोजाबाद। फिरोजाबाद में मंगलवार को जसराना से एटा अपने घर लौट रहे बाइक सवार दंपती को अपाचे बाइक सवार तीन लुटेरों ने तमंचे के बल पर कायथा रोड स्थित पुलिया पर लूट लिया। लुटेरे कई लाख रुपये कीमत के गहने और 10 हजार रुपये लूटकर ले गए। दिनदहाड़े हुई घटना से सनसनी फैल गई। एसपी सिटी भी घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। लुटेरों की गिरफ्तारी के लिए एसओजी टीम भी लगाई गई है। एटा, अवागढ़ के गांव नया बांस निवासी अश्वनी कुमार अपनी पत्नी शशि के साथ जसराना के गांव मुस्तपुर में सोमवार को किसी कार्यक्रम में आए थे। मंगलवार को दंपती बाइक से घर लौट रहा था। गांव कायथा रोड स्थित बंबा पुलिया के पास वे पहुंचे थे, इस बीच अपाचे बाइक सवार तीन बदमाशों ने तमंचे के बल पर दंपती को रोक लिया। इसके बाद बदमाश शशि से सोने की अंगूठी, पैंडल आदि गहने और 10 हजार रुपये लूट कर भाग गए। लुटेरों के भागने के बाद दंपती की चीख पुकार सुन कर राहगीर एकत्र हो गए। एसपी सिटी सर्वेश मिश्रा, सीओ टूंडला हरीमोहन सिंह, इंस्पेक्टर नारखी प्रदीप कुमार पांडेय फोर्स के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पीड़ित ने अज्ञात लुटेरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। एसपी सिटी ने बताया कि घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। कुछ सुराग हाथ लगे हैं। जल्द लुटेरे गिरफ्तार कर लिए जाएंगे।

थाने से कांस्टेबल की बाइक चोरी

पीलीभीत। पीलीभीत जिले में पुलिस से बेखौफ हुए अपराधी ताबड़तोड़ वारदातों को अंजाम दे रहे थे, लेकिन अब तो पुलिस महकमे के लोग भी अपराधियों से सुरक्षित नहीं है। पीलीभीत में थाने के बाहर खड़ी एक बाइक को देखते ही देखते चोर उठा ले गया, फिलहाल पुलिस का दावा है जल्द घटना का खुलासा किया जाएगा। बरखेड़ा थाना परिसर से सोमवार रात लगभग 9 बजे थाने के कांस्टेबल हरद्वारी लाल की बाइक को चोरों ने निशाना बना दिया। कांस्टेबल अपनी बाइक पैशन प्रो थाना परिसर में खड़ी करके थाने के अंदर गया ही था और चाबी कांस्टेबल के पास में थी। जब कुछ मिनटों बाद कांस्टेबल अपनी बाइक के पास आया तो बाइक वहां से गायब थी। कांस्टेबल भौचक्का रह गया, कांस्टेबल ने बाइक इधर उधर देखी पर थाने में बाइक दिखाई नहीं दी। जिसके चलते थाने मे हड़कंप मच गया। पुलिस ने बाइक को ढूंढना शुरू किया, तो बाइक चोर थाने से कुछ दूरी पर जाता दिखाई दिया। पुलिस को देखकर चोर बाइक छोड़कर फरार हो गया। फिलहाल पुलिस ने बाइक को बरामद कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष उदय वीर सिंह का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपी की तलाश की जा रही है। जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

गंगा गोमती ट्रेन का इंजन बोगी से अलग हुआ

प्रयागराज । प्रयागराज के लालगोपालगंज रेलवे स्टेशन के पास मंगलवार को गंगा गोमती ट्रेन का इंजन बोगी से अलग हो गया। ट्रेन और बोगी दो हिस्सों में बंट गई। बताया जा रहा है कि रामचौरा रेलवे स्टेशन के पास कपलिंग टूटने से यह हादसा हुआ। अच्छी बात यह रही है कि ट्रेन में बैठे यात्री पूरी तरह से सुरक्षित हैं। रेलवे के अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए और जांच पड़ताल में जुटे रहे कि आखिर यह कैसे हुआ? करीब दो घंटे तक चले मरम्मत कार्य के बाद ट्रेन लखनऊ के लिए रवाना हुई। दो घंटे तक यात्री परेशान रहे। गंगा गोमती एक्सप्रेस सुबह 5:40 बजे प्रयागराज संगम स्टेशन से लखनऊ के रवाना हुई थी। करीब 6:30 बजे वह रामचौरा स्टेशन से करीब तीन किमी. पहले पहुंची थी कि अचानक इंजन और बोगियों को जोड़ने वाले कपलिंग टूट गई। लोको पायलट को भी इसकी जानकारी नहीं हो सकी। लोक पायलट को इसकी जानकारी तब हुई जब इंजन तेजी से आगे निकल गया फिर लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाया। इंजन बोगी से करीब 200 मीटर दूर तक जा पहुंचा था। लखनऊ जा रहे यात्री भी सहम गए। यात्री तत्काल ट्रेन के नीचे आ गए। पता चला कि कपलिंग टूटने से इंजन अलग हो गया।

बिजनौर में सड़क हादसे में किसान की मौत

बिजनौर। बिजनौर में ट्रैक्टर व ट्रक की भिड़ंत हो गई। हादसे में शुगर मिल से गन्ना डालकर वापस लौट रहे किसान की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। रेहड़ थाना क्षेत्र के गांव पुक्खेवाला निवासी रेवती सिंह(46) पुत्र चतरू ट्रैक्टर टिप्पलर से अफजलगढ़ शुगर मिल में गन्ना डालने के लिए गया था। गन्ना डालकर वापस अपने घर लौट रहा था। जैसे ही उसका ट्रैक्टर राष्ट्रीय राजमार्ग 74 पर स्थित गांव मेघपुर के समीप पहुंचा तो पीछे आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही टैक्टर चालक सड़क पर नीचे गिर गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर एसएसआई आशीष तोमर मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवा दिया है। वही ट्रक चालक मौके पर ट्रक छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया।

घर की छत गिरने से मजदूर की मौत

कौशांबी। कौशांबी के सैनी थाना क्षेत्र के गुलामीपुर में एक जर्जर मकान की छत गिर गई। छत के नीचे दबे मजदूर का शव पुलिस ने मंगलवार की दोपहर बरामद कर लिया है। मृतक मजदूर के परिजनों का आरोप है कि हादसे के बाद गृह स्वामी घर छोड़ कर फरार हो गया। उन्हें हादसे की सूचना नहीं दी। पीड़ित परिवार ने गृह स्वामी के खिलाफ तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। प्रयागराज के अतरसुइया थाना क्षेत्र के ललिता देवी मंदिर मीरापुर के रहने वाले निरंजन सरोज (30) पुत्र रामसुरेमन बिगत कई वर्षों से अपने ननिहाल गुलामीपुर मे अपनी पत्नी के साथ मिट्टी के घर में छप्पर डालकर रहता है। गुलामीपुर के रहने वाले सुरेंद्र कुमार पुत्र अयोध्या प्रसाद प्रजापति घर की जर्जर छत तोड़ने के लिए सोमवार को निरंजन को अपने घर ले आए थे। उनका मकान जीटी रोड के चौड़ीकरण की जद में था। जिसके चलते सुरेंद्र कुमार अपने मकान को ध्वस्त करा रहे थे। जिसके कारण मकान की दीवारे जर्जर हालत में थी। बताया जा रहा है कि दीवार तोड़ने को जैसे ही निरंजन आगे गया। पूरी छत भरभरा कर नीचे गिर गई। जिसमे निरंजन उसी छत के मलवे मे दब गया। मलवे में दबे मजदूर को निकालने के बजाय हादसा देखकर मकान मालिक मौके से फरार हो गया। परिजनों के मुताबिक, मृतक का शव पूरी रात मलबे के नीचे मजदूर दबा रहा। सुबह घर न पहुंचने पर मृतक निरंजन की पत्नी ने खोजते हुए सुरेंद्र के घर पहुंची। जहां घर में ताला लगा मिला। पीड़ित ने पुलिस को सूचना देकर पति को खोजने की मांग की। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से छत के मलवे से निरंजन की लाश बरामद कर ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

बिजलीकर्मियों का अनिश्चिकालीन कार्य बहिष्कार शुरू

लखनऊ। ऊर्जा निगमों के शीर्ष प्रबन्धन पर स्वेच्छाचारी रवैये व दमनात्मक कार्यप्रणाली का आरोप लगाते हुये उत्तर प्रदेश में सभी ऊर्जा निगमों के बिजलीकर्मियों ने मंगलवार को अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार शुरू कर दिया। राजधानी लखनऊ में बिजलीकर्मियों ने शाम पांच बजे पूरे प्रदेश में मशाल जुलूस निकालकर अपना विरोध दर्ज कराया। हाइडिल फील्ड हॉस्टल में पूरे दिन विरोध सभा हुई और शाम सैकड़ों मशाल प्रज्वलित की गई। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने ऊर्जा निगमों में टकराव के लिए शीर्ष प्रबंधन की नकारात्मक व हठधर्मी कार्यप्रणाली को जिम्मेदार ठहराया। साथ ही चेयरमैन पर सरकार को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए ऊर्जा मंत्री से प्रभावी हस्तक्षेप करने की अपील की। संघर्ष समिति के पदाधिकारी राजीव सिंह, जितेंद्र सिंह गुर्जर, जी वी पटेल, पी के दीक्षित ने आज जारी बयान में कहा कि आम जनता को तकलीफ न हो, इसलिये कार्य बहिष्कार के प्रथम चरण में उत्पादन गृहों, पारेषण विद्युत उपकेन्द्रों, सिस्टम ऑपरेशन, और 33 केवी विद्युत उपकेंद्रों में पाली में कार्यरत बिजली कर्मियों को कार्य बहिष्कार आंदोलन से अवमुक्त रखा गया है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा निगमों के शीर्ष प्रबन्धन की हठधर्मिता और बिजलीकर्मियों की समस्याओं के प्रति उपेक्षात्मक रवैये के कारण आज पूरे प्रदेश के बिजलीकर्मी संघर्ष के रास्ते पर है।

यूपी में लंपी वायरस से मिली निजात

दो महीने में 1.58 करोड़ टीकाकरण करने वाला देश का पहला राज्य बना यूपी

लखनऊ। लंपी स्किन डिजीज के खिलाफ प्रदेश सरकार के टीकाकरण अभियान में देखने को मिला। 2 माह से भी कम समय में 1.58 करोड़ टीकाकरण करने वाला उत्तर प्रदेश देश में पहला राज्य बन गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मॉनिटरिंग का ही असर है कि समय रहते प्रदेश में गोवंश की महामारी पर काबू पा लिया गया, जबकि देश के कुछ राज्यों में अभी भी वायरस की चपेट में आकर गोवंश की मृत्यु हो रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वायरस को गंभीरता से लेते हुए टीकाकरण की प्रभावी निगरानी के लिए टीम-9 का गठन किया, जिससे आज उत्तर प्रदेश लगभग पूरी तरह से गोवंश के वायरस से मुक्त हो गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश के अन्य राज्यों में गोवंश में लंपी स्किन डिजीज के लक्षण मिलने पर

इसे गंभीरता से लेते हुए अगस्त के पहले सप्ताह में टीम 9 का गठन किया। टीम के वरिष्ठ नोडल अधिकारियों द्वारा प्रदेश के बरेली, मुरादाबाद, मेरठ, सहारनपुर, आगरा एवं अलीगढ़ मंडलों का दौरा किया गया और टीकाकरण अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। अभियान को सार्थक बनाने के लिए ऑनलाइन एवं ऑफलाइन ट्रेनिंग में हाईब्रिड मॉडल अपनाया गया।

साथ ही टीकाकरण में पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालयों के छात्रों एवं निजी टीकाकरण कार्यकर्ताओं का भी सक्रिय सहयोग लिया गया। सबसे पहले प्रदेश के पश्चिमांचल के 25 प्रभावित जनपदों में 28 अगस्त से रिंग टीकाकरण की प्रक्रिया शुरू की गई।

इसके बाद वायरस का प्रसार पश्चिमांचल से मध्य और पूर्वी यूपी में न हो इसके लिए पीलीभीत से इटावा तक 10 किमी. चौड़ी एवं 320 किमी. लंबी पट्टी (वैक्सीनेशन बेल्ट) बनाने का निर्णय लिया गया। बेल्ट वैक्सीनेशन में आने वाले सभी गोवंश का टीकाकरण किया गया।

इसके बाद दोबारा इटावा से औरैया तक 155 किमी. लंबी पट्टी (बेल्ट वैक्सीनेशन-2) बनाने का निर्णय लिया गया। टीकाकरण के लिए शुरू में 2 लाख टीका प्रतिदिन का लक्ष्य रखा गया, जिसे बढ़ाकर 3 लाख से 4 लाख कर दिया गया।

प्रदेश और शहर की सीमाओं पर किया गया फोकस

प्रदेश में 2 माह से भी कम समय में हुए 1.58 करोड़ टीकाकरण के लिए 2000 टीमों को लगाया गया था। चिकित्सकों की टीम द्वारा 26 जिलों में 89 डेडीकेटेड गो चिकित्सा स्थल बनाये गए। वायरस को रोकने के लिए सभी गो आश्रय स्थलों एवं गोशाला में संरक्षित गोवंश का बड़े पैमाने पर टीकाकरण करते हुए अंतर जनपदीय और अंतरराज्यीय सीमाओं पर गोवंश के टीकाकरण को प्राथमिकता दी गई। सबसे पहले पश्चिमी यूपी के जिलों एवं उसके बाद मध्य, बुंदेलखंड एवं अंत में पूर्वी उत्तर प्रदेश को टेकअप किया गया। सभी जिलों के सीमावर्ती ब्लॉकों तथा महानगरों के चारों ओर के गांव पर फोकस किया गया।

इलाहाबाद यूनिवर्सिटी के छात्रों ने किया वीसी का घेराव

एजेंसी

प्रयागराज। इलाहाबाद यूनिवर्सिटी में मंगलवार को छात्रों ने जमकर हंगामा किया। छात्रनेता अजय यादव सम्राट का प्रवेश निरस्त होने के खिलाफ छात्रों ने कुलपति कार्यालय का घेराव किया। जैसे ही कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव विश्वविद्यालय के नॉर्थ हाल के प्रवेश द्वार पर पहुंची। वहां पर पहले से मौजूद तकरीबन 12 से अधिक छात्र नारेबाजी करने लगे। सुरक्षाबलों और पुलिसकर्मियों ने विरोध किया तो छात्रनेता अजय यादव सम्राट कुलपति की गाड़ी के आगे लेट गए।

छात्रनेता अपने दाखिले और पिछले पढ़ाई की मार्क शीट को लेकर कुलपति से वार्ता करने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन कुलपति ने कोई जवाब नहीं दिया। मौके पर मौजूद भारी पुलिस बल की सहायता से सभी छात्रों को बलपूर्वक हटा दिया गया। इसके बाद [प्रोफेसर संगीता श्रीवास्तव को अंदर ले जाया गया। इस दौरान छात्रों ने उनके खिलाफ नारे लगाए। इस दौरान छात्रों की पुलिस से तीखी झड़प हुई।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के चीफ डॉक्टर हर्ष कुमार ने अजय यादव सम्राट के कैंपस में प्रवेश पर रोक लगा दी है। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि अजय यादव सम्राट एमए. में प्रवेश के लिए आवेदन किया था लेकिन न्यूनतम अर्हता पूर्ण नहीं करते लिहाजा उन्हें एमए में प्रवेश नहीं दिया जा सकता। अजय यादव के प्रवेश को लेकर के गठित एडमिशन कमेटी की बैठक 3 जून 2022 को हुई थी।

सत्र 2022-23 के लिए गठित एडमिशन कमेटी की बैठक 3 जून को हुई थी। कुलानुशासक की रिपोर्ट के आधार पर अजय यादव को प्रवेश नहीं दिया जा सकता। चीफ प्रॉक्टर ने कहा कि आपके द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में किये जा रहे निरन्तर उत्पात से पठन-पाठन समेत प्रशासनिक कार्य बाधित हो रहा है।

बिजली कर्मियों की हड़ताल, काम ठप

फतेहपुर। फतेहपुर में केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश पर विद्युत विभाग के संविदा, अवर अभियंता जूनियर इंजीनियर सहित कर्मचारियों ने काम बन्द कर अपनी मांगों को लेकर हड़ताल पर चले गए और केंद्र व प्रदेश को सख्त चेतावनी दी कि जबतक उनकी मांगें पूरी नहीं होगी। यह हड़ताल जारी रहेगी। जिला मुख्यालय स्थित हाईडिल कॉलोनी में हड़ताल पर बैठे कर्मचारी संघर्ष समिति उत्तर प्रदेश व राज्य विद्युत परिषद जूनियर इंजीनियर संगठन के नेतृत्व में संविदा कर्मचारी, अवर अभियंता, अभियंताओं ने 15 सूत्रीय मांगों को रखा। संघर्ष समिति के सह संयोजक प्रमोद कुमार सिंह, सुनील कुमार ने बताया कि हमारी प्रमुख मांग है कि सभी श्रेणी के बिजली कर्मचारियों अवर अभियंता के वेतन की समस्या दूर किया जाए, तेलंगाना, पंजाब, दिल्ली, उड़ीसा सरकार के आदेश की तरह ऊर्जा निगमों के समस्त संविदा कर्मियों को नियमित किया जाए। ट्रांसफार्मर वर्कशाप के निजीकरण का आदेश वापस लिया जाए तथा 220 केवी, 440 केवी व 765 केवी विद्युत उपकेंद्रों को आउटसोर्सिंग के माध्यम से परिचालन व अनुरक्षण के निजी काम के आदेश निरस्त किया जाए। हड़ताल पर बैठे सभी बिजली कर्मचारियों ने एक स्वर में कहा कि जबतक हम लोगों की मांग नहीं मानी जायेगी, यह हड़ताल जारी रहेगा।

मदरसों की छात्रवृति बंद करने पर नारेबाजी और प्रदर्शन

शिक्षक, पेरेंट्स और मदरसा एसोसिएशन ने सौंपा ज्ञापन

सहारनपुर। शिक्षक संघ के प्रदेशाध्यक्ष डॉ.अशोक मलिक ने कहा, देश में लाखों मुस्लिम बच्चों की छात्रवृति का डेटा पोर्टल से रिजेक्ट कर दिया। यह कक्षा एक से आठ तक के छात्रों के डेटा आरटीई (राइट टू एजुकेशन) का हवाला दिया। जबकि मदरसे आईटीई के अंतर्गत नहीं आते हैं। सरकार का यह कदम अनुचित है। चार वर्षों से आरटीई के बच्चों की फीस प्रतिपूर्ति सरकार ने निजी शिक्षण संस्थाओं को नहीं दी है। अल्पसंख्यक बच्चों की छात्रवृति बहाल को लेकर प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त विद्यालय शिक्षक संघ, अभिभावक संघ और मदरसा

आधुनिकीकरण एसोसिएशन ने संयुक्त रूप से किया।

सरकार के खिलाफ की नारेबाजी

शिक्षकों, अभिभावकों और मदरसा एसोसिएशन ने धरना स्थल पर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। धरना स्थल से नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट में पहुंचे। सरकार और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। पहले सिटी मजिस्ट्रेट बाहर नहीं आए। आंदोलनकारियों का कहना था कि यदि अधिकारी बाहर नहीं आएंगे तो उनके कार्यालय पर ज्ञापन चस्पा कर दिया जाएगा। प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री को प्रेषित 9 सूत्रीय ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंप कार्रवाई की मांग की।

गरीब बच्चों को छात्रवृति से वंचित रखना दुर्भाग्यपूर्ण

शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डा.अशोक मलिक ने कहा, निजी शिक्षण संस्थाओं का पूर्व का कर्जा देकर ही सरकार को फैसला लेना चाहिए था। गरीब, दुर्बल वर्ग के छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति से वंचित रखना बड़ा ही दुर्भाग्यपूर्ण है। निजी संस्थान 25 प्रतिशत दुर्बल वर्ग के बच्चों को पढ़ाने का काम करते हैं। मात्र 5 प्रतिशत बच्चे अल्पसंख्यक पढ़ते हैं।

बाकी 20 प्रतिशत बच्चे अन्य सभी वर्गों के आरटीई के अंतर्गत पढ़ते हैं। मध्यम वर्ग के निजी स्कूलों में 75 प्रतिशत गरीब बच्चे पढ़ते हैं। उनको केंद्र सरकार की एनएसपी नेशनल स्कॉलरशिप की योजना से लाभान्वित किया जाता था और फीस प्रतिपूर्ति आने के उपरान्त ही छात्र-छात्राएं अपनी शिक्षण संस्थाओं का शुल्क जमा करता थे।

धर्मांतरण के मामले में 9 लोग गिरफ्तार

आरोपियों के पास से धार्मिक पुस्तकें बरामद, केरल के रहने वाले है

आजमगढ़। आजमगढ़ में धर्मांतरण के मामले में पुलिस ने नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सरायमीर थाना क्षेत्र में एक दिन पहले धर्मांतरण का मामला सामने आया था। इस मामले में विशाल ने पुलिस को सूचना दी थी कि कुछ लोगो द्वारा चककोट (चकहवेली) कस्बा सरायमीर के जितेन्द्र राम पुत्र गिरधारी के घर में इसाई मिशनरियों द्वारा लोगो को बहला- फुसलाकर धर्म परिवर्तन का कार्य कराया जा रहा है। शिकायतकर्ता ने मौके पर जाकर देखा कि एक केरल का रहने वाला व्यक्ति जिसका नाम बीनू रघुनाथ (संचालक) व अपने सहयोगियों साथ मिलकर ईसाई धर्म से सम्बन्धित किताबें तथा पोस्टर से लोगो को प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन करवा रहे थे। विरोध करने पर उसे भी लालच का प्रोलभन देते हुए धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया गया। यह लोग एक गिरोह बनाकर ईसाई धर्म में परिवर्तित कराते हैं। इस मामले में एसपी ग्रामीण राहुल रूसिया ने नौ आरोपियों के गिरफ्तार होने की पुष्टि की है।

इस संबंध में सरायमीर थाने में मुकदमा दर्ज हुआ था। इस मामले में जितेंद्र राम और बीनू रघुनाथ दो नामजद और कई अज्ञात के विरूद्ध मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस इस मामले की तलाश कर रही थी। पुलिस ने आज इस मामले में नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया है, बाकी फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है। आरोपियों के कब्जे से दो बाइबिल की पुस्तक, ईसाई धर्म में परिवर्तन हेते 15 फार्म मय संलग्न भरा हुआ और पांच फार्म बिना भारा (सादा) और दो गवाही का पत्र बरामद हुआ है।

इन आरोपियों की हुई गिरफ्तारी

एसपी ग्रामीण राहुल रूसिया ने बताया कि मामले में नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में जितेंद्र राम, बीनू रघुनाथ, राज किशोर मुंडा, अखिलेश कुमार, राजराज, श्रवण भारती, दिनेश चन्द्र, सुरेंद्र प्रकाश और पिंटू मसीह को हिरासत में लेकर न्यायालय भेजा जा रहा है, जहां से इन आरोपियों को जेल भेजा जाएगा।

किशोरी के साथ दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

बागपत। उत्तर प्रदेश में बागपत जिले के बिनौली थाना क्षेत्र के एक गांव में परिवार वालों को जान से मारने की धमकी देकर छात्रा के साथ दुष्कर्म करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस क्षेत्र के एक गांव में अल्पसंख्यक समुदाय का युवक कक्षा दसवीं की छात्रा के साथ उसके माता-पिता और भाई को जान से मारने की धमकी देकर एक वर्ष तक गांव की ही एक युवती के सहयोग से नशीला पदार्थ सुंघाकर दुष्कर्म करता रहा। स्वजनों ने मामले का पता चलने पर हिंदू युवा वाहिनी कार्यकर्ताओं की मदद से बिनौली थाने पर आरोपी आदिल के खिलाफ धारा 376, 328, 506, पोक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज कराया।

बुलंदशहर के 2000 किसान करेंगे प्राकृतिक खेती

बुलंदशहर। किसानों की आमदनी दोगुनी करने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की घोषणा को मूर्त रूप देने के उद्देश्य बुलंदशहर जिले में 2000 किसान प्राकृतिक खेती करेंगे। इसके लिए कृषि विभाग ने पूरी तैयारियां कर ली है। जिला मजिस्ट्रेट चंद्र प्रकाश सिंह ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि प्राकृतिक खेती में रसायनिक खाद और कीटनाशकों का फसल उत्पादन में प्रयोग नहीं किया जाता है। खेती का हर काम प्राकृतिक ढंग में किया जाएगा। इसके लिए सरकार योजना के लिए चयनित किसान को 15000 रुपए प्रति एकड़ की दर से अनुदान देगी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी जहां किसानों की आमदनी को दोगुना करने के संकल्प को पूरा करने के लिए प्रयासरत हैं, वहीं इस संकल्प को पूरा करने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी ने किसानों की आय बढ़ाने और लागत कम करने के उद्देश्य से 20 फीसदी खेती प्राकृतिक ढंग से करने का आह्वान किसानों से किया है। इसी को मूर्त स्वरूप देने के लिए जिले के कृषि विभाग ने योजना तैयार की है उप निदेशक कृषि विपिन कुमार ने योजना की जानकारी देते हुए कहा कि शासन स्तर से 2000 हेक्टेयर जमीन में प्राकृतिक खेती कराने का लक्ष्य मिला है।

खत्म होंगे कूड़े के ढेर, बनेंगे सेल्फी पॉइंट

लखनऊ। स्वच्छ भारत मिशन नगरीय के तहत उत्तर प्रदेश में एक से तीन दिसम्बर तक अभियान चला कर 750 निकायों में कूड़ा घरों को नेस्तानाबूद कर उन स्थानों का सौंदर्यीकरण किया जायेगा। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि 'प्रतिबद्ध-75 जनपद, 75 घंटे, 750 निकाय' अभियान एक दिसंबर से शुरू किए जाने का निर्णय लिया गया है। इस अभियान के तहत प्रदेश के 750 निकायों में कूड़ा एकत्रीकरण के मद्देनजर संवेदनशील स्थानों 'गार्बेज वल्नरेबल प्वाइंट्स' को पूर्णतया विलोपित कर स्वच्छ स्थान में परिवर्तित करने की योजना है। इस अभियान को गति देने के लिए स्वच्छ भारत मिशन नगर निकाय निदेशालय की ओर से सभी नगर आयुक्तों को पत्र के जरिए समय सीमा के अंदर अभियान चलाकर उद्देश्य की पूर्ति के निर्देश जारी किए गए हैं। इन स्थानों पर सफाई के बाद सौंदर्यीकरण भी होगा और कई स्थानों को सेल्फी पॉइंट के तौर पर विकसित किया जाएगा। उन्होने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन उप्र की निदेशक नेहा शर्मा ने सभी नगर आयुक्तों एवं अधिशासी अधिकारियों को इस आशय का पत्र जारी किया है। अभियान की शुरुआत योजनाबद्ध प्रचार-प्रसार के साथ की जानी है। इसके लिए नगरीय निकाय स्तर पर गार्बेज वल्नरेबल पॉइंट्स को चिन्हित कर आवश्यक संसाधन व कार्य सुनिश्चित करना होगा। यह भी निर्देश दिया गया है कि अभियान का समापन समारोह जिलाधिकारी के मार्गदर्शन एवं अध्यक्षता में आयोजित किया जाना सुनिश्चित हो। नगर निकायों को जो निर्देश जारी किए गए हैं, उसमें कहा गया है कि अभियान के सफल संचालन के लिये आवश्यकता का आंकलन कर ट्रक, जेसीबी, मैजिक आदि संसाधनो की व्यवस्था निकायों द्वारा पूर्व में ही कर ली जाए। मिशन मोड में संचालित अभियान की रिकॉर्डिंग एवं डॉक्यूमेंटेशन भी किया जाए।

बरेली में कार हादसे में घायल पुलिस अधिकारी की मौत

बरेली। उत्तर प्रदेश में बरेली के भोजीपुरा क्षेत्र में कार की टक्कर से घायल एक पुलिस अधिकारी की मंगलवार को उपचार के दौरान मृत्यु हो गयी। पुलिस अधीक्षक देहात राज कुमार अग्रवाल ने बताया कि बरेली- नैनीताल हाईवे पर स्थित भोजीपुरा थाने में तैनात सब इंस्पेक्टर संजय सिंह सोमवार देर रात पुलिस कर्मियों के साथ भोजीपुरा टोल प्लाजा और निजी मेडिकल कॉलेज के बीच में ड्यूटी कर रहे थे। उन्होंने एक कार को रोकने के लिए हाथ दिया।.तेज गति से गुजर रही कार सब इंस्पेक्टर को टक्कर मारते हुए भाग निकली। उन्होने बताया कि पुलिसकर्मियों ने तुरंत घायल सब इंस्पेक्टर को निजी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया जहां आज भोर उन्होने दम तोड़ दिया।

उपचुनाव को प्रभावित करने के लिये अधिकारी बना रहे हैं रणनीति: अखिलेश

मैनपुरी। उत्तर प्रदेश में एक लोकसभा और दो विधानसभा सीट के लिये पांच दिसम्बर को होने वाले उपचुनाव में धांधली की आशंका जताते हुये समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि अधिकारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बड़े नेताओं के साथ बैठकें कर चुनाव को प्रभावित करने की रणनीति बना रहे हैं।

प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन में भाग लेने के बाद श्री यादव ने मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा चुनाव आयोग देखे कि मैनपुरी में लोकसभा सीट का उपचुनाव निष्पक्ष कैसे होगा। अधिकारी रात को भाजपा के बड़े नेताओं के साथ बैठक कर चुनाव को प्रभावित करने की रणनीति बना रहे हैं। व्हाट्सएप पर चल रहा है कि किसकी ड्यूटी कहां लगाई जा रही है। मुझे

रामपुर जाना पड़ रहा है, वहां पुलिस ने सपाइयों पर जुल्म की सारी हदें पार कर दी हैं।

उन्होने दावा किया कि जनता समाजवादी पार्टी के साथ है, और जनता भाजपा के सारे झूठो को बेनकाब कर देगी।

उन्होने कहा कि भाजपा से निष्पक्ष होने की उम्मीद नहीं करनी चाहिए, इनका कोई काम निष्पक्ष नहीं है, यह झूठे लोग हैं और झूठ की ही राजनीति करते हैं। यादव ने कहा कि आज भाजपा का कोई नेता मुद्दों की बात नहीं करता। इनको बेरोजगारी, मंहगाई, बिजली के बड़े दाम दिखाई नहीं देते। उन्होंने कहा कि मैनपुरी श्री मुलायम सिंह यादव (नेता जी) की कर्मस्थली रही है। उन्होंने मैनपुरी के विकास के लिए बहुत काम किये। मैंनपुरी के प्रबुद्ध लोगों ने आज उन्हें आशीर्वाद दिया है और मैनपुरी के लोगों के आशीर्वाद से पार्टी प्रत्याशी डिम्पल यादव भारी मतों से चुनाव जीतेंगी।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने मैनपुरी के गांवों में जाकर महसूस किया है कि जनता नेता जी को बहुत प्यार करती थी और मैनपुरी के लोग नेता जी को सच्ची श्रद्धांजलि डिम्पल को भारी बहुमत से जिताकर देना चाहते हैं।

सहारनपुर को मिला विकास योजनाओं की प्रगति की रैंकिंग में पहला स्थान

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश सरकार के समस्त विकास एजेंडा कार्यक्रमों एवं मुख्यमंत्री के प्राथमिकता के विकास कार्यक्रमों के लिए कार्यक्रम कार्यान्वयन विभाग ने अक्टूबर, 2022 की प्रगति के आधार पर प्रदेश के समस्त जनपदों की रैंकिंग जारी की। जिसमें सहारनपुर को रैकिंग में शत-प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम स्थान मिला।

जिलाधिकारी अखिलेश सिंह ने अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि सभी विभाग विकास योजनाओं में प्रथम स्थान बनाने का प्रयास करें। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि यह हमारे लिए बड़े गर्व का विषय है कि हमने जारी रैकिंग में प्रथम स्थान प्राप्त किया है, लेकिन अधिकारी एवं कर्मचारी इसकी निरंतरता को बनाएं रखें।

मुख्य विकास अधिकारी विजय कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि रैंकिग हेतु जनपदों में चल रहे समस्त विकास कार्यक्रमों के निर्धारित बिन्दुओं पर जनपद स्तर पर की गयी कार्यवाही एवं प्रगति को आधार बनाया गया है। उपरोक्त रैंकिग में सहारनपुर जिला ने शत-प्रतिशत अंकों के साथ प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया है। सहारनपुर मण्डल के अन्य जिले शामली और मुजफ्फरनगर क्रमश: आठवें एवं 65 वें स्थान पर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि इससे अक्टूबर, 2019 में सहारनपुर ने प्रदेश में द्वितीय स्थान प्राप्त किया था, उसके बाद तीन वर्ष बाद जनपद ने जिलाधिकारी के नेतृत्व में प्रथम स्थान प्राप्त कर नया कीर्तिमान बनाया है। जिले ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, मनरेगा, ग्रामोद्योग रोजगार सृजन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना, ऑपरेशन कायाकल्प, कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, परिवार नियोजन कार्यक्रम, आयुष्मान गोल्डन कार्ड कार्यक्रम आदि कार्यक्रमों में ए श्रेणी प्राप्त की है।

जिलाधिकारी द्वारा उक्त उपलब्धि पर विजय कुमार मुख्य विकास अधिकारी, अमित कुमार अर्थ एवं संख्याधिकारी एवं जनपदीय अधिकारियों को बधाई दी गयी। साथ ही वित्तीय वर्ष 2022-23 के अवशेष चार माह में जनपद को प्रदेश में प्रथम स्थान पर बनाये रखने हेतु सतत प्रयास करने की अपेक्षा की गयी है।

जौनपुर में विचाराधीन बंदी की उपचार के दौरान मौत

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिला कारागार में मंगलवार सुबह एक विचाराधीन बंदी की उपचार के दौरान मौत हो गई। सोमवार की रात बंदी को उपचार के लिए जिला अस्पताल भर्ती कराया गया था। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार जिले में सिकरारा थाना क्षेत्र के शेरवा गांव निवासी रामनाथ यादव धोखाधड़ी के एक मामले में जिला कारागार में निरूद्ध था। सोमवार शाम बंदी की हालत बिगड़ने पर उसे जिला अस्पताल में लाकर भर्ती किया गया और परिजनों को भी सूचना दी गई। उन्होने बताया कि 70 वर्षीय बंदी रामनाथ यादव की आज उच्च न्यायालय प्रयागराज में जमानत प्रार्थना पत्र पर न्यायालय को सुनवाई करना था लेकिन जमानत प्रार्थना पत्र पर सुनवाई होने के पूर्व मंगलवार सुबह लगभग 8: 30 बजे की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मस्क और एपल में टेंशन बढ़ी

दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क का दावा है कि एपल ने ट्विटर ऐप को आईओएस ऐप स्टोर से हटाने की धमकी दी है। मस्क ने एक ट्वीट में ये भी दावा किया कि एपल ने प्लेटफॉर्म पर ज्यादातर विज्ञापन बंद कर दिए है। मस्क ने लिखा, एपल ने ट्विटर पर ज्यादातर विज्ञापन बंद कर दिए है। क्या वे अमेरिका में फ्री स्पीच से नफरत करते हैं ?

शार्ट न्यूज

रुपया चार पैसे फिसला

मुंबई। चीन में विरोध प्रदर्शन के बाद कोविड प्रतिबंधों में ढील दिये जाने की उम्मीद से दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर में आई तेजी से आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया चार पैसे फिसलकर 81.72 रुपये प्रति डॉलर रह गया। वहीं, पिछले कारोबारी दिवस रुपया तीन पैसे चढ़कर 81.68 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। कारोबार की शुरुआत में रुपया 10 पैसे मजबूत होकर 81.58 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और बिकवाली की बदौलत 81.57 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। हालांकि लिवाली के दबाव में यह 81.74 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक टूटा। अंत में पिछले दिवस के 81.68 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में चार पैसे की गिरावट लेकर 81.72 रुपये प्रति डॉलर पर आ गया।

हरियाणा के शीर्ष प्रदूषण-नियंत्रण अधिकारी ने रियल एस्टेट क्षेत्र से निर्माण की आदर्श संहिता अपनाने को कहा

गुरुग्राम। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एचएसपीसीबी) के अध्यक्ष पी राघवेंद्र राव ने मंगलवार को रियल एस्टेट क्षेत्र की कंपनियों के शीर्ष संगठन राष्ट्रीय रियल एस्टेट विकास परिषद (एनएआरईडीसीओ) से निर्माण कार्य में प्रदूषण नियंत्रण के लिए मानदंड तय करने के लिए एक आदर्श आचार संहिता तैयार करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आदर्श संहिता अपनाने से प्रदूषण की रोकथाम के उपाय करते समय औद्योगिक एवं निर्माण गतिविधियों पर सरकारी पाबंदी लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। श्री राव गुरुग्राम में नारेडको हरियाणा रियल एस्टेट समिट 2022 और क्रेता-विक्रेता सम्पर्क कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। श्री राव ने कहा कि सुझाये गये ऐसे मॉडल कोड को अनुसंधान से संबंधित संस्थाओं द्वारा मान्य किया जाना चाहिए ताकि उनकी वैधता पर सवाल न उठाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण के लिए आदर्श संहिता का विवरण भी डेटा द्वारा समर्थित और मान्य होना चाहिए ताकि आचार संहिता में अनुशंसित मापदंडों पर बिना किसी अड़चन के विचार किया जा सके। उन्होंने उद्योग और नारेडको को सलाह भी दी कि वे अपने सदस्यों और घटकों को दोहरी ईंधन सेटों जैसे गैस सेट और जनरेटर सेट के उपयोग को अपनाने के लिए जागृत करें ताकि निर्माण गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा सके।

मोतीलाल ओसवाल समूह शापूरजी पलोनजी रियल एस्टेट परियोजना में करेगा 450 करोड़ रुपये का निवेश

मुंबई। मोतीलाल ओसवाल अल्टरनेट्स (एमओए), की वैकल्पिक निवेश शाखा मोतीलाल ओसवाल ग्रुप ने शापूरजी पलोनजी रियल एस्टेट की दो परियोजनाओं के लिए तय तरीके से 450 करोड़ रुपये के कर्ज देने की प्रतिबद्धता जतायी है। यह जानकारी मोतीलाल ओसवाल समूह की सोमवार को जारी एक विज्ञप्ति में दी गयी। बयान के मुताबिक यह निवेश दो परियोजनाओं में किया जाएगा, जिनमें से एक परियोजना दिल्ली के पास मानेसर में पट्टे वाली एक वाणिज्यिक परियोजना है जो आंशिक रूप से पूर्ण हो चुकी है। दूसरी परियोजना 2021 में शुरू की गयी एक आवासीय टाउनशिप परियोजना है और इसकी बिक्री उत्साहजनक है। बयान में कहा गया है कि व्यवस्थित ऋण अनुबंध के अनुसार किया जाएगा। शापूरजी पलोनजी रियल एस्टेट इस धन का उपयोग परियोजना के लिए कार्यशील पूंजी, ऋण की अदायगी और वित्तीय परियोजना पूरी करने के लिए करेगा। एमओए वर्तमान में पांच रियल एस्टेट फंड और कई अलग-अलग गैर परिवर्तनीय रिण-पत्र निवेश योजनाओं का प्रबंधन करता है।कंपनी इस समय 6,000 करोड़ रुपये की निवेश सम्पत्तियों का प्रबंध कर रही है। एमओए के रियल एस्टेट फंड्स के मुख्य कार्यकारी शरद मित्तल ने यह जानकारी देते हुए कहा, हमने अपने मंच के जरिए शापूरजी पलोनजी रियल एस्टेट के साथ हाल ही में एक अनुबंध किया है। यह उसके साथ हमारा पहला निवेश है।

एयरटेल ने पटना में शुरू की 5जी प्लस सेवा

नयी दिल्ली। निजी क्षेत्र की प्रमुख दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी भारती एयरटेल ने बिहार की राजधानी पटना में दूरसंचार नेटवर्क की बहुप्रतीक्षित पांचवीं पीढ़ी '5जी' प्लस सेवा आज लॉन्च कर दी। भारती एयरटेल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (बिहार, झारखंड और ओडिशा) अनुपम अरोड़ा ने सोमवार को 5जी सेवा को लॉन्च करने के बाद कहा, मैं पटना में एयरटेल 5जी प्लस के लॉन्च की घोषणा करते हुए रोमांचित हूं। एयरटेल के ग्राहक अब मौजूदा 4जी स्पीड से 20-30 गुना अधिक तक की गति के साथ एक अल्ट्राफास्ट नेटवर्क का उपयोग कर सकते हैं। हम पूरे शहर में इसका विस्तार करने की प्रक्रिया में हैं, जो हमारे ग्राहकों को गेमिंग, मल्टीपल चैट, इंस्टेंट फोटो अपलोड और एचडी वीडियो स्ट्रीमिंग जैसी गतिविधियों के लिए तीव्र एक्सेस प्रदान करेगा। अरोड़ा ने बताया कि जैसे-जैसे कंपनी अपने नेटवर्क का निर्माण और उसकी शुरुआत कर रही है, एयरटेल 5जी प्लस सेवाएं चरणबद्ध तरीके से ग्राहकों के लिए उपलब्ध होती जा रही हैं। 5जी सक्षम डिवाइस वाले ग्राहक बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के तेज़ एयरटेल 5जी प्लस नेटवर्क का उपयोग तब तक कर सकते हैं जब तक कि रोलआउट अधिक व्यापक न हो जाए। एयरटेल की सेवाएं पटना साहिब गुरूद्वारा, पटना रेलवे स्टेशन, डाक बंगला, मौर्या लोक, बेली रोड, बोरिंग रोड, सिटी सेंटर मॉल, पाटिलपुत्र इंड्रस्ट्रियल एरिया सहित कुछ चुनिंदा स्थानों पर उपलब्ध है। एयरटेल पूरे शहर में अपनी सेवाओं को उपलब्ध कराने के लिए नेटवर्क का विस्तार कर रही है।

शक्ति नीति के तहत पांच साल में 4500 मेगावाट बिजली की खरीद की योजना

नयी दिल्ली। बिजली की कमी का सामना कर रहे राज्यों की मदद करने और उत्पादन संयंत्रों को उनकी क्षमता बढ़ाने में मदद करने की योजना के तहत पीएफसी कंसल्टिंग लिमिटेड ने 4,500 मेगावाट की आपूर्ति के लिए बोलियां आमंत्रित की हैं। यह जानकारी बिजली मंत्रायल की एक विज्ञप्ति में दी गयी है। बिजली आपूर्ति निविदा जमा कराने की अंतिम तिथि 21 दिसंबर है। पीएफसी कंसल्टिंग लिमिटेड (पीएफसी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी) है। विज्ञप्ति के अनुसार यह निविदा शक्ति नीति के शक्ति नीति के पैरा (5) के तहत पहली बार जारी की गयी है और इसके तहत बिजली की आपूर्ति अप्रैल 2023 से शुरू हो जाएगी। बयान के अनुसार कोयला मंत्रालय से इसके लिए सालाना लगभग 27 लाख टन कोयला आवंटित करने काने का अनुरोध किया गया है। विद्युत मंत्रालय ने शक्ति नीति के पैरा बी (5) के तहत प्रतिस्पर्धी आधार पर या वित्त, स्वामित्व और संचालन (एफओओ) के आधार पर 4500 मेगावाट की कुल बिजली खरीद के लिए एक योजना शुरू की है। बयान के मुताबिक इस योजना में गुजरात ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड, महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, मध्य प्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड, नयी दिल्ली नगर निगम और तमिलनाडु जनरेशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने रुचि दिखायी है।

हमारे शिल्पकार भारत की विरासत के राजदूत, संस्कृति के प्रकाश स्तंभ : धनखड़

नयी दिल्ली। उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को यहां कपड़ा मंत्रालय द्वारा आयोजित शिल्प गुरु और राष्ट्रीय पुरस्कार वितरण समारोह में देश के शिल्पकारों को भारत की विरासत का राजदूत और संस्कृति के प्रकाश-स्तंभ की संज्ञा दी। इस कार्यक्रम को कपड़ा, वाणिज्य एवं उद्योग तथा खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री पीयूष गोयल ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में देश भर से अपने-अपने क्षेत्र में सिद्धहस्त शिल्पकारों को वर्ष 2017, 2018 और 2019 के लिए 30 शिल्प गुरु पुरस्कार और 78 राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किए गए, जिनमें से 36 महिलाएं हैं। इन पुरस्कारों का मुख्य उद्देश्य शिल्प कौशल में उनकी उत्कृष्टता और भारतीय हस्तशिल्प और वस्त्र क्षेत्र में बहुमूल्य योगदान के लिए मान्यता देना है। कोविड19 महामारी के संकट के दौरान समारोह बीच में भौतिक रूप से नहीं हो सकता था।

रॉश फार्मा ने कैंसर पीड़ितों के लिए लॉन्च किया पेशेंट सपोर्ट ऐप

नयी दिल्ली। रॉश फार्मा इंडिया ने आज कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से पीड़ित उन मरीजों के लिए अपना नया डिजिटल प्रोग्राम द ब्लू ट्री 2.0 मोबाइल ऐप लॉन्च किया, जो भारत में रॉश के ब्लू ट्री पेशेंट सपोर्ट प्रोग्राम का हिस्सा हैं।

यह मोबाइल ऐप एंड्रॉयड और आईओएस दोनों प्लेटफॉर्म पर मौजूद है। यह ऐप मरीजों के लिए कई पेशेंट सपोर्ट सर्विसेज तक आसानी से पहुंच उपलब्ध कराएगा, जिससे उनके इलाज का सफर ज्यादा आसान बन सकेगा। इस ऐप का मकसद मरीजों के इनरोलमेंट में तेजी लाकर रोगियों और स्वास्थ्य रक्षा कर्मियों के अनुभव को बेहतर बनाना था। यह ऐप मरीजों को कई सपोर्ट सेवाओं तक आसान पहुंच उपलब्ध कराता है और उन्हें इसके लिए एडवांस में नोटिफिकेशन देता है। यह कार्यक्रम का दायरा और पहुंच बढ़ाता है, जिससे ज्यादा से ज्यादा मरीजों को यह सुविधाएं मिल सकें। इससे खासतौर से दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले मरीजों को फायदा होता है। यह ऐप मरीजों को इस सपोर्ट प्रोग्राम के सफर को अपने फोन से सीधे मैनेज करने की इजाजत देता है।

मरीज इस मोबाइल ऐप के माध्यम से प्रमुख ब्लू ट्री प्रोग्राम के कई फीचरों और लाभ उठा सकते हैं। इसमें मरीजों का डिजिटल इनरोलमेंट किया जाता है। इसमें एक इनरोलमेंट ट्रैकर होता है, जो यह संकेत देता है कि यह कार्यक्रम कितने फीसदी तक पूरा हो गया है। इसमें मरीज मुफ्त में दवाई की मदद प्राप्त करने के लिए अपना अनुरोध दे सकते हैं, जिसे रॉश के मरीजों की मदद करने के कार्यक्रम के हिस्से के तौर पर उपलब्ध कराया जाता है। मरीजों को दवाइयों की डिलिवरी उनके घर के दरवाजे पर मिलती है। इसमें एक लाइव ऑर्डर ट्रैकर भी है, जिससे आपको यह पता चलता है कि आपकी दवाएं अभी कहां हैं और वह कब तक आप तक पहुंचेंगी। इससे

मरीजों को उनके आगामी इन्फ्यूजन शेड्यूल के बारे में एडवांस नोटिफिकेशन मिलती है। इसके अलावा उन्हें तरह-तरह की बीमारियों के टेस्ट और परामर्श जैसे दूसरी मूल्य वर्धित सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाती हैं। मरीज केवल एक बटन को क्लिक कर भावनात्मक सेहत, फिजियोथैरैपी और पौष्टिक भोजन आदि के बारे में विशेषज्ञों से मुफ्त परामर्श के लिए अपॉइंटमेंट बुक करा सकते हैं। मरीज मुफ्त डायग्नोस्टिक्स सपोर्ट सर्विस के लिए बुकिंग करा सकते हैं। इसमें फाउंडेशन मेडिसिन की संपूर्ण जीनोमिक प्रोफाइलिंग शामिल है, जिससे कैंसर मामले में किसी मरीज के व्यक्तिगत और प्रभावी इलाज पर फैसला लेने में मदद मिलती है।

इसको गूगल प्ले स्टोर या एप्?पल आईओएस स्टोर से ब्लू ट्री मोबाइल एप्लिकेशन को डाउनलोड किया जा सकता है।

कंपनी के प्रबंध निदेशक और सीईओ वी सिंपसन इमैनुएल ने लॉन्?च के मौके पर कहा, इस ऐप की पेशकश मरीजों को तरह-तरह के प्रभावी और उन तक आसा पहुंच वाले इलाज के समाधान प्रदान करने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म और मोबाइल ऐप्लिकेशन का लाभ उठाने के लक्ष्य की ओर संकेत करती है, जिसमें मरीजों को पेशेंट सपोर्ट प्रोग्राम भी प्रदान करना शामिल है। रॉश में हम केवल मरीजों का इलाज ही नहीं करते, बल्कि हम मरीजों और उनके परिवारों के साथ लंबा सफर तय करते हैं। हम मरीजों के इलाज के सफर में उनकी तरह-तरह की स्वास्थ्य रक्षा की जरूरतों को पहचानते हैं और उनका बेहतर तरीके से समाधान करने की उम्मीद रखते हैं। अपने महत्वपूर्ण पेशेंट सपोर्ट प्रोग्राम द ब्लू ट्री के लिए एक तकनीकी प्लेटफॉर्म प्रदान कर हम मरीजों की जिंदगी को बदलने की प्रतिबद्धता को पूरी करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा रहे हैं। इस तरह हम मरीजों की खास जरूरतों को पूरा कर रहे हैं और उनके इलाज को सफर को आसान बना रहे हैं।

उन्होंने बताया कि मरीजों के लिए उनके इलाज के सफर को वास्तव में एकीकृत अनुभव बनाते हुए रॉश ने टाटा 1 एमजी से साझेदारी की है, जो पूरी तरह से ब्लू ट्री प्रोग्राम का प्रबंधन देखती है। मरीजों के घर दवाओं और दूसरे चिकित्सा उपकरणों की डिलिवरी वर्धमान और आईएमएस करते हैं। मरीजों को यह सर्विस विभिन्न सर्विस प्रोवाइडर्स की ओर से मुहैया कराई जाती है, जिससे टाटा1 एमजी मरीजों के लिए अपने साथ शामिल करता है। रॉश फार्मा इंडिया ने मरीजों की जरूरत पर क्रेंद्रित यह मोबाइल ऐप बनाने के लिए प्रमुख स्मार्ट टेक सोल्यूशन प्रोवाइडर कंपनी माउरी टेक से साझेदारी की है। भविष्य में इस ऐप में कई नए फीचर्स जोड़ने की योजना बनाई है, जिसमें एचसीपी, अस्पताल और डिस्ट्रिब्यूटर के लिए वर्जन एक्सटेंशन शामिल हैं।

किआ ने लॉन्च किया अपना सर्टिफाइड प्री-ओन्ड कार बिजनेस 'किआ सीपीओ'

नयी दिल्ली। कार निर्माता कंपनी किआ इंडिया ने ग्राहकों के लिए अपने सर्टिफाइड प्री-ओन्ड कार बिजनेस किआ सीपीओ की शुरुआत की आज घोषणा की।

कंपनी ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि एक्सक्लूसिव किआ सीपीओ आउटलेट के साथ कंपनी का इरादा ग्राहकों को नई कार खरीदने जैसा एक नया अनुभव प्रदान करना है। यहां ग्राहक झंझट मुक्त ओनरशिप ट्रांसफर और कस्टमाइज्ड फाइनेंस विकल्पों के साथ ही कस्टमाइज्ड प्री-ओन्ड कारों को बेचने, खरीदने या एक्सचेंज करने की सुविधा मिलेगी। कंपनी ने रियल टाइम डेटा इंटीग्रेशन और साइंटिफिक प्राइस सजेशन के साथ इंडस्ट्री का बेस्ट डिजिटल इवेल्युएशन मोबाइल एप्लिकेशन भी

पेश किया है।

सर्टिफाइड और किआ सीपीओ के माध्यम से बेची जाने वाली सभी किआ कारों की उम्र पांच साल से कम उम्र की और एक लाख किलोमीटर के माइलेज वाली होंगी। ग्राहकों के हाथों में पहुंचने से पहले इन सभी कारों को कॉम्प्रिहेंसिव 175 प्वाइंट क्वालिटी टेस्ट से गुजरना होगा।

इन कारों में कोई स्ट्रक्चरल डैमेज नहीं होगा। साथ ही इनकी वेरिफाइड ओनरशिप और सर्विस हिस्ट्री होगी। इसके अलावा केवल किआ के असली पुर्जों के साथ इनका नवीनीकरण किया जाएगा। किआ सीपीओ के जरिए बेची जाने वाली कारों के साथ ग्राहकों को दो साल और 40,000 किलोमीटर तक का वारंटी कवरेज तथा अधिकतम चार फ्री पीरियोडिक मेंटेनेंस की सुविधा मिलेगी।

किआ इंडिया के मुख्य बिक्री अधिकारी मायुंग-सिक सोहन ने कहा, किआ सीपीओ के साथ हम प्री-ओन्ड कार बाजार में नई इबारत लिखना चाहते हैं। वर्तमान में जब प्री ओन्ड कारों की बात आती है तो भारतीय ग्राहकों के पास बहुत कम सर्टिफाइड और वेरिफाइड जानकारी होती है। इस कारोबार में कदम रखने के साथ ही हम कारोबार की इस धारणा को बदलना चाहते हैं।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों आई तेजी के बावजूद देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें मंगलवार को भी स्थिर रही। अंतरराष्ट्रीय बाजार में लंदन ब्रेंट क्रूड आज 2.32 प्रतिशत उबलकर 85.12 डॉलर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 2.05 प्रतिशत की तेजी लेकर 78.82 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। घरेलू स्तर पर तेल विपणन कंपनी भारत पेट्रोलियम के अनुसार, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आज भी टिकाव रहा। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। देश में पांच महीने से अधिक समय से ईंधन की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। मुंबई में पेट्रोल के दाम 106.31 रुपये प्रति लीटर और और डीजल की कीमत 94.27 रुपये प्रति लीटर है।

हरियाणा के उद्योगों की बिजली से संबंधित समस्याओं का समाधान जल्द : रंजीत सिंह

गुरुग्राम। हरियाणा के बिजली मंत्री रंजीत सिंह ने मंगलवार को कहा कि हरियाणा सरकार उद्योग और अन्य डेवलपर के लिए बिजली से संबंधित सभी समस्याओं को हल करने की पूरी कोशिश करेगी ताकि राज्य का आर्थिक विकास प्रभावित न हो। वह यहां नारेडको-हरियाणा रियल एस्टेट शिखर सम्मेलन 2022 और क्रेता-विक्रेता सम्पर्क कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। सिंह ने इस अवसर पर उद्यमियों को आश्वासन देते हुए कहा, राज्य मंत्रिमंडल की बैठक दिसंबर, 2022 के पहले सप्ताह में आयोजित की जाएगी, जिसमें हरियाणा में बिजली की समस्या के समाधान के लिए सभी तरह के प्रबंध पूरे कर लिए जाएंगे। बिजली मंत्री ने रियल एस्टेट डेवलपर और बिल्डरों को बिजली सेक्टर के सरकारी अधिकारियों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित कराने और उन्हें उनकी समस्याओं से अवगत कराने का आश्वासन दिया, ताकि उनका समाधान बिना किसी रुकावट के हो और राज्य के आर्थिक विकास के लिए बिजली की आपूर्ति बनी रहे। रियल एस्टेट कंपनियों के संगठन नारेडको के चेयरमैन प्रवीण जैन ने राज्य के नीति निर्माताओं द्वारा कुछ नई पहलों को शुरू किए जाने की जरूरत है ताकि सरकार और उद्योग के बीच तालमेल विकसित होता है और राज्य अपने आर्थिक विकास में आगे बढ़े। नारेडको के वाइस चेयरमैन निरंजन हीरानंदानी ने अपने संबोधन में जोर देकर कहा कि अगर रियल एस्टेट सेक्टर का राष्ट्रीय जीडीपी में योगदान 2030 तक 15 प्रतिशत तक पहुंचना है, तो हर साल रियल एस्टेट सेक्टर को 25 प्रतिशत की दर से बढ़ना होगा ताकि भारत 2030 तक पांच हजार अरब डालर की अर्थव्यवस्था बनाने में सक्षम हो सके।

ऑडियो देखकर स्मार्टफोन चुनना पसंद करते हैं उपभोक्ता

एजेंसी

नयी दिल्ली। डिजिटल सेवा उपभोक्ता खासकर तकनीक के जानकार सप्ताह में 20 घंटे से अधिक समय इंटरनेट पर मौजूद सामग्री देखते हैं और पिछले तीन सालों में प्रीमियम खास ऑडियो चाहने वाले लोगों की संख्या में 11 प्रतिशत की वृद्धि हुयी है।

स्मार्टफोन उपयोगकर्ता के बीच ऑडियो के महत्व पर किए गए एक विस्तृत सर्वेक्षण के तीसरे संस्करण में बताया गया कि ऑडियो क्वालिटी सबसे महत्वपूर्ण है जिसने 100 में से 71 अंक प्राप्त किए और यह स्मार्टफोन खरीदने के लिए उपभोक्ता के निर्णय को प्रभावित करती है। ऑडियो क्वालिटी के लिए महत्व के अंक वर्ष 2020-2022 के बीच आठ प्रतिशत बढ़ा है। डॉल्बी द्वारा चालू इस सर्वेक्षण में ऑडियो के बाद बैटरी के अंक 67 और कैमरे ने 62 अंक प्राप्त किए। वर्ष 2020 में पहला सीएमआर सर्वे किया गया था।

सर्वेक्षण के अनुसार, हर पांच में से चार उपभोक्ताओं ने कहा कि बेहतर साउंड और पिक्चर क्वालिटी से उनकी वीडियो देखने की अवधि बढ़ी है और छः में से पांच उपभोक्ताओं को लगता है कि डॉल्बी एटमॉस एवं डॉल्बी विजन से मोबाइल मनोरंजन की अवधि में बढ़ोतरी होगी जबकि इससे अनुदान के लिए तय करने वाले निर्णय में फर्क पड़ेगा।

टाटा समूह करेगा एयर इंडिया, विस्तारा का विलय

मुंबई। टाटा सन्स और सिंगापुर एयरलाइन्स (एसआईए) ने मंगलवार को विस्तारा एयरलाइन्स का एयर इंडिया में विलय करने की घोषणा की। यह निर्णय टाटा समूह द्वारा अपने एयरलाइन कारोबार के पुनर्गठन की दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है।

कंपनियों ने एक बयान में कहा कि यह विलय प्रक्रिया नियामक की मंजूरी मिलने के बाद मार्च 2024 तक पूरी कर ली जाएगी। इस सौदे के अंतर्गत एसआईए एयर इंडिया में 2,059 करोड़ रुपये का निवेश करेगी और 25.1 प्रतिशत की हिस्सेदारी होगी बाकी 74.9 प्रतिशत शेयर टाटा संस के पास होंगे। इस विलय से एयर इंडिया के बेड़े में विमानों की संख्या 218 हो जाएगी और यह देश की सबसे बड़ी

अंतरराष्ट्रीय उड़ान सेवा देने वाली कंपनी और घरेलू मार्ग पर इंडिगो के बाद दूसरी सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी बन जाएगी।

टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने एक बयान में कहा, एयर इंडिया को सच्चे रूप में एक विश्व स्तरीय एयरलाइन बनाने की यात्रा ने विस्तारा का एयर इंडिया में यह विलय एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।

उन्होंने कहा, हम, सिंगापुर एयरलाइन्स का धन्यवाद करते हैं कि वह हमारे साथ अपनी भागीदारी बनाए हुए हैं। इस विलय से एयर इंडिया एक मजबूत एयरलाइन बनकर उभरेगी और घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर संपूर्ण एवं किफायती दोनों तरह की सेवाएं प्रदान करेगी।

एसआईए के मुख्य अधिशासी अधिकारी (सीईओ) गोह चून फोंग ने कहा, टाटा संस भारत के सबसे मजबूत और सम्मानित नामों में एक है। हमने मिलकर 2013 में विस्तारा की स्थापना की थी और वह थोड़े ही समय में देश की पूर्ण सेवा देने वाली एक प्रमुख एयरलाइन बन गयी। इस विलय से हमें टाटा के साथ संबंधों को और गहरा बनाने तथा भारत के विमानन बाजार में वृद्धि के एक नए रोमांचक दौर में सीधे भाग लेने का अवसर प्रदान करता है। हम एयर इंडिया के कायाकल्प के कार्यक्रम की मिलकर मदद करेंगे और दुनिया की एक प्रमुख एयरलाइन का अपना स्थान फिर हासिल करने में इसकी मदद करेंगे।

टाटा संस ने इस वर्ष 27 जनवरी को एयर इंडिया का अधिग्रहण किया था। विस्तारा में टाटा संस की हिस्सेदारी 51 प्रतिशत और एसआईए की हिस्सेदारी 49 प्रतिशत है।

मेटा करेगी फिक्की के एक्सआर ओपन सोर्स फेलोशिप प्रोग्राम की मदद

नयी दिल्ली। एक्सआर प्रौद्योगिकियों के विकास में भारत के योगदान में तेजी लाने की अपनी प्रतिबद्धता के अंतर्गत मेटा एक्सआर ओपन सोर्स (एक्सआरओएस) फेलोशिप प्रोग्राम के लिए 10 लाख डालर के साथ उद्योग मंडल फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) की मदद कर रहा है।

मेटा की एक विज्ञप्ति के अनुसार फिक्की द्वारा संचालित, एक्सआरओएस, एक्सआर (विस्तारित वास्तविकता) प्रौद्योगिकियों पर काम कर रहे 100 भारतीय डेवलपर को फेलोशिप प्रदान करके उनकी मदद करेगा। इस मदद में वजीफा और सलाह शामिल है। इस कार्यक्रम में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (मइटी) की एक पहल, राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस डिवीजन, कार्यक्रम का तकनीकी भागीदार होगी। बयान में कहा गया है कि यह कार्यक्रम डेवलपर को एक्सआर तकनीक से संबंधित ओपन सोर्स प्रोजेक्ट में योगदान देने में मदद करेगा और भारतीय भाषाओं के लिए किफायती, उपयुक्त और स्थानीयकृत भारत विशिष्ट समाधानों की नींव रखेगा। फिक्की के साथ यहां मंगलवार को आयोजित एक कार्यक्रम में मेटा के वैश्विक मामलों के प्रेसिडेंट निक क्लेग, एक्सआर ओपन सोर्स जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से हम इन रोमांचक प्रौद्योगिकियों पर काम कर रहे भारतीय डेवलपर का समर्थन करेंगे। उनकी प्रतिभा, अंतर्दृष्टि और प्रयास के साथ, हम यह सुनिश्चित करने की आशा करते हैं कि अगली पीढ़ी की इंटरनेट प्रौद्योगिकियां एक खुले, सहयोगी और सुलभ तरीके से निर्मित हों।

मेटा-फिक्की कार्यक्रम के उद्घाटन के इस अवसर पर केंद्र सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. अजय कुमार सूद ने कहा, इस दशक को 'भारत के टेकेड' (तकनीकी प्रगति का भारत का दशक) बनाने का सपना तभी हासिल किया जा सकता है, जब टीयर 2 और टीयर 3 शहरों के युवा डेवलपर और स्टार्ट-अप्स शामिल हों। मुझे खुशी है कि फिक्की और मेटा इस पहल की शुरुआत कर रहे हैं, जो न केवल डेवलपर को मौद्रिक प्रोत्साहन प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करेगा बल्कि इमर्सिव प्रौद्योगिकियों के निर्माण के लिए सही सलाह के साथ उनका समर्थन भी करेगा।

फिक्की की समिति के सदस्य एवं भारत में सिंडीकेटम रिन्यूएबल एनर्जी के प्रमुख डेविन नारंग ने कहा कि यह कार्यक्रम 2025 तक भारत को दुनिया की अग्रणी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप भविष्य की प्रौद्योगिकियों में निवेश के विकास को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक प्रोत्साहन प्रदान करेगा।

बीपीसीएल ने सड़क बनाने के लिए 250 टन अपशिष्ट प्लास्टिक को किया रीसाइकल

मुंबई। सरकारी क्षेत्र की 'महारत्न' तेल विपणन कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने सोमवार को कहा कि उसने 250 टन प्लास्टिक के कचरे का पुनर्चक्रण कर उससे सड़क निर्माण की सामग्री तैयार की है। कंपनी के अनुसार इस सामग्री से 27,000 वर्गमीटर सड़क का निर्माण किया गया है। कंपनी की सोमवार को जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक इस सामग्री का उपयोग बीपीसीएल के कॉर्पोरेट रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर (सीआरडीसी) द्वारा विकसित वेस्ट प्लास्टिक रोड (डब्ल्यूपीआर) के निर्माण में किया गया है। यह पहल पर्यावरण पर किसी भी प्रतिकूल प्रभाव को कम करने और खाद्य श्रृखला में इसके प्रवेश को रोकने के लिए उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों में से एक है। कंपनी के अनुसार इस पहल से संगठन को आगे उनके 'निवल शून्य' कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्यों को पूरा करने और 'स्वच्छ भारत मिशन' अभियान में मदद मिलने की उम्मीद है। बीपीसीएल को लगता है कि सड़क निर्माण बुनियादी ढांचे मिशन में इस पहल का विस्तार न केवल अपशिष्ट प्लास्टिक प्रबंधन के मुद्दे को दूर करने में सहायक साबित होगा, बल्कि जीएचजी उत्सर्जन को और कम करेगा और सर्कुलर इकोनॉमी को बढ़ावा देगा।

उबर ने शुरू की यात्री, चालक के लिए तकनीक आधारित नयी सुविधाएं

नयी दिल्ली। टैक्सी क्षेत्र में व्यापार करने वाली अंतरराष्ट्रीय कंपनी उबर ने अपने अभियान 'स्टैंडिंग फॉर सेफ्टी' (सुरक्षा के लिए तत्पर) के तहत तकनीक आधारित फीचर पेश किए हैं। उबर इंडिया के अधिकारियों ने मंगलवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में बताया कि कंपनी ने ग्राहकों के लिए ऑडियो रियर सीटबेल्ट रिमाइंडर पेश किया है जिससे पीछे की सीट पर बैठे लोगों और चालक को यात्रा की शुरुआत में सीटबेल्ट लगाने की सूचना दी जाएगी। कंपनी के एसओएस इंटीग्रेशन से चालक और यात्री आपातकालीन स्थिति में एक बटन दबाकर स्थानीय पुलिस स्टेशन से जुड़ जाएंगे। यह सुविधा अभी केवल हैदराबाद में है जिसे देश के प्रमुख शहरों में जल्द शुरू किया जाएगा। दिल्ली पुलिस के अतिरिक्त आयुक्त महेश भारद्ववाज ने इस मौके पर कहा कि उबर बहुत अच्छी सेवा प्रदान कर रही है और दिल्ली पुलिस यात्रियों की सुरक्षा आदि मामलों में उबर के साथ पूरा सहयोग करेगी। उन्होंने कहा कि कुछ चालक यातायात नियमों का उल्लंघन करते हैं जिन्हें चिह्नित करते हुए उन पर लगाम लगाने की जरूरत है।

एफएमसीजी समूह ने बरकरार रखी शेयर बाजार की तेजी

एजेंसी

मुंबई। चीन में विरोध प्रदर्शन के बाद कोविड प्रतिबंधों में ढील दिये जाने की उम्मीद से एशियाई बाजारों में आई तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर एफएमसीजी सहित ग्यारह समूहों में हुई लिवाली की बदौलत शेयर बाजार में आज लगातार चौथे दिन तेजी बरकरार रही।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 177.04 अंक अर्थात 0.28 प्रतिशत की तेजी लेकर 62681.84 अंक के सार्वकालिक नये स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 55.30 अंक यानी 0.30 प्रतिशत चढ़कर 18618.05 अंक पर पहुंच गया। हालांकि दिग्गज कंपनियों के विपरीत मझौली और छोटी कंपनियों में बिकवाली होने से बीएसई का मिडकैप 0.39 प्रतिशत की गिरावट लेकर 25,679.73 अंक और स्मॉलकैप 0.29 प्रतिशत गिरकर 29,341.21 अंक पर आ गया।

इस दौरान बीएसई में कुल 3627 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1715 में तेजी जबकि 1764 में गिरावट रही वहीं 148 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में 22 कंपनियों में लिवाली जबकि शेष 28 में बिकवाली हुई।

बीएसई में एफएमसीजी के सर्वाधिक 1.73 प्रतिशत की तेजी सहित कुल ग्यारह समूहों में बढ़त रही। इस दौरान कमोडिटीज 0.19, वित्तीय सेवाएं 0.08, हेल्थकेयर 0.54, आईटी 0.13, यूटिलिटीज 0.22, बैंकिंग 0.12, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.58, धातु 0.57, पावर 0.15 और टेक समूह के शेयर 0.06 प्रतिशत मजबूत रहे।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.55, हांगकांग का हैंगसेंग 5.24 और चीन के शंघाई कंपोजिट ने 2.31 प्रतिशत की छलांग लगाई। वहीं, जर्मनी का डैक्स 0.27 और जापान का निक्केई 0.48 प्रतिशत गिर गया।

कारोबार की शुरुआत में सेंसेक्स 143 अंक की गिरावट लेकर 62,362.08 अंक पर खुला और यही इसका दिवस का निचला स्तर भी रहा। इसके बाद हुई लिवाली की बदौलत दोपहर बाद यह 62,887.40 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में पिछले दिवस के 62,504.80 अंक के मुकाबले 0.28 प्रतिशत चढ़कर 62,681.84 अंक पर पहुंच गया।

रिटायर होने जा रहे पाक आर्मी चीफ का पैगाम

पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल कमर जावेद बाजवा मंगलवार को रिटायर होने जा रहे हैं। कल एक प्रोग्राम के दौरान बाजवा नए आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर को चार्ज सौंप देंगे। पद छोड़ने से पहले बाजवा ने फौज को एक अहम पैगाम दिया। कहा- मुल्क के 70 साल के इतिहास में पहली बार हमने सियासत से दूरी बनाने का फैसला किया है।

नई दिल्ली

बुधवार 30 नवंबर 2022

Www.gauravshalibharat.com

शार्ट न्यूज

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेताओं ने दी शहीदों को श्रृद्धांजलि

नयी दिल्ली। साल 2022 के राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कोच और एथलीटों ने पुरस्कार समारोह से एक दिन पहले मंगलवार को यहां राष्ट्रीय युद्ध स्मारक का दौरा करके देश के शहीद सैनिकों को श्रृद्धांजलि अर्पित की। युद्ध स्मारक का दौरा करने वाले कुछ प्रमुख एथलीटों में मुक्केबाज निकहत ज़रीन, बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन, एचएस प्रणय, स्टीपलचेज़र अविनाश साबले और युवा ग्रैंडमास्टर रमेशबाबू प्रगनानंद शामिल थे। पुरस्कार विजेताओं ने अपनी यात्रा के दौरान वीरता चक्र का दौरा किया। यहां उन्होंने वे छह कांस्य भित्ति चित्र देखे जो आज़ादी के बाद हुए विभिन्न ऐतिहासिक युद्धों को दर्शाते हैं। उल्लेखनीय है कि इस साल 40 से अधिक खेल पुरस्कार दिये जा रहे हैं जिनमें एक मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार, 25 अर्जुन पुरस्कार और सात द्रोणाचार्य पुरस्कार शामिल हैं।

अहबाब की संघर्षपूर्ण जीत

नयी दिल्ली। अहबाब फुटबॉल क्लब ने मंगलवार को फुटबाल दिल्ली सीनियर डिवीजन लीग में दिल्ली टाइगर्स को 2-1 हराकर अपना सुपर-6 अभियान शुरू किया। नेहरू स्टेडियम पर खेले गये मुकाबले में विजेता टीम के लिये लालनुंजामा और चंद्रा तमांग ने गोल जमाये। पराजित टीम का गोल करन ने किया। उतार चढ़ाव वाले मैच में अहबाब के फॉरवर्ड ने कई अच्छे हमले किये लेकिन टाइगर्स के गोलकीपर अब्बास ने भी शानदार रक्षण करके हार के अंतर को न्यूनतम रखा। अहबाब के चंद्रा तमांग को मैन ऑफ द मैच आंका गया। सीनियर डिवीजन लीग में बुधवार को खेले जाने वाले मैचों में दिल्ली यूनाइटेड एफसी का सामना सिटी एफसी से होगा जबकि यंगमेन एफसी को यूनाइटेड भारत एफसी की चुनौती का सामना करना है।

हमारी टीम में कोई कायर नहीं है : कमिंस

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया टेस्ट टीम के कप्तान पैट कमिंस ने पूर्व कोच जस्टिन लैंगर के विवादित बयान पर चुप्पी तोड़ते हुए मंगलवार को कहा कि उनकी टीम में कोई कायर नहीं है। लैंगर ने एक हालिया साक्षात्कार में कहा था कि उनकी कोचिंग को लेकर मीडिया में छुपकर बयान देने वाले खिलाड़ी कायर थे। पूर्व कोच लैंगर ने कहा था, सभी (कोचिंग कार्यकाल के दौरान) मेरे सामने अच्छा व्यवहार कर रहे थे, लेकिन मैं साथ ही अखबार भी पढ़ रहा था और अपने बच्चों की कसम, आधे से ज्यादा चीजों पर विश्वास करना मुश्किल है। कई पत्रकार 'सूत्र' शब्द का प्रयोग करते हैं। मैं कहता हूं कि उस शब्द को बदलकर 'कायर' कर देना चाहिये। कमिंस ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए संवाददाताओं से कहा, ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में कोई कायर नहीं है, कभी था भी नहीं। मैं कभी भी निजी बातों को किसी के सामने ज़ाहिर नहीं करूंगा। मेरे खयाल से यह निराशाजनक है कि लोगों का ध्यान मैदान के बाहर की बातों की ओर आकर्षित होता है, लेकिन हमारी टीम पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। लैंगर ने हालांकि बाद में अपनी टिप्पणी पर सफाई देते हुए कहा था कि मौजूदा ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी उनके छोटे भाइयों की तरह हैं।

कू ऐप से जुड़े रोनाल्डिन्हो

नयी दिल्ली। ब्राज़ील के दिग्गज फुटबॉलर रोनाल्डो डी एसिस मोरेरा उर्फ रोनाल्डिन्हो भारतीय मूल के सोशल मीडिया ऐप कू से जुड़ गये हैं। कू ने यहां जारी बयान में बताया कि रोनाल्डिन्हो ने इस मंच पर अपना अकाउंट बनाने के बाद पुर्तगाली, अंग्रेजी और कई भारतीय भाषाओं में पोस्ट किये हैं। कई भाषाओं में पोस्ट लिखने का यह तरीका कू ऐप का अनूठा फीचर है। कू ऐप के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अप्रमेय राधाकृष्ण ने कहा, रोनाल्डिन्हो का हमारे मंच पर आने का यह सबसे बेहतरीन वक्त है। हमारा लक्ष्य भाषाई मुश्किलों के बावजूद दुनिया को एकजुट करना है। जिस वक्त दुनिया भर में फीफा विश्व कप 2022 देखा जा रहा है, हर देश में मौजूद रोनाल्डिन्हो के प्रशंसक अपनी पसंद की भाषा में उनके साथ जुड़ने में सक्षम होंगे। एक मंच के रूप में कू ऐप मशहूर शख्सियतों को हर भाषा में पोस्ट करने के अलावा अपनी मातृभाषा में अपने प्रशंसकों के साथ संवाद करने में सक्षम बनाता है। कू ऐप के सह-संस्थापक, मयंक बिदावतका ने कहा, हम सभी रोनाल्डिन्हो के बहुत बड़े प्रशंसक हैं। फुटबॉल के सबसे बड़े दिग्गजों में से एक का कू ऐप से जुड़ना रोमांचक है। जब हम ब्राजील जायेंगे तो उनसे मिलना और भी रोमांचक होगा। हमने हाल ही में ब्राजील में ऐप लॉन्च किया है और कू वहां रातों-रात जबर्दस्त रूप से मशहूर ब्रांड बन गया है। जिस गर्मजोशी और प्यार से ब्राजील ने हमारा स्वागत किया है वह काबिले तारीफ है।

पाकिस्तान के खिलाफ आक्रामक रवैया जारी रखेगी इंग्लैंड : मैकुलम

रावलपिंडी। इंग्लैंड टेस्ट टीम के कोच ब्रेंडन मैकुलम ने सोमवार को कहा कि उनकी टीम पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज में आक्रामक रवैये के साथ खेलना जारी रखेगी। मैकुलम ने पाकिस्तान आने के बाद अपनी पहली संवाददाता सम्मेलन में कहा घर से दूर जाकर जीतना सबसे बड़ी उपलब्धि है जिसे आप एक टेस्ट खिलाड़ी और एक टेस्ट टीम के रूप में हासिल कर सकते हैं। हम समझते हैं कि हम किस चुनौती का सामना कर रहे हैं, लेकिन यह अच्छा है। आप इसीलिए तो खेलना चाहते हैं। आप आसान चुनौतियां नहीं चाहते हैं। मैं वास्तव में उत्साहित हूं। मुझे नहीं पता कि हम सीरीज जीतेंगे या नहीं, लेकिन मैं दावा कर सकता हूं कि जब कप्तान (बेन स्टोक्स) 48 घंटे में यहां आयेंगे तो वह कहेंगे कि सीरीज में कोई ड्रॉ नहीं होगा। इंग्लैंड 17 साल बाद पाकिस्तान में टेस्ट सीरीज खेलने जा रही है और यह बतौर कोच मैकुलम का पहला विदेशी दौरा भी है। मैकुलम-स्टोक्स की अगुवाई में इंग्लैंड ने खेल के सबसे लंबे प्रारूप में अपना रवैया बदला है, और उन्हें पिछले सात में से छह मुकाबलों में जीत भी मिली है।

घाना ने रोमांचक मुकाबला जीता, कोरिया विश्व कप से बाहर

अल रैयान (कतर)। घाना ने मोहम्मद कुद्दूस के दो गोलों की बदौलत सोमवार को फीफा विश्व कप 2022 के रोमांचक ग्रुप-एच मुकाबले में दक्षिण कोरिया को 3-2 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। एजुकेशन सिटी स्टेडियम पर खेले गये मुकाबले में विजेता टीम के लिये मोहम्मद सालिसू (24वां) और कुद्दूस (34वां, 68वां मिनट) ने गोल किये। चो गुए-सुंग (58वां, 61वां) ने कोरिया के दोनों गोल जमाये। पहले हाफ में 2-0 से पिछड़ने के बाद कोरिया गुए-सुंग के गोलों की बदौलत मैच में वापस आ गया था, लेकिन कुद्दूस के गोल ने एक बार फिर घाना को बढ़त दिला दी। इसके बाद कोरिया ने स्कोर बराबर करने के कई प्रयास किये लेकिन घाना के गोलकीपर लॉरेंस अतिज़िगी ने उन्हें एक बार भी कामयाब नहीं होने दिया और अपनी टीम के लिये बहुमूल्य तीन अंक सुनिश्चित किये। करो या मरो मुकाबले में कोरिया ने अच्छी शुरुआत की लेकिन सालिसू ने घाना को शुरुआती बढ़त दिलाई।

हार का सिलसिला रोकने उतरेगा भारत

एडिलेड। भारतीय पुरुष हॉकी टीम बुधवार को यहां मेट स्टेडियम पर पांच मैचों की श्रृंखला का तीसरा टेस्ट जीतकर सीरीज बचाने के साथ-साथ ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार का सिलसिला समाप्त करने उतरेगी।

भारत ने 2020 के बाद से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कोई मुकाबला नहीं जीता है। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 7-0 से रौंदा था। इस टेस्ट सीरीज के पहले रोमांचक मैच में भारत को 4-5 से हार मिली, जबकि दूसरे मैच में उन्हें 7-4 की करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा।

दोनों टीमें जानती हैं कि 13 जनवरी से भारत में शुरू होने वाले एफआईएच ओडिशा हॉकी पुरुष विश्व कप 2023 भुवनेश्वर-राउरकेला की तैयारी में ये मैच महत्वपूर्ण हैं। घरेलू टीम जहां पहले दो मैचों में अपनी सफलता को आगे बढ़ाना चाहेगी, वहीं भारत के सामने श्रृंखला में वापसी करने की चुनौती होगी।

कप्तान हरमनप्रीत ने मैच से पहले कहा, हमने पहले दो मैचों में जो गलतियां की हैं, हमने उन्हें देखा है। ऑस्ट्रेलिया को थोड़ी भी जगह मिलती है तो वह उसे अवसर में बदलने में तेजी दिखाते हैं। हम अपने रक्षण को बेहतर बनाने का प्रयास करेंगे।

हरमनप्रीत ने कहा, जब मैच बड़े स्कोर वाले होते हैं और दोनों टीमें अपने आक्रमण में पूरी ताकत लगाती हैं, तो एक से अधिक पेनल्टी कार्नर के अवसर मिलते हैं। हम जहां पेनल्टी कार्नर के अवसर बनाने और उससे स्कोर करने में कामयाब रहे हैं, वहीं हमने कुछ पेनल्टी दिये भी हैं जिन्हें आगामी मैचों में कम करने की आवश्यकता है।

हरमनप्रीत ने कहा कि बचाव और जवाबी हमले टीम के सकारात्मक पक्ष हैं और भारत गति एवं फिटनेस के मामले में भी ऑस्ट्रेलिया के बराबर है। हरमनप्रीत ने मोहम्मद रहील और सुखजीत की तारीफ करते हुए कहा कि पहली बार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलते हुए युवा खिलाड़ियों ने दबाव में अच्छा प्रदर्शन किया है।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हमने जनवरी में विश्व कप से पहले ऐसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलकर महत्वपूर्ण अनुभव हासिल किया है। हम अब शेष तीन मैचों की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

तीसरे वनडे पर भी मंडरा रहे बादल

क्राइस्टचर्च। टी20 श्रृंखला और दूसरे वनडे के बारिश से प्रभावित होने के बाद भारत और न्यूजीलैंड के बीच यहां हैगली ओवल पर बुधवार को खेले जाने वाले तीसरे एकदिवसीय मैच पर भी बारिश का खतरा मंडरा रहा है। टी20 श्रृंखला के पहले मैच में भारत की विजय के बाद दूसरा टी20 बारिश के कारण रद्द कर दिया गया, जबकि तीसरा वर्षाबाधित टी20 टाई होने के कारण भारत ने सीरीज 1-0 से जीत ली। वनडे सीरीज में भी तस्वीर कुछ ऐसी ही है, जहां पहला मैच न्यूजीलैंड के पक्ष में गया और दूसरा मैच बारिश की भेंट चढ़ गया। शिखर धवन की टीम जब भारतीय समयानुसार सुबह सात बजे मैदान पर उतरेगी तो उसके सामने सीरीज 1-1 से बराबर करने की चुनौती होगी। यह नतीजा भी तभी संभव है जब हैगली ओवल पर मैच हो सके, लेकिन यहां बुधवार को बारिश के 70 प्रतिशत आसार हैं। यदि कल क्राइस्टचर्च में किसी तरह मैच हो पाता है तो भारत के सामने यह सवाल होगा कि वह संजू सैमसन और दीपक हुड्डा में से किसे टीम में जगह दे।

उरुग्वे के विरुद्ध पहले गोल में रोनाल्डो ने बॉल को नहीं छुआ

लुसैल। फीफा विश्व कप 2022 में प्रयोग होने वाली आधिकारिक बॉल अल रिहला की आपूर्ति एडिडास ने अपनी तकनीक की मदद से पुष्टि की है कि सोमवार को उरुग्वे के खिलाफ पुर्तगाल के शुरुआती गोल में क्रिस्टियानो रोनाल्डो की कोई भूमिका नहीं थी।

रोनाल्डो ने उरुग्वे के खिलाफ पुर्तगाल के मैच के 54वें मिनट में एक गोल करने का दावा किया लेकिन बाद में गोल का श्रेय उनकी टीम के साथी ब्रूनो फर्नांडीस को दिया गया। फर्नांडीस ने पिच के बाईं ओर से बॉल को पार किया और बॉल गोल में जाते ही रोनाल्डो ने सबसे ऊंची छलांग लगा दी। रिप्ले ने बाद में दिखाया कि रोनाल्डो और बॉल का कोई संपर्क नहीं हुआ था।

एडिडास ने अपने बयान में कहा, पुर्तगाल और उरुग्वे के बीच मैच में प्रयोग की गयी एडिडास की अल रिहला आधिकारिक मैच बॉल की कनेक्टेड बॉल तकनीक की मदद से हम निश्चित रूप से कह सकते हैं कि मुकाबले के शुरुआती गोल में क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने गेंद से कोई संपर्क नहीं किया था।

रोनाल्डो इस गोल से यूसेबियो के साथ विश्व कप में पुर्तगाल के लिये सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बन सकते थे। साथ ही वह विश्व कप में अधिक गोल करने की दौड़ में अपने चिर-प्रतिद्वंदी लियोनेल मेसी को भी पीछे छोड़ देते।

बयान में कहा गया, बॉल पर कोई बाहरी बल नहीं मापा जा सका है। बॉल के अंदर 500 हर्ट्ज़ आईएमयू सेंसर की मदद से हम सटिक विश्लेषण कर पाते हैं।

न्यूजीलैंड ने बंगलादेश श्रृंखला के लिये टीम की घोषणा की

क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड ने बंगलादेश के खिलाफ घरेलू सीमित ओवर श्रृंखलाओं के लिये महिला टीम की घोषणा करते हुए अगले साल होने वाले आईसीसी महिला टी20 विश्व कप की तैयारियां शुरू कर दी हैं। अगले महीने बांग्लादेश के खिलाफ तीन वनडे और तीन टी20 मुकाबलों के लिए 15-खिलाड़ी टीम की कमान एक बार फिर अनुभवी कप्तान सोफी डिवाइन को सौंपी गयी है। सुजी बेट्स, अमेलिया केर, जेस केर, मैडी ग्रीन और हेले जेन्सेन इस टीम के साथ अपना अनुभव साझा करेंगी, जबकि विकेटकीपर-बल्लेबाज जेस मैकफैडेन इस श्रृंखला में पदार्पण कर सकती हैं। फरवरी में होने वाले टी20 विश्व कप के लिये दक्षिण अफ्रीका रवाना होने से पहले यह न्यूजीलैंड की आखिरी सीरीज होगी। मुख्य कोच बेन सॉयर को उम्मीद है कि उन्हें यहां कुछ सकारात्मक नतीजे देखने को मिलेंगे।

घरेलू क्लबों की हर संभव मदद करेगा एआईएफएफ : चौबे

एजेंसी

नयी दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने मंगलवार को कहा कि संघ के वर्तमान प्रशासन का ध्यान घरेलू क्लबों के विकास पर केंद्रित है और वह हर संभव हद तक उनका समर्थन करेगा।

चौबे ने यहां फुटबॉल हाउस में आई-लीग क्लबों के साथ हुई बैठक में कहा, सभी क्लबों के साथ-साथ महासंघ भी एक सपना देख रहा है जिसे वह निकट भविष्य में साकार होते हुए देखना चाहता है।

दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में, भारत में खेल को आगे ले जाने की पूरी क्षमता है।

क्लब लंबे समय से इसे हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं, हालांकि उनके प्रयासों को वह मान्यता नहीं दी गयी है जो दी जानी चाहिये थी। हमारा ध्यान क्लबों के विकास पर है और एआईएफएफ हर संभव हद तक उनकी मदद करेगा।

चौबे ने एआईएफएफ और क्लबों के बीच साझेदारी के विषय पर रोशनी डालने के साथ-साथ राजस्व में वृद्धि के संभावित क्षेत्रों और व्यावसायिक वृद्धि के तरीकों पर भी क्लबों के साथ चर्चा की।

बैठक में एआईएफएफ के महासचिव डॉ. शाजी प्रभाकरन, उप महासचिव सुनंदो धर के अलावा गोकुलम केरल एफसी, मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब, श्रीनिधि डेक्कन एफसी, चर्चिल ब्रदर्स एफसी गोवा, राउंडग्लास पंजाब एफसी, राजस्थान यूनाइटेड एफसी, नेरोका एफसी, आइजोल एफसी और ट्रॉ एफसी के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

डॉ. प्रभाकरन ने एलीट युवा लीग और आयु-समूह विकास की अवधारणा समझाते हुए कहा कि क्लब विकास और अभिजात वर्ग के खिलाड़ियों के विकास की योजनाएं तैयार की जा रही हैं और इसमें एलीट युवा लीग से लेकर जमीनी स्तर की लीग तक का दृष्टिकोण होगा।

डॉ प्रभाकरन ने कहा, इसमें कोई शक नहीं कि कई चुनौतियां हैं। अगर हम ठीक से बढ़ते हैं, तो चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया जा सकता है।

खेल के सुचारू संचालन के लिये और क्लबों को अपने सीज़न की योजना पहले से अच्छी तरह से बनाने का अवसर देने के लिये, हम दिसंबर 2022 में ही वार्षिक प्रतियोगिता कैलेंडर 2023-24 की घोषणा करेंगे।

चीन में दम तोड़ने लगा प्रदर्शन

बड़े शहरों के चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात, प्रदर्शनकारियों को ढूंढा जा रहा

बीजिंग। जीरो कोविड पॉलिसी के खिलाफ चीन में चल रहे प्रदर्शन अब दम तोड़ने लगे हैं। सरकार इतनी सख्त हो गई है कि प्रदर्शनकारियों को घर से बाहर तक नहीं निकलने दे रही है। कई शहरों में भारी पुलिस बल मौजूद है जिसके चलते लोग इकट्ठा नहीं हो पा रहे हैं। पुलिस तुरंत भीड़ को खदेड़ रही है। कई रिपोर्ट्स के मुताबिक लोगों से सवाल किए जा रहे हैं और उनके फोन की तलाशी ली जा रही है। मंगलवार सुबह पुलिस ने सभी बड़े शहरों की उन जगहों की पैट्रोलिंग करनी शुरू कर दी जहां भीड़ जुटने वाली थी।

एजेंसी के मुताबिक चीन में प्रदर्शनों पर को दबाने के बाद अब पुलिस प्रदर्शनकारियों को ढूंढ रही है। उनसे सवाल किए जा रहे हैं। बीजिंग के लोगों का कहना है कि पुलिस उनसे जानकारी मांग रही है कि वो प्रदर्शन के वक्त कहां थे। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि प्रदर्शनों में शामिल हुए लोगों की जानकारी पुलिस के पास कैसे पहुंची।

सोमवार से प्रदर्शनों में आई कमी

प्रदर्शनकारी कहां जुटने वाले हैं इसकी जानकारी पुलिस लगातार टेलीग्राम और दूसरे सोशल मीडिया एप से ले रही है। प्रदर्शन के मरने की शुरूआत सोमवार को ही हो गई थी। जब बीजिंग में अफसरों ने उन सभी जगहों को घेर लिया था जहां प्रदर्शनकारियों के मिलने की संभानवा थी। शांघाई में प्रोटेस्ट के रूट को बड़े-बड़े बैरियर्स लगाकर रोक दिया गया था। बीबीसी ने एक सोशल मीडिया पर वायरल एक खबर को वैरिफाई करवाया है। जिसमें पुष्टि हुई की हांगझोऊ इलाके में एक प्रदर्शन को पुलिस ने तुरंत रोक दिया और प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया।

प्रदर्शन धीमा पड़ने के पीछे गिरता तापमान

चीन में प्रदर्शन धीमा पड़ने के पीछे लगातार बढ़ती हुई ठंड और गिरता हुआ पारा भी है। कड़कड़ाती ठंड के कारण शांघाई और नानजिंग में प्रदर्शन टालने पड़े हैं। प्रदर्शनों के कम होने की वजह कोविड नियमों में दी गई छूट भी है।लोगों के गुस्से को शांत करने के लिए प्रशासन ने थोड़ी ढील देने की घोषणा की है। हालांकि न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक सरकार की सारे नियम वापिस लेने की कोई मंशा नहीं है।

बिल्डिंग में लगी आग से शुरू हुए थे प्रदर्शन

चीन में एक तरफ कोरोना के मामले बढ़ते जा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ लोग जीरो कोविड पॉलिसी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। ये प्रदर्शन 25 नवंबर को शिंजियांग के एक अपार्टमेंट में लगी आग के बाद उग्र हो गए थे। दरअसल, जीरो कोविड पॉलिसी के तहत लगाए गए लॉकडाउन के चलते दमकलकर्मी वक्त रहते आग बुझाने यहां नहीं पहुंच पाए। इससे 10 लोगों की मौत हो गई थी।

सोशल मीडिया पर विरोध प्रदर्शन के कई वीडियो वायरल हो रहे हैं। एक वीडियो में देखा जा सकता है कि लोग सड़कों पर बैनर लेकर खड़े हैं। बैनर पर लिखा है- नीड ह्यूमन राइट, नीड फ्रीडम यानी हमें मानव अधिकार और आजादी चाहिए।

इजरायल के हमले में 4 फिलिस्तीनियों की मौत

2022 में मारे गए 200 लोग, 2006 के बाद सबसे ज्यादा मौत इस साल हुई

जेरूसलम। वेस्ट बैंक में मंगलवार को हुए इजरायल के हमले में फिलिस्तीन के चार लोगों की मौत हो गई। वहां की हेल्थ मिनिस्ट्री ने बताया कि इजरायल की तरफ से हुई फायरिंग में मरने वाले तीन लोगों में से दो भाई थे। इन दोनों भाइयों की पहचान जावद उम्र 22 और धाफर रिमावी उम्र 21 के रूप में हुई है। रामाल्लाह के कफ्र ऐन इलाके में इजरायल के साथ हो रही मुठभेड़ के दौरान ये दोनों भाई चपेट में आ गए थे। फिलीस्तीन के मंत्री हुसैन अल शेख ने इन दोनों भाइयों की मौत को क्रूर बताया। वहीं इजरायली मिलिट्री के मुताबिक गांव में रेकी करने के दौरान उनके सैनिकों पर कुछ संदिग्धों ने पत्थरों और आग के गोलों से हमला कर दिया। इसी की जवाबी कार्रवाई में ये दोनों युवा मारे गए।

रामाल्लाह के अलावा हेब्रोन में भी इजरायल की तरफ से की गई रेड में एक फिलिस्तीनी की जान चली गई। जिसकी पहचान मुफिद खलील के रूप में हुई है। खलील को सीधे सिर में गोली मारी गई। इस इलाके में 8 लोग और भी घायल भी हुए हैं। इजरायल की तरफ से दी गई सफाई में बताया गया है कि इन लोगों की तरफ से पहले विस्फोटक फेंके गए थे।

इस साल इजरायल के हमलों में मरने वाले फिलिस्तीन के लोगों की संख्या साल 2006 से भी ज्यादा हो गई है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक इस साल इजारयल के हमलों में वेस्ट बैंक के अभी तक कम से कम 200 लोग मारे जा चुके हैं। इनमें 47 बच्चे भी शामिल हैं। इसी दौरान केवल वेस्ट बैंक वाले इलाके में 8900 लोग घायल भी हुए। वहीं फिलिस्तीन के हमलों में इस साल अभी तक 25 लोगों की जान गई है।

दुबई समुद्र तट पर शार्क की पकड़ में आने से महिला बाल-बाल बची

दुबई। संयुक्त अरब अमीरात के शहर दुबई के समुद्र में एक महिला विशाल शार्क की पकड़ में आने से बाल-बाल बच गयी। द सन की रिपोर्ट के मुताबिक एक वीडियो में दिखाया गया कि दुबई में काइट बीच के तट पर हॉलिडेमेकर्स समुद्र में डुबकी लगा रहे थे।, तभी एक विशाल शार्क एक महिला के करीब आती नजर आयी। वहां पर मौजूद एक सुरक्षा कर्मी महिला को सचेत करते हुए चिल्लाया। उसी वक्त वह किसी तरह समुद्र के पानी से बाहर निकल आयी । घटना को टिकटॉक पर शेयर किया गया और इसे अब तक 70 लाख से ज्यादा बार देखा गया। दुबई में समुद्र तट पर जाने वालों को केवल सूर्यास्त तक समुद्र में तैरने की अनुमति है।

इंडोनेशिया में बस दुर्घटनाग्रस्त, पांच की मौत,12 घायल

जकार्ता। इंडोनेशिया के उत्तरी सुमात्रा प्रांत में एक पर्यटक बस के 30 मीटर ऊंची चट्टान से गिर जाने से कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए। स्थानीय पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह हादसा पाकपक भारत जिले के कुटा सागा गांव में सोमवार की रात करीब सवा दस बजे हुआ। जिले के यातायात पुलिस प्रमुख मुजियोनो ने स्थानीय मीडिया को बताया कि इस दुर्घटना में बस के ब्रेक फेल होने को मुख्य कारण माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि सभी पीड़ितों को आपातकालीन प्रतिक्रिया टीमों द्वारा निकाला गया और पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

असीम मुनीर ने पाकिस्तान के नये सेना प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाला

इस्लामाबाद। जनरल असीम मुनीर ने मंगलवार को देश के पूर्वी पंजाब प्रांत के रावलपिंडी में सेना मुख्यालय में आयोजित समारोह में पाकिस्तान के 17वें सेना प्रमुख का पदभार ग्रहण किया। निवर्तमान सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने समारोह में जनरल मुनीर को कमान सौंपी। इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिक, सैन्य अधिकारी, राजनयिक और सार्वजनिक अधिकारी भी मौजूद थे। छह साल तक पद पर बने रहने वाले जनरल बाजवा ने समारोह को संबोधित करते हुए उम्मीद जताई कि जनरल मुनीर की नियुक्ति देश और सेना दोनों के लिए सकारात्मक साबित होगी। जनरल मुनीर को गुरुवार को देश के सेना प्रमुख के रूप में नियुक्त किया गया था जब राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ को उन्हें चुनने की सिफारिश को मंजूरी दे दी थी। वह देश के संविधान के अनुसार तीन साल की अवधि के लिए सेना प्रमुख बने रहेंगे।

श्रीलंकाई रख सकते हैं 10 हजार डॉलर की कीमत की भारतीय मुद्रा

कोलंबो। श्रीलंका के लोग अब भौतिक रूप में 10,000 डॉलर मूल्य की भारतीय मुद्रा (आईएनआर) रख सकते हैं हालांकि श्रीलंका में भारतीय रुपये की वैधता नहीं है। यह जानकारी मंगलवार को एक रिपोर्ट में दी गयी। यह कदम श्रीलंका के आईएनआर को विदेशी मुद्रा के रूप में नामित करने के अनुरोध के बाद उठाया गया है जिसे भारत ने मंजूरी दे दी है। समाचार पत्र डेली मिरर ने बताया कि यह श्रीलंका को अपर्याप्त डॉलर की तरलता के बीच अपने आर्थिक संकट से निपटने में मदद करने के लिए आवश्यक तरलता सहायता प्रदान करेगा। इस निर्णय को भारत सरकार के एशियाई देशों के बीच भारतीय रुपये को लोकप्रिय बनाने और डॉलर पर निर्भरता कम करने के प्रयासों के अनुरूप भी देखा जा सकता है। श्रीलंका के निवासी अब आईएनआर को दूसरी मुद्रा में परिवर्तित कर सकेंगे। इसे सक्षम करने के लिए श्रीलंका के बैंकों को 'आईएनआर नोस्ट्रो खाता' खोलने के लिए एक भारतीय बैंक के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर करना होगा जिसका मतलब है कि बैंक किसी अन्य बैंक अपने खाते में विदेशी मुद्रा रखते हैं।

ब्रिटेन-चीन संबंधों का स्वर्ण युग समाप्त: सुनक

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा है कि चीन के साथ संबंधों का तथाकथित 'सुनहरा युग' खत्म हो गया है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार अपने पहले विदेश नीति भाषण में श्री सुनक ने कहा कि पिछले दशक के करीबी आर्थिक संबंध 'निष्कपट' थे। उन्होंने ब्रिटेन के प्रतिस्पर्धियों के प्रति इच्छाधारी सोच को 'मजबूत व्यावहारिकता' के साथ बदलने की जरुरत पर बल देते हुए चीन के प्रति अपने देश के रुख को 'विकसित' करने का भी संकल्प व्यक्त किया। उन्होंने 'शीत युद्ध बयानबाजी' के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि चीन के वैश्विक महत्व को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। सुनक ने पिछले महीने टोरी नेता और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के बाद से चीन पर लंदन के रुख को सख्त करने के लिए टोरी 'बैकबेंचर्स' के दबाव का सामना किया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित

संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

टूरिज्म में इन 8 क्षेत्रों में मिलेंगे बेहतरीन मौके

वर्ल्ड ट्रैवल एंड टूरिज्म काउंसिल की रिपोर्ट के अनुसार, नए वीसा सुधार, अतुल्य भारत अभियान और सरकार द्वारा इंफास्ट्रक्चर पर ज्यादा जोर दिए जाने से भारतीय ट्रैवल एंड टूरिज्म उद्योग में आने वाले वर्षों में और तेजी आने की उम्मीद है। एक अनुमान के मुताबिक, बीते कुछ वर्षों में करीब 9 प्रतिशत (3.74 करोड़) लोगों को टूरिज्म सेक्टर में रोजगार मिला। देश की भौगोलिक और सांस्कृतिक-ऐतिहासिक विरासत ऐसी है कि दक्षिण एशिया घूमने आने वाले करीब 50 प्रतिशत पर्यटक हर साल भारत आना पसंद करते हैं। यही वजह है कि टूरिज्म सेक्टर में युवाओं के लिए रोजगार की संभावनाएं लगातार बढ़ रही हैं।

करियर के अवसर

चूंकि टूरिज्म उद्योग में कार्य का दायरा काफी विस्तृत है, इसलिए यहां युवाओं के लिए सरकारी और निजी दोनों ही क्षेत्रों में अनेक प्रकार की संभावनाएं मौजूद हैं। टूरिज्म से संबंधित कोर्स करने के बाद आप विभिन्न विमानन कंपनियों, होटल आदि में मैनेजर, टूर मैनेजर, कस्टमर सेल्स एग्जीक्यूटिव, ट्रैवल प्रोडक्ट डिजाइनर, सेल्स एंड मार्केटिंग स्टाफ, ट्रैवल एजुकेटर, गाइड, दुभाषिया आदि के तौर पर जॉब पा सकते हैं। इसी तरह ट्रैवल एजेंसीज में भी ढेर सारे अवसर हैं, जहां आप मैनेजर, रिजर्वेशन एंड काउंटर स्टाफ, सेल्स एंड मार्केटिंग स्टाफ, टूर एस्कॉर्ट, टूर ऑपरेटर आदि के रूप में सेवा दे सकते हैं। कहने का मतलब यह है कि टूरिज्म सेक्टर में आपके लिए करियर ग्रोथ और पैसा दोनों हैं। अगर चाहें, तो कुछ वर्षों के अनुभव के बाद खुद का ट्रैवल बिजनेस भी शुरू कर सकते हैं। धीरे-धीरे पासपोर्ट एंड वीसा हैंडलिंग, डेस्टिनेशन मैनेजर, ट्रैवल कंसल्टेंट, फ्रंट ऑफिस मैनेजमेंट, एचआर, बिजनेस डेवलपमेंट, पीआर, इवेंट मैनेजमेंट जैसे दूसरे गैर-परंपरागत क्षेत्रों में भी युवाओं के लिए जॉब की संभावनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। मेडिकल टूरिज्म भी ऐसा ही एक उभरता हुआ नया क्षेत्र है, जहां हेल्थ प्रोफेशनल्स के लिए काफी स्कोप है।

कहां हैं मौके?

पर्यटन विभाग – इससे संबंधित कोर्स करने के बाद आप पर्यटन विभाग में रिजर्वेशन एंड काउंटर स्टाफ, सेल्स एंड मार्केटिंग स्टाफ, टूर प्लानर्स, टूर गाइड जैसे पदों पर सरकारी नौकरी में जा सकते हैं। यूपीएससी या पीएससी परीक्षा पास कर केंद्र व राज्यों के पर्यटन विभागों में अफसर भी बना जा सकता है।

एयरलाइंस – पर्यटन उद्योग का यह सबसे आकर्षक क्षेत्र माना जाता है। आप एयर होस्टेस, ग्राउंड सपोर्ट एंड एयरपोर्ट मैनेजमेंट, एयरलाइन ग्राउंड ऑपरेशन, एयरलाइन टिकिटिंग, होटल मैनेजमेंट या टूरिज्म जैसे कोर्स करके यहां ग्राउंड स्टाफ या इन-फ्लाइट एसोसिएट, ट्रैफिक असिस्टेंट, रिजर्वेशन एंड काउंटर स्टाफ, क्लाइंट सर्विसिंग स्टाफ के रूप में करियर बना सकते हैं।

होटल – किसी भी देश की ट्रैवल एंड टूरिज्म इंडस्ट्री का अहम हिस्सा हैं होटल्स। यही कारण है कि यह क्षेत्र देश में तेजी से आगे बढ़ रहा है। तमाम तरह के जॉब के अवसर भी लोगों को विभिन्ना स्तरों के होटलों में मिल रहे हैं।

ट्रांसपोर्ट – हवाई, सड़क, रेल और समुद्री मार्गों से परिवहन के क्षेत्र में को-ऑर्डिनेटर, सुपरवाइजर, ड्राइवर आदि के रूप में बड़ी संख्या में जॉब के अवसर हैं।

टूर ऑपरेटर्स – ऐसे प्रोफेशनल्स अपने क्लाइंट के लिए टूर की व्यवस्था करते हैं, उन्हें विभिन्न पर्यटन स्थलों पर घुमाने के लिए ले जाते हैं, रिवर राफ्टिंग, रॉक क्लाइंबिंग आदि जैसे साहसिक खेलों में टूरिस्ट की मदद करते हैं। क्लाइंट की यात्रा और ठहरने का प्रबंध भी यही प्रोफेशनल्स करते हैं। अगर आपका व्यक्तित्व अच्छा है, आप पर्यटन स्थलों की अच्छी जानकारी रखते हैं और आपकी लैंग्वेज स्किल अच्छी है, तो आप इस फील्ड में अपना करियर बना सकते हैं।

टाइम शेयर कंपनीज – ऐसी कंपनियां हॉलीडे रिसॉर्ट को मैनेज करने का काम करती हैं। विदेशी कंपनियों के रिसॉर्ट के साथ भी इनका बिजनेस टाई-अप होता है। आप ऐसी कंपनियों में काम करने का मौका पा सकते हैं।

हॉलीडे कंसल्टेंसी – ट्रैवल एंड टूरिज्म उद्योग में अभी यह नया क्षेत्र है। हॉलीडे कंसल्टेंट टूर से जुड़ी हर तरह की जानकारी अपने क्लाइंट को उपलब्ध कराते हैं, जैसे क्लाइंट के लिए ट्रैवल प्लान करना, टिकट बुकिंग करना आदि।

बैंक – बैंकों में भी विदेशी मुद्रा के लिए आने वाले टूरिस्ट की मदद हेतु प्रोफेशनल्स की सेवाएं ली जाती हैं। तमाम बैंक आजकल पर्यटकों के लिए होटल और टिकट बुकिंग की सुविधाएं भी उपलब्ध करा रहे हैं। बैंकों में ऐसे जॉब के लिए आम तौर पर एमबीए स्टूडेंट्स को हायरिंग में खास तवज्जो दी जाती है।

पर्सनल स्किल्स

ट्रैवल एंड टूरिज्म उद्योग में कम्युनिकेशन स्किल सबसे जरूरी है क्योंकि यहां लोगों को अक्सर पर्यटकों से बातचीत करके उनकी जिज्ञासाओं को शांत करना होता है। आपका व्यवहार कुशल होना भी जरूरी है। अच्छी पर्सनैलिटी से फायदा होगा। क्षेत्र विशेष की भौगोलिक जानकारी भी होनी चाहिए। अगर आप मैनेजेरियल या एडमिनिस्ट्रेटिव पद पर हैं, तो लीडरशिप क्वॉलिटी के साथ-साथ त्वरित समस्या समाधान की क्षमता और टीमवर्क की भावना भी आपमें होना जरूरी है।

कोर्स व क्वॉलिफिकेशन

टूरिज्म इंडस्ट्री में करियर बनाने के लिए डिग्री, पीजी डिग्री, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स के रूप में कई प्रकार के कोर्स उपलब्ध हैं। डिग्री कोर्स की अवधि 3 वर्ष होती है। इसमें किसी भी स्ट्रीम के युवा 12वीं के बाद प्रवेश ले सकते हैं। अगर आप ग्रेजुएट हैं, तो टूरिज्म में पीजी या डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। कुछ संस्थान सर्टिफिकेट कोर्स भी कराते हैं, जिसे 12वीं के बाद करके आप टूर एजेंसीज या टूर प्रमोशन एंड सेल्स कंपनियों में जॉब पा सकते हैं।

सैलरी कितनी?

टूरिज्म उद्योग में सैलरी काफी आकर्षक है। एयरलाइंस, ट्रैवल एजेंसीज आदि में ऐसे प्रोफेशनल्स और उनके परिवारों को कई मुफ्त सुविधाएं भी मिलती हैं। प्रोफेशनल्स को शुरूआत में 15 से 20 हजार रुपए प्रति माह की सैलरी आसानी से मिल जाती है। अनुभव बढ़ने पर ऐसे प्रोफेशनल्स 40 हजार से लेकर 1 लाख रुपए महीना तक कमा सकते हैं।

कौन-से कोर्स?

- बैचलर ऑफ टूरिज्म एडमिनिस्ट्रेशन
- बैचलर ऑफ टूरिज्म स्टडीज
- मास्टर ऑफ ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट
- डिप्लोमा इन ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट
- फाउंडेशन कोर्स इन ट्रैवल एंड टूरिज्म
- ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट कोर्स
- इंटीग्रेटेड डिप्लोमा इन ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट।

ग्रुप डिस्कशन में पीछे न रह जाएं, अपनाएं ये टिप्स

कुछ एग्जाम में ग्रुप डिस्कशन का बहुत बड़ा रोल होता है। कई बार आप लिखित परीक्षा में तो अच्छे अंक से पास हो जाते हैं लेकिन जब ग्रुप डिस्कशन का समय आता है तो वहां विफल हो जाते हैं। आखिर ऐसी कौन-कौन सी बातें है जिनका ध्यान रखा जाए तो आप ग्रुप डिस्कशन में भी बाजी मार सकते हैं। सबसे पहली बात इसके लिए आपको अपडेट होने के साथ-साथ आपकी बॉडी लैंग्वेज भी अच्छी होनी चाहिए।

- जीडी के दौरान किसी एक मेंबर की और फोकस न करें। सभी पर नजर आई-कॉन्टेक्ट बनाए रखें।
- जीडी में आप अपनी बात तभी रख पाएंगे जब आपको जीडी वाले टॉपिक का नॉलेज हो। अगर नॉलेज नहीं है तो आप अच्छे से डिस्कशन नहीं कर पाएंगे।
- इस बात का जरूर ध्यान रखें कि जब दूसरा बोल रहा हो तो उसे बीच में टोके नहीं, चाहे आप उसकी बात से सहमत न भी हों। जब आपको मौका मिले तो अपनी बात को विनम्रता के साथ कहें।
- जो भी बोलें बिलकुल साफ बोलें, वरना सामने बाकी लोगों को या तो समझ नहीं आएगा या वो आपकी बात का कोई और मतलब निकाल सकते हैं।
- ध्यान रखें कि जिस टॉपिक पर डिस्कशन हो रहा है, उससे भटके नहीं। टॉपिक की थीम को ध्यान में रखकर उसी पर अपना व्यूज रखें।
- पॉजिटिव एटीट्यूड रखें और कॉन्फिडेंस बनाए रखें। लेकिन ध्यान रखें कि न तो किसी को नीचा दिखाना है और ही खुद को बहुत नॉलेजेबल शो करना है।
- आपको बस अपनी बात शेयर करनी है न कि किसी को मानने के लिए फोर्स करना है।
- जो भी बोलें उसमें दम होना चाहिए। आपकी बात में अगर प्वॉइंट नहीं होगा तो आप इंम्पैक्ट डालने से चूक जाएंगे।
- दूसरे जो बोल रहे हैं, उसे ध्यान से सुनें। सिर्फ खुद ही न बोलते चले जाएं। इससे आपका नॉलेज बढ़ेगा और आप एक अच्छा डिस्कशन कर पाएंगे।

इन 5 तरीकों से एल्यूमिनी नेटवर्किंग के जरिए ढूंढे जॉब

जॉब सर्च में एल्यूमिनी सबसे मूल्यवान नेटवर्किंग कॉन्टेक्ट्स हो सकते हैं, बशर्ते आप इसका प्रभावी तरीके से उपयोग करें। आज के समय में प्रभावकारी एल्यूमिनी नेटवर्किंग टेक्निक्स ज्यादा फोकस्ड होती है जिसके विशेष टारगेट, गोल और एक्शंस होते हैं। अगर आप यह सीख लें कि इनका सही तरीके से फायदा किस तरह उठा सकते हैं तो एल्यूमिनी नेटवर्किंग कॉन्टेक्ट्स बेहतरी नौकरी दिलवाने में मददगार साबित हो सकता है। आप एल्यूमिनी की नेटवर्किंग का उपयोग कर इन तरीकों से जॉब सर्च कर सकते हैं –

- एल्यूमिनी नेटवर्क का जानकारी लेने में आप अच्छा यूज कर सकते हैं। आपको टारगेट कंपनियों के एचआर मैनेजर्स को लेकर जानकारी मिलेगी और आपकी पहुंच भी बनेगी। हो सकता है कि नेटवर्किंग के जरिए आप आपने टारगेट तक पहुंच जाए। इसके लिए आपको सही एल्यूमिनी के पहचाने की जरूरत है।
- आप उस एल्यूमिनी से संपर्क कर सकते हैं जो कि कंपनी, उसके डिपार्टमेंट या मैनेजर की जानकारी दे। आप यह पता कर सकते हैं वाकई कंपनी में वैकेंसी है या नहीं। कई बार कंपनी अपनी वेबसाइट पर करंट ओपनिंग में वैकेंसी मेंशन नहीं करती लेकिन उन्हें हायरिंग की जरूरत होती है। आप बेहतर तरीके से एल्यूमिनी से यह पूछ सकते हैं।
- सही बात तो यह है कि सही एल्यूमिनी से आप आसानी से संपर्क नहीं साध सकते क्योंकि वे व्यस्त इंसान होते हैं। हालांकि अगर आपका वह साथ दें तो वे कंपनी और आपके बीच में ब्रिज का काम करेगा।
- कई बार हायरिंग मैनेजर अपने स्टाफ से किसी पोस्ट के लिए कैंडीडेट की सिफारिश चाहता है। ऐसे में यह आपके लिए अच्छी बात होती है। अगर आप एल्यूमिनी से टच में रहेंगे तो ऐसे मौके पर सबसे पहले आपका नाम ही उसके दिमाग में आएगा। साथ ही आपको यह अपना इरादा उसे बताकर रखना होगा कि अगर उसकी कंपनी में कोई वैकेंसी निकलेगी तो आप इच्छुक होंगे।
- इसके अलावा एल्यूमिनी से टच में रहने पर उसे संपर्क सूत्रों के हवाले से भी आपको जॉब सर्च में आसानी होगी। इसका सीधा मतलब यह है कि उसके कॉन्टेक्ट्स भी कहीं न कहीं सोशल मीडिया पर आपसे जुड़े होंगे।